news@group5.in | group5news | group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || सोमवार || 7 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंकः 108 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

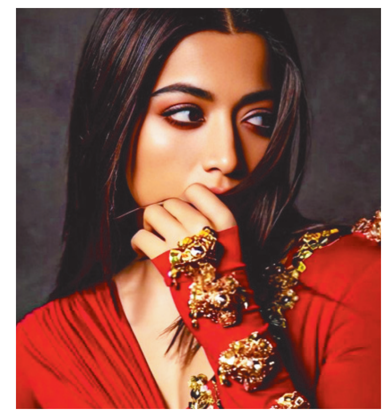

अंदर पढ़ें
» 08 आईपीएल 2025 में बुमराह की वापसी ..
» 07 68 प्रतिशत परिवारों को लोन चुकाने में दिक्कत,
» 11 रश्मिका के ट्रेनर उनसे खुश नहीं हैं....

अयोध्या में 'भए प्रगट कृपाला दीनदयाला' की गूंज

- रामलला का हुआ सूर्य तिलक अद्भुत नजारा, उमड़ी पड़ी भीड़

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अवधपुरी एक बार फिर उन क्षणों की स्मृतियां को जीवंत हुई, जब श्रीरामलला अपने मनमोहक बाल स्वरूप में भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस मौके पर रविवार को प्रभु को श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान भास्कर द्वारा प्रभु के तेजस्वी ललाट पर सूर्य तिलक का अलौकिक दृश्य भी रामभक्तों

को देखने को मिला। इस सूर्य तिलक के साथ ही पूरे सालभर तक भगवान राम का सूर्याभिषेक किया जाएगा। सूर्य तिलक के बाद रामलला की आरती की गई। सूर्य तिलक से पहले कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद किए गए थे और गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई। रामलला के सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के पाइप से सिस्टम बनाया गया है। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। अब तक 5 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम मंदिर के बाहर एक किमी की लाइन लगी है।

रामजन्म के बाद अयोध्या में उल्लास

योग, लगन, ग्रह वार, तिथि, सकल भए अनुकूल।
दिवस अरु शीत न घामा, पावन काल लोक विश्रामा।

रामचरित मानस की इस चौपाई में लिखा है कि सारी परिस्थितियां अनुकूल होने पर भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ। राम का जिस समय जन्म हुआ सारे देवताओं ने आकाश से पुष्प वर्षा की। सरयू की प्रसन्नता से उनका वेग (बहाव) बढ़ गया। वनस्पतियां खिल उठी और अयोध्या के कण-कण में उल्लास छा गया। 4 मिनट का सूर्य तिलक समाप्त होते ही भए प्रगट कृपाला दीनदयाला...राम जन्म की स्तुति गाई गई।

देश में यूसीसी लागू होना जरूरी, मिलेगा बराबरी का हक

- कर्नाटक हाईकोर्ट बोला- संविधान निर्माता भी इसके हक में थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू होना बहुत जरूरी है। इससे सभी नागरिकों को (खासकर महिलाओं को) बराबरी का हक मिलेगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों से

अपील की है कि वे मिलकर ऐसा कानून बनाएं। यह टिप्पणी जस्टिस हंचाटे संजीव कुमार की सिंगल जज बेंच ने एक पारिवारिक संपत्ति विवाद के मामले में की। यह मामला मुस्लिम महिला शहनाज बेगम की मौत के बाद उनकी संपत्ति के बंटवारे को लेकर था, जिसमें उनके भाई-बहन और पति के बीच विवाद हुआ। कोर्ट ने इस मामले के बहाने मुस्लिम पर्सनल लॉ पर सवाल उठाए और कहा कि ये कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करता हैं। कोर्ट ने कहा कि हिंदू कानून में बेटियों को पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार है, जबकि मुस्लिम कानून में भाई को मुख्य हिस्सेदार और बहन को कम हिस्सेदार माना जाता है, जिससे बहनों को कम हिस्सा मिलता है।

तमिलनाडु के नेता खुद ही 'तमिल' में सिग्नेचर नहीं करते

मोदी बोले-राज्य सरकार डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल में कराए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच

- भाषा विवाद के बीच पीएम की मांग, स्टालिन सरकार को घेरा

प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान सीएम स्टालिन उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे। जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना डीएमके

नेताओं और सीएम एमके स्टालिन को नसीहत दे दी। पीएम ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता। तमिल का गौरव बने, इसलिए इन लोगों को स्थानीय भाषा में सिग्नेचर करना चाहिए। पीएम ने डीएमके सरकार पर भाषा विवाद में राजनीति करने का भी आरोप लगाया। पीएम ने कहा यह गलत परंपरा है।

तमिल भाषा में कराएं मेडिकल कोर्स, गरीब बच्चे बनेंगे डॉक्टर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामेश्वरम में विशाल जनसमूह के समक्ष प्रदेश के मुखिया एमके स्टालिन से अपील की। ये अपील 'भाषा' को लेकर थी। उन्होंने आग्रह किया कि गरीब बच्चों की सुविधा को ध्यान में रख प्रदेश सरकार मेडिकल कोर्स तमिल भाषा में कराए। पीएम मोदी ने तमिलनाडु सरकार से एक अपील की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में 1400 से ज्यादा जनऔषधि केंद्र हैं। यहां 80 फीसदी डिस्काउंट पर दवाएं मिलती हैं। इससे भी तमिलनाडु के लोगों की 7 हजार करोड़ रुपए की बचत हुई। देश के नौजवानों को डॉक्टर बनने के लिए विदेश जाने की मजबूरी नहीं रहेगी। इसके लिए बीते सालों में तमिलनाडु को 11 मेडिकल कॉलेज मिले हैं। अब गरीब से गरीब बेटा-बेटी भी डॉक्टर बन सकते हैं। मैं तमिलनाडु सरकार से कहना चाहता हूं कि वे तमिल भाषा में मेडिकल कोर्स जारी करें, ताकि अंग्रेजी न जानने वाले गरीब परिवार के बेटे-बेटी भी डॉक्टर बन सकें।

इंजीनियरों और श्रमिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हजारों साल पुराने शहर को 21वीं सदी के इंजीनियरिंग चमत्कार से जोड़ा जा रहा है। मैं अपने इंजीनियरों और श्रमिकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं। यह पुल भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल है। इसके नीचे से बड़े जहाज गुजर सकेंगे। इस पर ट्रेनें भी तेजी से चल सकेंगी। नई ट्रेन सेवा से रामेश्वरम से चेन्नई और देश के अन्य हिस्सों तक कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे तमिलनाडु में व्यापार और पर्यटन दोनों को लाभ होगा। युवाओं के लिए नई नौकरियां और अवसर भी पैदा होंगे। बीते 10 सालों में भारत ने अपनी इकोनॉमी का साइज दोगुना किया है। इतनी तेज ग्रोथ का एक बड़ा कारण हमारा शानदार मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर भी है। बीते 10 सालों में हमने रेल, रोड, एयरपोर्ट, पानी, पोर्ट, बिजली, गैस पाइपलाइन, ऐसे इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट करीब 6 गुना बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के आरोपों का जवाब दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के सफर में तमिलनाडु की बहुत बड़ी भूमिका है। मेरा मानना है कि तमिलनाडु जितना मजबूत होगा। भारत उतनी ही तेजी से आगे बढ़ेगा। पिछले दस सालों में केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के विकास के लिए 2014 से पहले की तुलना में तीन गुना ज्यादा पैसा दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद कुछ लोगों को बिना किसी कारण रोने की आदत है। वे रोते रहते हैं।

पीएम मोदी ने किया वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज का उद्घाटन

- देश में इस तरह का पहला ब्रिज, पांच मिनट में 22 मीटर तक ऊपर उठेगा

चेन्नई (एजेंसी)। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नया तोहफा दिया। उन्होंने नया पंबन रेलवे पुल देश को समर्पित किया। इसके साथ ही, रामेश्वरम से तांब्रम (चेन्नै) के लिए एक नई ट्रेन भी शुरू की। एक और खास बात हुई। पीएम मोदी ने एक तटरक्षक जहाज को भी रवाना किया। जब पुल का वर्टिकल लिफ्ट हिस्सा ऊपर उठा, तो जहाज उसके नीचे से गुजरा। यह पुल की तकनीक का शानदार प्रदर्शन था। वर्टिकल लिफ्ट हिस्सा मतलब पुल का वो भाग जो ऊपर-नीचे हो सकता है, ताकि जहाज निकल सकें। यह तकनीक वाकई कमाल की है। पंबन रेलवे ब्रिज रामेश्वरम द्वीप को भारत की मुख्य भूमि से जोड़ता है और यह वैश्विक मंच पर भारतीय इंजीनियरिंग की एक बड़ी उपलब्धि है।

पीएम मोदी ने राम सेतु का किया दिव्य दर्शन

पीएम मोदी अपनी तीन दिन की श्रीलंका यात्रा से लौट आए हैं। श्रीलंका से लौटते समय पीएम मोदी को राम सेतु के भी दर्शन हुए। इस बात की जानकारी पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर ट्वीट कर दी। पीएम ने राम सेतु से जुड़ा एक वीडियो भी एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। पीएम मोदी ने लिखा, आज रामनवमी के पावन अवसर पर श्रीलंका से वापस आते समय आकाश से रामसेतु के दिव्य दर्शन हुए। ईश्वरीय संयोग से मैं जिस समय रामसेतु के दर्शन कर रहा था, उसी समय मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। मेरी प्रार्थना है, हम सभी पर प्रभु श्रीराम की कृपा बनी रहे।

पैसे से नहीं, संस्कारों से अपना देश बनेगा विश्वगुरु

- गुरुग्राम में खट्टर बोले-जाति भूलकर एक हरियाणा बनाएं

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में पटौदी के हरि मंदिर संस्कृत महाविद्यालय का 105वां वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। शनिवार देर शाम कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शामिल हुए। उन्होंने कहा कि दशकों से यह संस्थान न केवल विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र रहा है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत एवं

बचाव कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की संकल्पना की है। जनजागरण के तहत आम लोग लगातार इसमें सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का गुरु बने, हम सभी को अपने सामूहिक प्रयासों से देश को उस स्तर पर ले जाना है। क्योंकि विश्व गुरु बनने के लिए अर्थव्यवस्था महत्वपूर्ण नहीं है। उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि उस देश के लोग सामाजिक जीवन में कैसा व्यवहार करते हैं। जिसका मार्ग हमारे गुरुओं के सान्निध्य से निकलता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की समस्याओं का एक-एक करके हल निकाला जा रहा है।

राष्ट्रपति की मंजूरी, वक्फ बिल बना कानून

देश में लागू होने की तारीख केंद्र सरकार तय करेगी

- मुस्लिम संगठनों का विरोध, सुप्रीम कोर्ट में मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया। अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) पर 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। नए कानून को लेकर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद,एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और एएपी विधायक अमानतुल्लाह खान ने

अलग-अलग याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इन याचिकाओं में कहा गया है कि वक्फ संशोधन एक्ट मुस्लिम कम्युनिटी के साथ भेदभाव करता है। यह एक्ट मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन भी करता है। इस पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया। वहीं लोकसभा में देर रात 2 अप्रैल को पारित हुआ था। इस दौरान 288 सांसदों ने समर्थन में और 232 ने विरोध में वोट डाला था। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने शनिवार शाम को वक्फ बिल के विरोध में दो पेज का लेटर जारी किया। बोर्ड ने कहा कि हम सभी धार्मिक, समुदाय-आधारित और सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि संशोधन पूरी तरह से निरस्त नहीं हो जाते।

भाजपा का 46 वां स्थापना दिवस

कामयाबी के साथ अतीत को भी याद रखना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी रविवार को अपना 46वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा का झंडा फहराया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा- सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें समझना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। नड्डा ने आगे कहा- हमने राममंदिर बनाने का वादा किया तो पूरा किया। धारा 370 का वादा भी पूरा किया।

मौत के मुंह में 25 मील यात्रा!

सबसे खतरनाक जनजाति में बीमारी बांटने निकला था अमेरिकी

अंडमान निकोबार के द्वीप के डरावने हैं राज, तीर-भाले से स्वागत

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)। फिरोजा पानी और सुनहरी रेत से घिरा... नॉर्थ सेंटिनल शायद दुनिया का सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक है, लेकिन यहां की रहस्यमयी और खतरनाक जनजाति ने इस द्वीप को शायद दुनिया के सबसे डरावने द्वीपों में से एक बना दिया है। 2018 में जब अमेरिका का रहने वाला एक ईसाई धर्म का प्रचारक चोरी से इस द्वीप पर जाकर ईसाई धर्म का प्रचार करने की कोशिश की थी, तो उसे मार दिया गया था। उसका शव भी द्वीप से वापस नहीं लाया जा सका। इस द्वीप पर रहने वाली जनजाति को भी सेंटिनल जनजाति ही कहा जाता है। ये द्वीप एक बार फिर से चर्चा में इसलिए है, क्योंकि इस बार अमेरिका के रहने वाले एक यूट्यूबर ने इस द्वीप पर उतरने की गुस्ताखी की है।

इस द्वीप पर रहने वाले लोग बाहरी दुनिया से कोई वास्ता नहीं रखना चाहते हैं और अगर कोई इनसे मिलने की कोशिश करता है, तो उस पर हिंसक हमला किया जाता है। अमेरिकी यूट्यूबर मिखाइलो विक्टोरोविच पोल्याकोव ने इस द्वीप पर अवैध रूप से घुसने की कोशिश की थी, जिससे एक बार फिर इस जनजाति की सुरक्षा और उनके अधिकारों पर चर्चा छिड़ गई है। सेंटिनल द्वीपों पर जिसने भी पहुंचने की कोशिश की है यहां की जनजाति के लोग उनका स्वागत तीर और भालों

से करते हैं। बाहरी दुनिया के लोगों को यहां मार दिया जाता है। लिहाजा इस द्वीप के लोगों की रक्षा के लिए सरकार ने बेहद सख्त कानून बना रखे हैं। अगर कोई इस द्वीप पर जाने की कोशिश करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे पांच सालों के लिए जेल की सजा हो सकती है। लेकिन इसके बाद भी अमेरिकी यूट्यूबर पोल्याकोव ने घातक सेंटिनली जनजाति से मिलने की कोशिश की और उसके लिए उसने एक नाव में करीब नौ घंटे में 25 मील की यात्रा की। वह यहां बीमारी फैलाना चाहता था।

सेंटिनल द्वीप का रहस्यमयी समुदाय, किसी से नहीं मिलता

आपको बता दें कि सेंटिनलीज जनजाति दुनिया की सबसे अलग-थलग और अनदेखी जनजातियों में से एक है। वे हजारों वर्षों से बाहरी दुनिया से कटे हुए हैं और किसी भी बाहरी संपर्क को स्वीकार नहीं करते हैं। जो भी उनसे मिलने की कोशिश करता है, वो उसपर तीर और भालों से हिंसक हमला कर देते हैं। उनकी भाषा, संस्कृति और उनकी जीवनशैली के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। पिछली बार जब उनके बारे में जानने की कोशिश की गई थी तो उन्होंने बाहरी लोगों पर तीर और भाले से हमला किया था, जिसके बाद सरकार ने इस जनजाति के लोगों की सुरक्षा और उनके संरक्षण के लिए इस द्वीप पर जाने या इनसे किसी भी तरह के संपर्क पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया। उल्लंघन करने वालों को 5 साल की जेल की सजा का भी प्रावधान रखा गया। जनजातियों पर अध्ययन करने वाले एक्सपर्ट्स का मानना है कि ऐसे अनछुए समुदाय बाहरी बीमारियों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो सकते हैं।

भाजपा और सशक्त बने व पार्टी के विचार हर भारतीय के दिल में हो: ओ. पी. श्रीवास्तव

- भाजपा स्थापना दिवस समारोह में विधायक ने पार्टी की विचारधारा पर डाला प्रकाश
- भाजपा का उद्देश्य भारत को एक ऐसा राष्ट्र बनाना, जहाँ हर नागरिक को समान अवसर मिलें, जहाँ प्रत्येक वर्ग का सम्मान हो और जहाँ समाज के हर हिस्से की आवाज सुनी जाए
- पार्टी की स्थापना दिवस समारोह में हुआ लखनऊ महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष का जोरदार स्वागत
- विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह रहे उपस्थित

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ पूर्व विधानसभा में रविवार शाम भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस बड़ी धूमधाम और भव्य रूप से मनाया गया। विधायक ओ. पी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में पूर्वी विधानसभा के पार्षद, मंडल अध्यक्ष एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। अपने स्वागत भाषण में विधायक ओ. पी. श्रीवास्तव ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हम भारत को एक ऐसा राष्ट्र बनाएं जहाँ हर नागरिक को समान अवसर मिले, जहाँ प्रत्येक वर्ग का सम्मान हो और जहाँ समाज के हर हिस्से की आवाज सुनी जाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भाजपा का संगठन और भी सशक्त हो और पार्टी के विचार हर भारतीय के दिल में बसे रहें। उन्होंने कहा कि यह एक कठिन रास्ता हो सकता है, लेकिन हम सभी को विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी का संगठनात्मक विस्तार और सफलता हम सबके सामूहिक प्रयासों और समर्पण के कारण ही संभव हुआ है। हम सब मिलकर भारत को एक नया भारत बनाने की दिशा में काम करेंगे। आज भाजपा के स्थापना दिवस पर हमें निरंतर कड़ी मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त करना चाहिए, जिनकी वजह से आज भाजपा को एक मजबूत और विश्वसनीय पार्टी के रूप में जाना जाता है। समाज में व्याप्त असमानता और अन्य बुराईयों को समाप्त करने के लिए भाजपा ने हमेशा कटिबद्धता दिखाई है। चाहे वह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई हो, या फिर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाने की कोशिश हो, हमारी पार्टी का यह प्रयास रहा है कि हर नागरिक को एक बेहतर और सम्मानजनक जीवन मिले। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से युवा सम्राट एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह जी की उपस्थिति रही। दोनों ही नेताओं ने पूर्वी विधानसभा के विधायक द्वारा आयोजित भाजपा की स्थापना दिवस समारोह एवं लखनऊ महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष आनंद द्विवेदी जी के स्वागत समारोह की अपने उद्बोधन में भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यकर्ता को हर एक दरवाजे तक जाकर जनता की आवाज बनना होगा: नीरज

भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह जी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि त्याग, तपस्या और समर्पण की भावना, मैं की जगह मेरा और पार्टी से बढ़ाकर देश की विचारधारा के साथ भारतीय जनता पार्टी का विकास हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं को उनकी कार्य संस्कृति बताते हुए नीरज सिंह जी ने कहा कि एक कार्यकर्ता को हर एक दरवाजे तक जाकर जनता की आवाज बनने का काम करना होगा। कार्यकर्ता के संकल्प को पूरा करने का कार्य करना होगा, सेवा से ओतप्रोत होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी सभी नेताओं पर आय से अधिक पैसा लेने के आरोप लगे है लेकिन भारतीय जनता पार्टी जनता के बीच में कार्य कर रही है और हमारे नेताओं पर किसी प्रकार का कोई दाग आज तक नहीं लग पाया है। उन्होंने कहा कि इन्हीं संकल्पों से आज देश का प्रतिनिधित्व संभाल रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 11 वर्षों में विकास की एसी गाथा लिखी है जिसकी दुनिया भर में चर्चा होती है। पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने अंदर अचार, विचार, संस्कार को समाहित करना होगा। यह विचारधारा केवल भारतीय जनता पार्टी में ही मिल सकती है और किसी अन्य राजनीतिक दल में नहीं।

नई परंपरा का हुआ निर्वाह

पूर्वी विधानसभा में पहली बार नई मंच संस्कृति का निर्वाह हुआ। मंच पर सेक्टर संयोजक, वार्ड अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष जिस वार्ड में कार्यक्रम था उसके पार्षद और मुख्य अतिथि को मंच पर जगह दी गई।

लखनऊ महानगर अध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष आनंद द्विवेदी जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर लखनऊ पूर्वी विधानसभा के चारों मंडल अध्यक्षों व पार्षदों ने बड़ी-बड़ी माला व प्रतीक चिन्ह देखकर उनका स्वागत किया भारतीय जनता पार्टी के नारे लगे। स्वागत के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने इंदिरा नगर के सभी चौराहों को भगवा रंग के झंडों से सजाया था जगह-जगह स्वागत में होर्डिंग और बैनर लगाए गए थे पूरा इंदिरा नगर क्षेत्र लखनऊ महानगर के नवनियुक्त अध्यक्ष के स्वागत में रमा हुआ नजर आ रहा था।

आगरा के शाहजहां गार्डन का नाम बदलकर अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखा जाए : मंत्री

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने आगरा स्थित शाहजहां गार्डन का नाम बदलकर अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने की मांग की है। प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री मौर्य ने इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। शाहजहां गार्डन आगरा जिले में ताजमहल और आगरा किले के बीच बना एक हरा-भरा उद्यान है। मौर्य ने कहा कि हां, मैंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र लिखा है और शाहजहां गार्डन का नाम रानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने का मेरा प्रस्ताव जल्द ही मूर्त रूप लेगा। अहिल्याबाई ने महिला सशक्तीकरण के लिए बहुत कुछ किया था। नाम बदलने की मांग करने के पीछे की वजह के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं आगरा की बेटी हूं और हमेशा महान अहिल्याबाई होल्कर से प्रेरणा लेती रही हूं, जिन्होंने महिलाओं के सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया। यह मुद्दा मेरे दिल के बहुत करीब है। इसलिए मुझे लगता है कि इस उद्यान का नाम बदलने से लोगों, खासकर महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। आगरा देहात विधानसभा क्षेत्र से विधायक बेबी मौर्य ने नाम बदलने की विभिन्न मांगों के संबंध में कहा, जब हमारे पास इतने सारे रोल मॉडल हैं तो मुझे लगता है कि हमें उन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है और इस तरह के नाम बदलने में कुछ भी गलत नहीं है। पिछले महीने 29 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मीनगर करने की मांग वाले पोस्टर लगे थे। इसके अलावा प्रदेश के कई अन्य जिलों के नाम बदलने की भी मांग उठ रही है। इनमें अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़, मैनपुरी का नाम बदलकर मायापुरी, संभल का नाम बदलकर पृथ्वीराज नगर या कल्कि नगर, सुल्तानपुर का नाम बदलकर कुशभवनपुर करना शामिल है। प्रदेश सरकार सरकार पहले ही इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज और फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या कर चुकी है। विपक्षी दलों ने इन कदमों को लोगों का ध्यान मुद्दों से भटकाने के लिए रणनीति करार दिया है। मंत्री बेबी रानी मौर्य ने दावा किया कि शाहजहां गार्डन का नाम बदलने की उनकी मांग पर विचार करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मंत्री का दावा है कि उनकी इस मांग का कई अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी समर्थन किया है। मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता शरवेंद्र बिक्रम सिंह ने कहा कि भाजपा नेताओं का ऐसी मांग करना फैशन बन गया है। सिंह ने कहा, चूंकि भाजपा आम जनता के हित में काम करने में विफल रही है इसलिए इसके नेता ऐसी मांग कर रहे हैं। नाम बदलने और अपनी मांग करने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भाजपा नेताओं और सरकारों को विकास के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जिससे आम आदमी को फायदा हो सके।

कर्मचारी संघ होली मिलन समारोह आज

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ के तत्वावधान में सोमवार को नगर निगम परिवार का होली मिलन समारोह एवं संघ के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन जा रहा है। समारोह दोपहर एक बजे से नगर निगम स्थित त्रिलोक नाथ हाल में होगा। प्रधान संरक्षक शशि कुमार मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा, सांसद राज्य सभा, विशिष्ट अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह करेंगे।

उत्तर प्रदेश में अप्रैल से जून तक तीव्र उष्ण लहर का पूर्वानुमान

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में अप्रैल, मई और जून माह में सामान्य से अधिक तापमान और भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है तथा तेज उष्ण लहर का भी पूर्वानुमान है। इन संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए उप्र सरकार के चिकित्सा तथा पशुपालन विभाग ने एहतियातन तैयारी शुरू कर दी है। वैसे तो पूरे प्रदेश में भारी गर्मी के आसार हैं लेकिन विशेषज्ञों ने खासतौर पर चेतावनी दी है कि राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र को सबसे गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जिससे मानव और पशु दोनों के स्वास्थ्य को काफी खतरा हो सकता है। मौसम विभाग के अधिकारी अतुल कुमार सिंह ने बताया, इन महीनों के दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की उम्मीद है। पूर्वानुमान के अनुसार दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की आशंका है। रात के तापमान के भी असामान्य रूप से अधिक रहने का अनुमान है। सिंह ने कहा, रात के समय दर्ज किए गए न्यूनतम तापमान के भी सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है। बुंदेलखंड क्षेत्र के इस भीषण गर्मी का केंद्र बनने का अनुमान है। राज्य में झांसी और चित्रकूटधाम मंडल के सात जिले बुंदेलखंड में आते हैं।

यूपी में बिजली उत्पादन बढ़ाने की बड़ी तैयारी

तापीय विद्युत परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की तेज हुई प्रक्रिया

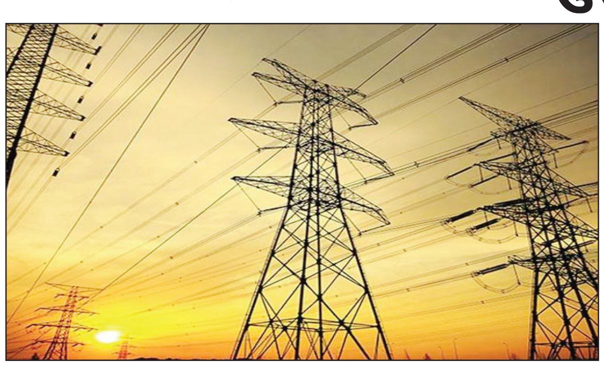

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य में बिजली उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। अब मीरजापुर जिले में एक बड़ी तापीय विद्युत परियोजना की स्थापना की तैयारी तेज कर दी गई है। इस परियोजना के लिए 295 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो है। इस नई परियोजना से मिर्जापुर और आसपास की तस्वीर बदलेगी। इससे एक ओर जहां पूरे प्रदेश को पहले से भी अधिक मात्रा में बिजली मिलने लगेगी तो वहीं दूसरी तरफ मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्र के लोगों को बड़े पैमाने पर रोजगार के संसाधन भी उपलब्ध हो सकेंगे। सभी विभागों से एनओसी मिलने के बाद ही परियोजना को हरी झंडी मिलेगी। राज्य सरकार के मीडिया सेल से दी गई जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री के निर्देश पर भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ रेलवे लाइन, सड़क, वाटर पाइपलाइन और विद्युत ट्रांसमिशन लाइन जैसी आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था की तैयारी भी शुरू हो गई है। इसके लिए मिर्जापुर के जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है, साथ ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। इस तापीय विद्युत परियोजना के शुरू होने से मिर्जापुर और आसपास के जिले के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। परियोजना में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को काम मिलेगा। औद्योगिक इकाइयों की स्थापना भी संभव होगी जिससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में पारदर्शिता

परियोजना स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी। सभी संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाएगा। अतिरिक्त भूमि की उपलब्धता की स्थिति में ही परियोजना को अंतिम स्वीकृति दी जाएगी। प्रदेश में बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की योजना पर कार्य कर रही है। इस परियोजना से यूपी की बिजली आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। आने वाले वर्षों में राज्य की ऊर्जा जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी।

10 अप्रैल तक अग्निवीर भर्ती रैली की सामान्य प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

12 जिलों के अभ्यर्थियों को मिलेगा भर्ती का मौका

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। सेना भर्ती कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 12 जिलों के अभ्यर्थियों के लिए अग्निवीर भर्ती के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन 10 अप्रैल तक होगा। परीक्षा व रैली के आयोजन में किए गए बदलावों को सेना की ओर से जारी किया गया है। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पिछले माह से शुरू हुआ था, जो 10 अप्रैल तक चलेगा। मध्य कमान के जन संपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि साढ़े 17 साल से 21 वर्ष आयुवर्ग के अभ्यर्थी पंजीकरण के पात्र हैं। अग्निवीर तकनीकी ट्रेड में प्रवेश के लिए पॉलिटेक्निक और आईटीआई डिप्लोमा जरूरी है। वर्ष 2025-26 से ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा और रैली के आयोजन में कुछ बदलाव किए गए हैं। 13 भाषाओं में भर्ती रैली होगी। वर्ष के अंत में ये रैली होगी। परीक्षा के लिए joinindianarmy.nic.in पर जाकर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद एडमिट जारी होंगे। इस वर्ष से अभ्यर्थी अपनी पात्रता के आधार पर अग्निवीर प्रविष्टि की किन्हीं भी दो श्रेणियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। दो विकल्प चाहने वाले अभ्यर्थियों को दो श्रेणियों के फॉर्म अलग-अलग भरने होंगे। इसके अलावा बॉडी फिटनेस टेस्ट और शारीरिक माप परीक्षण पास करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षण से गुजरना होगा। परीक्षण उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी मेडिकल परीक्षा और आगे की भर्ती प्रक्रिया के लिए पात्र होंगे। परीक्षण एक टैबलेट मोबाइल पर कराया जाएगा। आगरा सेना भर्ती कार्यालय के तहत आने वाले 12 जिलों के अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन कराया जा रहा है। इसमें अलीगढ़, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, हाथरस, जालौन, झांसी, कासगंज, ललितपुर, मैनपुरी, मथुरा व आगरा जिले शामिल हैं।

यूपी में मनाया जाएगा वन व वन्य जीव सुरक्षा माह

वन अपराधों पर अंकुश लगाने और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए चलेगा अभियान

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आठ अप्रैल से आठ मई तक वन व वन्य जीव सुरक्षा माह का आयोजन किया जाएगा। इसके तहत प्रभागों में वन अपराधों पर अंकुश लगाने और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर अभियान चलाया जाएगा। इसमें वन बल और पुलिस के साथ ही नेपाल सीमा पर एसएसबी आदि सुरक्षा बलों का भी सहयोग लिया जाएगा, साथ ही नागरिकों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि यह अभियान आठ अप्रैल से आठ मई तक रोजाना चलेगा। प्रतिदिन तीन शिफ्ट में इस अभियान को चलाया जाएगा। पहली शिफ्ट सुबह छह से दोपहर दो तक, दूसरी दोपहर दो से रात 10 व तीसरी शिफ्ट रात 10 से सुबह छह बजे तक चलेगी। इसके लिए प्रभागों में टीम का गठन किया जा रहा है। यह टीम वन भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को भी हटाएगी। अग्नि नियंत्रण सेल मुख्यालय के नोडल अधिकारी पीपी सिंह ने बताया कि गर्मियों में वन क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं न हों, सुरक्षा माह में इसके लिए भी आमजन को जागरूक किया जाएगा।

अभियान के नोडल अधिकारी होंगे जोनल वन संरक्षक

जोनल/मंडलीय वन संरक्षक अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। वे प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष कार्यालय में स्थापित कमांड सेंटर को भेजेंगे, साथ ही नोडल अधिकारी की देखरेख में आमजन को हरितिमा बढ़ाने के साथ ही वनाग्नि की घटनाओं पर नजर रखने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। अभियान के साथ ही वनाग्नि की घटनाओं को भी न्यूनतम करने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा।

सुरक्षा माह में यह रहेगा खास

- मुख्यमंत्री की कानून व्यवस्था और जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत वन व वन्य जीव सुरक्षा पर भी रहेगी विशेष निगरानी
- पीलीभीत, दुधवा आदि टाइगर रिजर्व के संवेदनशील एरिया में विशेष निगरानी रखी जायेगी. स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (एसटीपीएफ) इस पर विशेष नजर रखेगा
- गर्मियों में जंगल व आसपास के क्षेत्र में वन्यजीवों को जहां सरलता से पानी मुहैया हो, वहां शिकारी सक्रिय न हों, इसलिए गश्त बढ़ाई जाएगी
- वन अपराध से जुड़े (एच2) लंबित केस का भी विशेष अभियान चलाकर निस्तारण कराया जाएगा
- वन एरिया में अवैध कटान रोकने की विशेष कार्रवाई की जाएगी
- आरा मशीनों की भी जांच की जाएगी अवैध पाए जाने पर कार्रवाई भी होगी
- वन क्षेत्रों के बाहर वन ऊपज के प्रकरणों को रोकने के लिए आकस्मिक चेकिंग भी सुनिश्चित की जाएगी
- वन अग्नि से जुड़े प्रकरणों पर भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी
- वन अपराध रोकने के लिए विभिन्न स्थानों पर संगोष्ठी व जागरुकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे

शायर मुनव्वर राणा की बेटी समेत तीन को पुलिस ने भेजा नोटिस

- 10 लाख का मुचलका भरने का आदेश
- सुमैया बोलीं- डरूंगी नहीं, कोर्ट जाऊंगी
- लखनऊ पुलिस ने व्हाट्सएप पर भेजा नोटिस

ग्रुप 5 संवाददाता

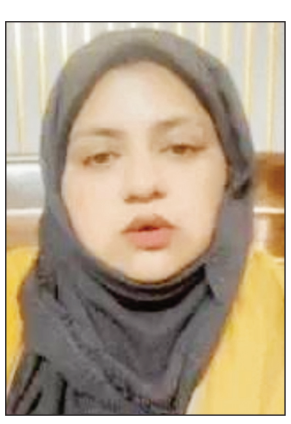

लखनऊ। राजधानी के घंटाघर पर सीएए के खिलाफ हुए प्रदर्शन में शामिल होकर चर्चा में आई मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी सुमैया राणा समेत 3 को लखनऊ पुलिस ने नोटिस भेजा है। इसमें 10 लाख का मुचलका भरने की बात कही गई है। मामले में सुमैया ने कहा- लखनऊ पुलिस से वॉट्सऐप पर नोटिस मिला है। इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे। सुमैया राणा ने कहा- वक्फ बिल का विरोध करने पर उनके खिलाफ असंवैधानिक तरीके से नोटिस जारी की गई है। नोटिस में मेरी वजह से शांतिभंग होने का हवाला दिया गया है। इस नोटिस से डरने वाली नहीं। पुलिस और सरकार के हर गलत कदम का सामना करूंगी। उन्होंने कहा- इस देश में जो भी संविधान के खिलाफ कार्य होगा। उसके खिलाफ लड़ाई लड़ती रहूंगी। पुलिस की नोटिस या किसी असंवैधानिक कार्रवाई से डरने वाली नहीं हूं। बताया कि वक्फ संशोधन बिल पूरी तरह गलत। सुमैया राणा ने कहा- बिल का विरोध आगे भी करूंगी। यह बिल संविधान विरोधी है जिसे किसी भी परिस्थिति में सही नहीं कहा जा सकता है। वक्फ संशोधन बिल लाकर मुस्लिम समुदाय की वक्फ संपत्तियों को सरकार कब्जा करना चाहती है।

वक्फ हमारे बुजुर्गों की दी संपत्ति है

सुमैया ने कहा है कि वक्फ हमारे बुजुर्गों की दी संपत्ति है, जिसे मुसलमान कब्रिस्तान, मस्जिद, इमामबाड़ा के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय के विकास के लिए है। सरकार की हर गलत नीति और संविधान विरोधी कदम का विरोध जारी रहेगा। शायर मुनव्वर राणा की बेटी सुमैया राणा को दो दिन पहले शुक्रवार को हाउस अरेस्ट किया गया था। उनके आवास पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। सुमैया राणा ने कहा था- जो पुलिसकर्मी तैनात हैं उनके पास किसी प्रकार का लिखित में आदेश नहीं है। मात्र अफवाह की बुनियाद पर हमारे घर पर पुलिस पहरा दे रही। यह संविधान के खिलाफ है।

प्रशासन की तानाशाही-उजमा प्रवीन

उजमा परवीन ने कहा- 10 लाख रुपए की नोटिस भेजी गई है। यह सिर्फ इसलिए कि सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज न उठा सकूं। यह प्रशासन की तानाशाही है। उन्होंने कहा- नियमों को ताख पर रखकर 10 लाख की नोटिस भेजी। यह हमारे अधिकारों पर हमला है। लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। सरकार अपनी चीजों को थोपना चाहती है। यह वक्फ बिल गलत है। हम इसको सही नहीं मानते। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

सोशल एक्टिविस्ट को भी नोटिस

एक राजनीतिक दल के छात्रसभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र यादव और सोशल एक्टिविस्ट उजमा परवीन को भी नोटिस जारी किया गया है। महेन्द्र यादव ने कहा- वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के खिलाफ हूं। इसलिए सरकार मेरे खिलाफ कानूनी कार्यवाही करके डराना चाहती है। मेरे घर पर दो सम्मन भेजे गए हैं। उन्होंने कहा- सरकार के काले कानूनों नोटबंदी, सीएए, एनआरसी, लॉकडाउन, फर्जी वैक्सीन, कृषि क़ानून की तरह ही वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का विरोध करते हैं और आगे भी करते रहेंगे।

रेलवे स्टेशनों पर बढ़ाई जाएगी वाटर वेंडिंग मशीनें और वाटर कूलरों की संख्या

यात्रियों को मिलेगा सस्ता ठंडा पानी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गर्मियां शुरू होते ही लखनऊ के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए पेयजल की समस्या दूर करने की कवायद तेज कर दी गई है। दोनों स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनें और वाटर कूलर बढ़ाए जाएंगे। पानी की टंकियों की रेगुलर सफाई के निर्देश दिए गए हैं। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन व लखनऊ जंक्शन पर प्रतिदिन 60 हजार लीटर रेलनीर की खपत है। इसके अलावा पेयजल के लिए नल लगे हुए हैं, जिनकी आपूर्ति टंकी से होती है। वाटर वेंडिंग मशीनें लगी हुई हैं। यहां सस्ता व किफायती मिनरल वाटर मिलता है। पांच रुपये प्रति लीटर की दर से पानी उपलब?ध कराया जा रहा है, लेकिन यात्रियों की तुलना में ये संख्या काफी कम है। ऐसे में रेलवे प्रशासन अब रेलवे स्टेशनों पर इनकी संख्या दोगुना करने की तैयारी कर रहे हैं। इससे यात्रियों को सस्ता मिनरल वाटर मिलने का संकट खत्म हो जाएगा। चारबाग के हर प्लेटफॉर्म पर तीन-तीन वाटर वेंडिंग मशीनें इंस्टॉल की जाएंगी। यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर लगाए जाएंगे। प्लेटफॉर्म के दोनों छोर पर वाटर कूलर लगने से गर्मी में यात्रियों को ठंडा पानी मिल सकेगा।

पंखे शुरू, एसी चलाने की तैयारी

15 अप्रैल से रेलवे स्टेशनों पर पंखों को चलाना शुरू किया जाता है, लेकिन यात्रियों की मांग को देखते हुए पंखे पहले ही चालू कर दिए गए हैं। लाउंज के एसी मेंटेन की जा रही है जिससे यात्रियों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

क्या कहते हैं उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक

उत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक सचिंद्र मोहन शर्मा का कहना है कि स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। पेयजल से लेकर यात्रियों के बैठने की बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इससे गर्मी में यात्रियों को परेशानियां नहीं होने पाएंगी। पीने के पानी की बेहतर व्यवस्था यात्रियों के लिए की जा रही है।

लापता प्रापर्टी डीलर का फंदे से लटका मिला शव

- » परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप
- » महिला मित्र हिरासत में
- » पुलिस संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत बता रही
- » मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र की घटना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र में दो दिनो से लापता प्रापर्टी डीलर का शव आम के बाग मे फंदे से लटकता मिला। परिजनों ने हत्या कर शव को लटकाने की बात कही है। घटना की जानकारी मिलते ही बगीचे में हजारों लोगों की भीड़ लग गयी। सूचना पर पहुँची पुलिस व आक्रोशित परिजनों से शव को आम के पेड़ से उतारने को लेकर बहस हुई। परिजनों का कहना है जब तक हत्यारे को नहीं पकड़ा जाता शव ऐसे ही लटका रहेगा। हालांकि पुलिस ने परिजनों को समझाकर शव पेड़ से उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक नंदकिशोर सहारा इंडिया में काम करता था। बाद में उसने प्रॉपर्टी डीलिंग का काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हत्या कर शव को फांसी के फंदे से पेड़ के सहारे लटका दिया गया है। उसके दोनों पैर के गुठने जमीन से छू रहे थे। मृतक नंदकिशोर वर्मा के भाई प्रेमचंद ने बताया कि लालगंज का रहने वाला है नंदकिशोर शनिवार से लापता था। घटनास्थल पर मृतक के भाई शिवनंदन की बाइक मिली है। नंदकिशोर शनिवार शाम को घर से निकला था, देर रात तक वापस नहीं लौटा तो घरवालों ने डायल-112 को जानकारी दी। परिजनों का कहना है अगर समय पर पुलिस कार्रवाई करती तो नंदकिशोर की हत्या न होती।

मृतक के भांजे ने दी जानकारी

मृतक के भांजे ने बताया- मामा जमीन बेचने का काम करते थे। उन्होंने हाल ही में एक जमीन बेचवाई थी। मामला दो से तीन करोड़ रुपए का है। यह बात शनिवार को घर से निकलने से पहले मामा ने हमें बताई थी। वह उसी जमीन के मामले का पैसे लेने जाने की बात कह कर घर से निकले थे, लेकिन नहीं लौटे। बाद में राधा नाम की एक महिला का फोन आया । उसने बताया- दिलीप और दीक्षित नाम के व्यक्ति नंदकिशोर को अपने साथ लेकर जा रहे हैं जिसके बाद आज बाग़ में उसका शव लटका मिला परिवार में मां यशोदा, भाई प्रेमचंद, अमन राज, विशंभर दयाल, शिवनंदन हैं। नंदकिशोर सभी भाइयों में सबसे छोटा था।

मृतक की महिला मित्र हिरासत में

परिजनों के पास जिस राधा नाम की लड़की का फोन आया था, वह नंदकिशोर की फ्रेंड बताई जा रही है। राधा भी मलिहाबाद इलाके की रहने वाली है। पुलिस की मानें तो राधा और उसने जिन लोगों के नाम का जिक्र किया है उनसे पूछताछ के बाद असली वजह सामने आ पाएगी। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर बाइक थाने भेज दी है। कहा जा रहा नंदकिशोर इसी बाइक से शनिवार को घर से निकला था। हालांकि बाइक अभी शक के दायरे में है। हालांकि पुलिस परिजनों के आरोपों की जांच कर रही है। मौत के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

इंस्पेक्टर मलिहाबाद बैजनाथ सिंह ने कहा तहरीर मिली है

मलिहाबाद कोतवाली प्रभारी बैजनाथ सिंह ने बताया कि परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस जाँच पड़ताल कर आगे की कारवाई कर रही है। परिजनों ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, साथ ही मृतक की महिला मित्र को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कार सवार बदमाशों ने सीडीआरआई कर्मी को लूटा, पिस्टल सटाकर पीटा

- » मरा समझकर सड़क किनारे फेंका

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) में कार्यरत अनुज कुमार के साथ कार सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। उनसे चेन, अंगूठी, 10हजार और मोबाइल लूट लिया। छह हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। मरा समझकर काकोरी ओवरब्रिज के पास फेंककर फरार हो गए। पीड़ित ने काकोरी और सैरपुर थाने में शिकायत दी। आरोप है कि दोनों थानों में केस दर्ज नहीं हुआ। घर जाने के लिए सवारी का कर रहे थे इंतजार अनुज कुमार बिजूआमऊ सिधौली, सीतापुर में रहते हैं। वह रोज जानकीपुरम स्थित कार्यालय आते हैं। शनिवार रात घर जाने के लिए सीतापुर रोड स्थित सेवा अस्पताल के पास खड़े होकर सवारी का इंतजार कर रहे थे। रात करीब 10 बजे एक कार उनके पास आकर रुकी। 70 रुपये में सिधौली ले जाने की बात की। तय होने पर वह कार में सवार हो गए। उनका आरोप है कि कार में चार लोग सवार थे। कार में बैठाते ही उन लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। मारपीट कर उनके साथ लूट की।

पीड़ित अनुज कुमार का आरोप

अनुज कुमार का आरोप है कि आरोपियों ने उन पर पिस्टल तान दिया। उनकी जमकर पिटाई की। वह बेहोश हो गए। उन्हें मरा समझकर काकोरी ओवरब्रिज के पास फेंककर फरार हो गए। अनुज कुमार ने काकोरी थाने में शिकायत दी। उनका आरोप है कि पुलिस ने सैरपुर थाने की घटना बताकर केस नहीं दर्ज किया। वह सैरपुर पहुंचे, तो वहां भी केस नहीं दर्ज हुआ। सैरपुर पुलिस ने काकोरी की घटना बताकर टरका दिया।

मारपीट कर रहे दो लोग गिरफ्तार

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। सुशान्त गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र में स्थित पासिन ढ़कवा गांव में आपस मे लड़ रहे दो लोगो पर पुलिस ने कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक विकास व दिनेश निवासी पासिन ढ़कवा थाना सुशान्त गोल्फ सिटी बीते शनिवार की रात झगड़ा कर रहे थे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले दोनो पक्षो को समझाने का प्रयास किया लेकिन नही माने लड़ाई पर उतारु हो गए। पुलिस ने दोनों लोगो को गिराफ्तार कर राविवार को जेल भेज दिया।

अफवाह फैलाने वाले पर एफआईआर दर्ज

वीडियो वायरल कर लिखा-न्याय न मिलने पर महिला ने मुख्यमंत्री हाऊस के बाहर लगायी आग

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। राजधानी में सीएम आवास के बाहर महिला के आत्मदाह करने का पुराना वीडियो वायरल करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसे सीएम आवास के बाहर का बताया गया था। वीडियो की जांच की गई तो घटना 2020 की पाई गई। पुलिस मुकदमा दर्ज करके अफवाह फैलाने वाले के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। चौकी प्रभारी दारूलसफा अजीत कुमार ने बताया कि कई दिनों से सोशल मीडिया साइट पर एक पोस्ट वायरल हो रही थी। जिसमें यूपी में महिला को न्याय न मिलने के कारण उसने लखनऊ स्थित सीएम आवास के बाहर खुद को आग लगा ली। पीड़ित महिला ने आरोप लगाती नजर आ रही है कि थाने से लेकर जिला पुलिस कप्तान तक काफी चक्कर लगाए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। यूपी पुलिस केवल भाजपा नेताओं और प्रभावशाली लोगों के लिए ही काम कर रही है।

2020 का वीडियो किया था वायरल

पोस्ट का संज्ञान लेने पर मालूम हुआ कि घटना साल 2020 की है। जिसमें मुकदमा भी दर्ज है। किसी ने सोशल मीडिया के जरिए यूपी सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिश की है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके झूठी अफवाह फैलाई है। मामले में इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह का मुकदमा दर्ज करके वायरल करने वाले की जांच की जा रही है।

दुर्लभ रेड सैंड बोया सांप मिला

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट आईबी सिंह के गोमतीनगर विभव खंड स्थित आवास पर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां एक दुर्लभ प्रजाति का रेड सैंड बोया सांप देखा गया। आईबी सिंह के चैंबर में कार्यरत जूनियर वकील तुषार तिवारी, निश्चल वर्मा और दीपेश सिंह ने निडरता दिखाते हुए सांप को सुरक्षित पकड़ लिया। सांप को तत्काल लखनऊ प्राणि उद्यान की टीम को सौंपा गया। देवयानी सिंह चौहान के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित ले गई। विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस प्रजाति के सांप की करोड़ों रुपए की कीमत है। यह सांप अक्सर तस्करी का शिकार होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रेड सैंडबोया भारत में संरक्षित प्रजातियों में शामिल है। इसकी तस्करी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध है। इसकी त्वचा और दुर्लभता के चलते काले बाजार में इसकी भारी मांग रहती है। प्राणि उद्यान टीम ने बताया कि सांप पूरी तरह सुरक्षित है और इसे जल्द ही प्राकृतिक आवास में छोड़ने की योजना है।

आग बुझाने पहुंची फायर-ब्रिगेड संकरी गली में फंसी

- » नौ घंटे में तीन इलाकों में लगी आग
- » इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम जला
- » गोमतीनगर, बाजारखाला व इटौंजा की घटनाएं

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में नौ घंटे की भीतर तीन स्थानों पर भीषण आग लग गई। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करके तीनों स्थानों के आग पर काबू पा लिया। कहीं पर कोई जनहानि नहीं हुई। गोमतीनगर के विश्वास खंड में इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में लगी आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, ऐशबाग के एक मकान में भीषण आग से मोहल्ले में अफरातफरी मच गई। गोमतीनगर में आधी रात को लगी थी अचानक भयंकर आग। बताया गया है कि शनिवार रात करीब 2 बजे गोमतीनगर के विश्वास खंड स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम से धुआं निकलता देखकर सिक्योरिटी गार्ड ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर कर्मियों ने 4 दमकल गाड़ियों की मदद से करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में गोमतीनगर और हजरतगंज फायर स्टेशन की यूनिटों ने आग को बुझाया। गोदाम स्वामी अंकित गोयल के अनुसार, एलईडी, एसी, कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस आदि जलकर खाक हो गए। हालांकि अधिकतर सामान को दमकल विभाग ने बचा लिया। पड़ोसी अमित शर्मा और एम.के. मिश्रा के घरों को भी नुकसान से बचा लिया।

घास फूस की जमीन में लगी आग

इटौंजा थाना क्षेत्र के उसरना गांव में गोशाला की पशुचर की जमीन लगी घास फूस में आग लग गई। हवा चलने से आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पाकर मौके पर इटौंजा थाना प्रभारी मार्कंडेय यादव और बीकेटी फायर स्टेशन की दमकल गाड़ी पहुंची। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। कहा जा रहा है कि शहर में शॉर्ट सर्किट बन रहा बड़ा खतरा। तीनों घटनाओं में दमकल विभाग की तत्परता से बड़ा नुकसान टला, लेकिन बार-बार लगती आग ये बता रही है कि विद्युत विभाग और नगर निगम को सतर्कता बढ़ानी होगी। लोगों को भी शार्ट सर्किट से बचाव के उपाय करने होंगे।

संकरी गली में नहीं पहुंची पाई दमकल गाड़ी

रविवार सुबह 10:48 बजे चौक फायर स्टेशन को सूचना मिली कि बाजार खाला क्षेत्र के तकिया चंद अली शाह मोहल्ले में मकान संख्या 46/139 में आग लग गई है। मकान के तीसरे तल पर लगी आग तेजी से फैलने लगी। संकरी गलियों के चलते दमकल की गाड़ियां मकान तक नहीं पहुंच सकीं, लेकिन रिले पंपिंग तकनीक से पानी पहुंचाकर 1 घंटे में आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। घर के मालिक पिंटू बजाज ने बताया कि घटना के समय परिवार नीचे था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

नेहरू इन्क्लेव में कूड़े के ढेर में लगी आग

रविवार सुबह नेहरू इन्क्लेव के पास खाली प्लॉट में पन्नी और प्लास्टिक के कचरे के ढेर में आग लग गई। तेज धुएं से स्थानीय लोग सहम गए। दमकल की दो गाड़ियों ने 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया। लोगों ने कूड़े के ढेरों को हटाने और निगरानी की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठाए।

ग्रीन गैस की पाइप में लगी आग लापरवाही से रखी गई थी पाइप

नगर आयुक्त ने भी किया निरीक्षण

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं.)। गोमतीनगर के विश्वास खंड के जुगौली स्थित नेहरू एंकलेव के पास डिफेंस लैंड पर रविवार को ग्रीन गैस लिमिटेड के एमडीपीई पाइपों में भीषण आग लग गई। यह पाइप ग्रीन गैस ट्रांसपोर्टेशन के लिए खुले में रखे गए थे। आग की लपटों ने आस-पास के पेड़ों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने चार गाड़ियों के साथ आग पर काबू पाया है। हीट एक्सपोजर के कारण ज्वलनशील पाइपों में आग लगी। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान आवश्यक निर्देश दिए हैं। नगर निगम ने फायर ब्रिगेड की टीम को पानी के टैंकर और जेसीबी मशीन आग बुझाने के लिए दी, जिसकी सहायता से आग पर काबू पा लिया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने कहा- एमडीपीई पाइप को खुले में इस प्रकार रखना सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। इस मामले में ग्रीन गैस लिमिटेड के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए सूचित

भाजपा नेता की 'वाई' श्रेणी सुरक्षा हटाई गई

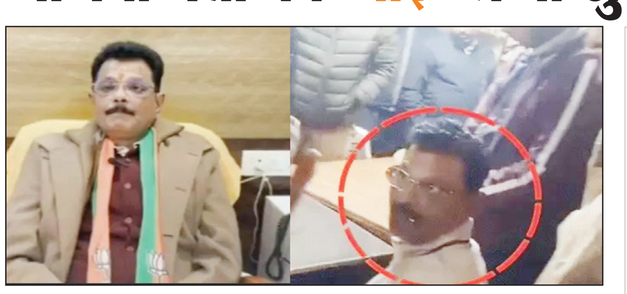

- » हाईकोर्ट ने डिस्पोज की याचिका
- » लखनऊ में पत्रकार के परिवार से की थी अभद्रता

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। लखनऊ की चर्चित चटोरी गली में पत्रकार के परिवार के साथ अभद्रता करने वाले भाजपा नेता मनोज सिंह की 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा हटा दी गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को डिस्पोज करते हुए सुरक्षा हटाने के आदेश दिए। जिसके बाद बलिया एसपी डॉ. ओमवीर सिंह ने एक्शन लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया मनोज सिंह की 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी। जिसे तत्काल वापस कर लिया गया है। दरअसल, मनोज सिंह ने हाईकोर्ट में गलत और झूठे तथ्यों पर सुरक्षा मांगी थी। मनोज सिंह पर कई आरोपों के बावजूद, उसे 'वाई' श्रेणी सुरक्षा मिलना राजनीति और प्रशासनिक तंत्र की साख पर सवाल उठे थे। घटना से 'जीरो टॉलरेंस' नीति के दावों पर भी प्रश्नचिह्न उठने लगे। हाईकोर्ट ने मनोज सिंह की याचिका को डिस्पोज करते हुए कहा- ऐसी परिस्थितियों में 'वाई' श्रेणी सुरक्षा का औचित्य नहीं है। इसके बाद बलिया पुलिस अधीक्षक डॉ. ओमवीर सिंह ने उसकी सुरक्षा वापस ले ली है।

संगीन अपराधों में एक दर्जन मुकदमें दर्ज है

आपराधिक प्रवृत्ति के मनोज सिंह पर लखनऊ, बलिया और मुंबई समेत कई स्थानों पर एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। बैंकों का 2.98 करोड़ रुपए का डिफॉल्टर है। 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा उसे वसूली और धमकी जैसे अपराधों को अंजाम देने में मददगार साबित हो रही थी।

पुलिस की शह पर चटोरी गली में करता था वसूली

लखनऊ के गौतमपल्ली कोतवाली क्षेत्र में मनोज सिंह उसके बेटे समेत चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। खुद को सत्ताधारी दल का करीबी बताने वाले मनोज सिंह पर वसूली, धोखाधड़ी और धमकी जैसे आरोप लगे हैं। पांच जनवरी को लखनऊ में मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने जब जांच की तो कई मुकदमें की जानकारी हुई। मनोज सिंह की वसूली की कहानी राजधानी के चटोरी गली से भी जुड़ी है। जो पुलिस की शह पर चलती थी। स्थानीय दुकानदारों ने बताया- वह रोजाना गनर लेकर वसूली करता था। पूर्व में एलडीए के अधिकारियों की जांच में भी यह बात सामने आई थी।

चौकी इंचार्ज ने पीड़ित को धमकाया था

पूछताछ में पुलिस के सामने खुद को 'वाई' श्रेणी सुरक्षा प्राप्त, बीजेपी नेता और दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बताया। मनोज सिंह ने कथित तौर पर हमलावरों को छुड़वाकर थाने के बाहर ले आया। गौतमपल्ली थाने में मौजूद पुलिसकर्मी भी पहले दबंग के सामने नतमस्तक नजर आए। वहीं चौकी इंचार्ज ने उल्टा पीड़ित पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

पुलिस देती थी संरक्षण, क्या थी पूरी घटना

आपराधिक प्रवृत्ति के मनोज सिंह की गतिविधियों पर कार्रवाई न होने का कारण पुलिस और उसके बीच मिलीभगत मानी जा रहा थी। 5 जनवरी को गौतमपल्ली थाने में उसने पुलिसकर्मियों को खुलेआम आदेश दिया था। इससे साफ हुआ कि उसे पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। लखनऊ के वरिष्ठ पत्रकार अपने परिवार के साथ पांच जनवरी को 1090 चौराहे स्थित चटोरी गली में बेटी का बर्थडे मनाने गए थे। खाने के लिए कुछ ऑर्डर दिया। ऑर्डर आने पर उनको सामान सही नहीं लगा। उन्होंने सामान लेने से मना कर दिया और अपना पैसा वापस मांगा। इस पर दुकानदार उग्र हो गया और गाली देने लगा। तभी दुकान पर काम करने वाले लड़कों ने पीड़ित और उनके परिवार पर हमला कर दिया। महिलाओं से बदसलूकी और मारपीट की गई। सूचना पर डायल-112 की टीम पहुंची और हमलावरों को थाने ले आई। तभी मारपीट करने वाले आरोपियों की पैरवी करने भाजपा नेता मनोज सिंह पहुंच गया। सफेद ट्रैक सूट पहने और कमर में पिस्टल लगाए था। वहां पहुंचते ही पुलिसकर्मियों को धमकाना शुरू कर दिया और आदेश देने लगा।

खाना बनाते समय फटा सिलेंडर, पूरे घर में फैली आग

- » 16 वर्षीय बच्ची बना रही थी खाना
- » महिगवां इलाके की घटना
- » तेज धमाका हुआ, सारा सामान जला
- » मां के बीमार होने पर बेटी बना रही थी खाना

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के महिगंवा के गनेशपुर गांव में खाना बनाते समय रसोई गैस सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। इससे आग पूरे घर में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक 50 हजार रुपए नगद, बाइक व घरेलू सामान जलकर खाक हो गए। गनेशपुर में राजकुमार की 16 वर्षीय बेटी घर में खाना बना रही थी। इस बीच रसोई गैस सिलेंडर में अचानक आग लग गई। उसने शोर मचाया तो ग्रामीणों ने आग को बुझाने की कोशिश शुरू की। इस बीच तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। आग की लपटों ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को फोन किया। लोगों ने बताया कि गनीमत रही कि सिलेंडर के टुकड़े किसी को लगे नहीं, वरना बड़ा हादसा हो जाता। मिली जानकारी के अनुसार, महिगंवा थाना क्षेत्र के गनेशपुर गांव निवासी राजकुमार की पत्नी राजकुमारी की तबीयत खराब है। इस कारण रविवार दोपहर में उनकी बेटी खाना बना रही थी। आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग सहमे रहे।

सबकुछ खाक होने के बाद पहुंची फायर ब्रिगेड

राजकुमार ने बताया कि दोपहर में वह पिता के घर गए थे। यहां घर में पत्नी व बेटी थी। उसी समय आग लगी। घर में सबकुछ जलने के बाद फायर बिग्रेड की गाड़ी पहुंची। घर पूरी तरह से जल गया है। दूसरा कोई मकान नहीं है। पक्का मकान बनाने के लिए रखे थे रुपए प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजकुमार पेशे से किसान हैं । उनका झोपड़ी का मकान था। पक्का मकान बनाने की तैयारी में थे। ईंट खरीदने के लिए बक्से में 50हजार रुपये रखे थे। बक्से में ही पत्नी के जेवर रखे थे। आग से रुपए व जेवर जल गए।

प्रभु श्री राम का जीवन मर्यादित आचरण की प्रेरणा देता है : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को रामनवमी की बधाई देते हुए रविवार को कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम जीवन में मर्यादित आचरण और हर परिस्थिति में धैर्यवान होकर चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने रामनवमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज की पावन तिथि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मदिन से भी जुड़ी है। प्रदेश के हर देवालय में अखंड रामायण का पाठ कल से शुरू हुआ है। अयोध्या धाम में भी उत्सव और उमंग का माहौल है। लाखों की संख्या में श्रद्धालुजन प्रभु श्री रामलला के जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए अयोध्या धाम पहुंचे हुए हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत जीवन हो या पारिवारिक जीवन, सार्वजनिक जीवन हो या राष्ट्रीय जीवन, सामाजिक रिश्ते हों या राष्ट्रीय रिश्ते उनका निर्वहन कैसे होना चाहिए इसके लिए मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम का उच्च जीवन आदर्श हमें प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, दैनिक जीवन में भी सभी लोगों का दायित्व बनता है कि वह बेटा और बेटी के बीच में भेदभाव ना करें। मातृशक्ति कोई भी अन्याय और अत्याचार से न गुजरे तभी हम एक समर्थ और सशक्त भारत की परिकल्पना को साकार कर पाएंगे।(भाषा)

पीड़ितों की मदद में ढिलाई पर होगी कार्रवाई

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को जन समस्याओं के निस्तारण और पीड़ितों की मदद में तत्परता दिखाने का आदेश दिया,साथ ही आगाह किया कि इस काम में शिथिलता बरतने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि किसी पीड़ित की समस्या के निस्तारण में यदि कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर समाधान कराया जाए। किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को मौके पर ही हिदायत दी कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ मामलों में उन्होंने अधिकारियों को यह भी पता लगाने का निर्देश दिया कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। मुख्यमंत्री ने जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द संबंधित प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराई जाए, इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। (भाषा)

सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है भाजपा

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस पर कहा कि सत्तारूढ़ दल राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन कल्याण को समर्पित है। मुख्यमंत्री योगी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्र प्रथम भाव के साथ सेवा, सुशासन और जन-कल्याण को समर्पित भारतीय जनता पार्टी का ध्वज मेरा गौरव, मेरी प्रेरणा है। उन्होंने कहा, आज (रविवार को) भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर मेरा सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान है कि अपने घर कार्यालय पर भाजपा के ध्वज को फहराएं और भाजपा विकास भारत के साथ अपनी तस्वीर साझा करें। योगी ने कहा, यह भाजपा के उन सभी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम, संघर्ष और त्याग से पार्टी को सींचकर इस ऊंचाई तक पहुंचाया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित हिंदू सेवाश्रम भवन की छत पर पार्टी का झंडा फहराया। इस अवसर पर योगी ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ तस्वीर खींची।(भाषा)

रामनवमी के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा, सैकड़ों भक्त हुए शामिल

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। जैदपुर क्षेत्र में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र के जन्मोत्सव राम नवमी के अवसर पर राम भक्तों द्वारा बहुत ही हर्षोउल्लास श्रद्धापूर्वक मनाया गया। नगर पंचायत के मोहल्ला संगत स्थित राम जानकी मंदिर में श्री राम सेवा समिति संगत मंदिर जैदपुर द्वारा प्रातः 7:30 बजे पूजा आरती के पश्चात मर्यादा पुरुषोत्तम रामचंद्र के चित्र पर पुष्प वर्षा, ध्वजा, आतिशबाजी, भांगड़ा, ब्रास बैंड,घंटा घड़ियाल तथा अन्य वाद्य यंत्रों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में शामिल बच्चे, महिलाएं और पुरुषों के हाथों में केसरिया झंडे व जय श्री राम का जय घोष से कस्बा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। बताते चलें शोभा यात्रा में भारी संख्या में महिलाओं बच्चों एवं पुरुषों ने भाग लिया। शोभायात्रा संगत मंदिर प्रांगण से शुरू होकर अपने निर्धारित मार्गो पीर पाजू चौहट्टा, बड़ी बाजार, छोटा इमामबाड़ा, छोटी बाजार,जैन महल से होती हुई अपने गंतव्य स्थल राम जानकी बाला महाराज संगत मंदिर

पहुंची। शोभा यात्रा के दौरान अनेको लोगों द्वारा भक्तगणों का स्वागत किया तथा घरों की छतों से क्षेत्रवासियों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की।मंदिर प्रांगण मे लगभग 11 बजे से भक्ति संगीत पर आधारित रंगारंग कीर्तन भजन का आयोजन किया गया। साथ ही दिन के 12 बजते ही शंख, घंटा, घड़ियाल, पुष्प वर्षा एवं आतशबाजी के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र का जन्मोत्सव जय राम जयघोष के साथ भावपूर्ण भक्ति के साथ मनाया गया। पूजा आरती के साथ भक्तों में प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ सिह थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, कस्बा इन्चार्ज विनय सिंह, वार्ड छोटी बाजार सभासद मो कासिम सहित शैलैस कुमार सिंह, जयनरायन सिंह, मो गुफरान, राजेश्वर सिंह आदि पुलिस बल के साथ सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर कृष्ण गोपाल सोनी, श्यामू सोनी, दीपक निगम, विशाल जायसवाल, शिवम चौरसिया, कृष्ण मुरारी सोनी, गायत्री जायसवाल, श्याम कुमार जायसवाल, मुन्ना निगम, मास्टर सरवन, शैलेंद्र जायसवाल व सूर्या गुप्ता साहित सैकडों भक्तगण उपस्थित रहे।

नहर में उतराते शव से चोरी किए जेवर, आरोपित गिरफ्तार

जैदपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। तीन दिन पहले नहर में गिरे दंपती और दो बच्चों के मामले में नया मोड़ आ गया है। पुलिस को पता चला कि महिला का शव वनकुंड्या की झाल में फंस गया था। उस दौरान एक युवक ने शव को पानी से निकालकर उसके जेवरात चोरी कर लिए और वापस उसे पानी में ढकेल दिया था। फिर महिला का शव जैदपुर के दरावां के पास से मिला था। शव की पहचान उर्मिला के रूप हुई थी। शनिवार को सफदरगंज इंस्पेक्टर अरुण प्रताप सिंह ने सेमरी निवासी युवक गौतम पंडित को दबोच कर चोरी के जेवरात बरामद कर लिए। दो अप्रैल की रात दंपती दो बच्चों सहित नहर में गिर गए थे।एएसपी अखिलेश नारायण सिंह ने वताया कि शव से जेवरात की चोरी की पुष्टि के बाद आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

एसडीआरएफ ने खोजे दो शव

वहीं हादसे के दो दिन वाद बेटी रागिनी का शव शनिवार को कुसुंभा गांव और बेटे अर्पित का शव सतरिख इलाके से नहर में मिला।अब पवन कुमार के शव की तलाश अव एसडीआरएफ की टीम कर रहीं है।दो अप्रैल की रात करीव एक बजे लखनऊ के मटियारी मे आयोजित तिलक समारोह से लौट रहे फतेहपुर के गंगौली निवासी पवन कुमार बाइक सहित मामापुर के निकट नहर में गिर गए थे।बाइक पर पत्नी उर्मिला और बेटी रागिनी और बेटा अर्पित भी सवार था।

पैदल 11 ज्योतिर्लिंग और 3 धामों की यात्रा पर निकले युवा पहुंचे फतेहपुर

फतेहपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। रविवार को अनूठी यात्रा पर निकले कार्तिक फतेहपुर पहुंचे। उन्हीड्डु के अनुसार गाजियाबाद के 30 वर्षीय कार्तिक वर्मा ने एक अनूठी यात्रा शुरू की है। उन्होने 5 फरवरी 2024 को दूधेश्वर नाथ महादेव मंदिर से अपनी पैदल यात्रा आरंभ की।कार्तिक ने 426 दिनो में 11 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन किए है। इनमे सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर और भीमाशंकर शामिल है। साथ ही विश्वनाथ, त्रंबकेश्वर, बैजनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर और घुस्नेश्वर के भी दर्शन किए है। उन्होंने तीन प्रमुख धामों द्वारका धाम, रामेश्वर धाम और जगन्नाथ पुरी धाम की यात्रा भी पूरी की है। यात्रा के दौरान कार्तिक ने कई प्रसिद्ध मंदिरो के दर्शन किए। तिरूपति बाला, आदियोगी, कलकत्ता काली मंदिर और नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर इनमें शामिल हैं। बिहार में सीता जी की जन्मस्थली और बाराबंकी के पारिजात धाम भी गए। बिहार के जमौर गांव के सोनू कुमार भी इस यात्रा मे

कार्तिक के साथी बन गए है।कड़ी धूप में चलने से दोनो के पैरो मे छाले है।फिर भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ है।अब कार्तिक की यात्रा का अगला पड़ाव उत्तराखंड है। वे सीतापुर के नैमिषारण्य और लखीमपुर के गोला गोकर्णनाथ होते हुए वहां जाएंगे। बाबा नीम करौली के दर्शन के बाद चार धाम बद्रीनाथ, केदारनाथ,गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा करेंगे।उ नकी 15,000 किलोमीटर की यह यात्रा जुलाई मे संपन्न होगी। कार्तिक कहते हैं कि उनका एकमात्र लक्ष्य 12 ज्योतिर्लिंगो और चार धाम की यात्रा है। वह रास्ते मे मिलने वाले लोगो की मदद से अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं।

संदिग्ध अवस्था मे फांसी के फंदे से लटकता मिला युवक का शव

सिद्धौर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। असन्द्रा थाना क्षेत्र में रविवार को सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला।मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को नीचे उतार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना क्षेत्र के दुर्गा विद्या मंदिर इण्टर कालेज सूरजपुर के पीछे जंगल में स्थित नीम के पेड़ से नायलॉन की रस्सी से एक युवक का शव लटका मिला। खेत गए लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर पहुँचे थाने के एसएसआई राकेश यादव को मृतक की जेब में मिले फोन से उसकी शिनाख्त हुई।मृतक की पहचान लक्ष्मण (22) पुत्र बरसाती निवासी सूरजपुर के रूप में हुई।स्थानीय लोगो ने बताया कि युवक काफी समय से यही रह रहा था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

आठ वर्षीय बच्ची ने संभल में सत्यव्रत पुलिस चौकी का उद्घाटन किया

संभल। जिले में पिछले वर्ष नवंबर में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के बाद बनाई गई सत्यव्रत पुलिस चौकी का रविवार को आठ वर्षीय एक बच्ची के हाथों से उद्घाटन कराया गया। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आठ वर्षीय गुनगुन कश्यप ने फीता काटकर चौकी का उद्घाटन किया। पिछले वर्ष 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के बाद पुलिस ने संभल में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस चौकियों के निर्माण की योजना बनाई थी। योजना के तहत 28 दिसंबर को संभल थाना क्षेत्र स्थित शाही जामा मस्जिद के पास सत्यव्रत पुलिस चौकी का शिलान्यास किया गया था और रामनवमी के दिन चौकी का उद्घाटन किया गया। इस पुलिस चौकी का निर्माण करीब 100 दिन में पूरा हुआ है। उक्त चौकी पर भगवान कृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र के युद्धस्थल पर अर्जुन को दिए गए उपदेश यदा, यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत का संदेश भी अंकित है। इसके साथ ही दो मंजिला पुलिस चौकी में सैटेलाइट टावर, जिला नियंत्रण कक्ष और सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए हैं। संभल के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया ने बताया कि प्राचीन काल से लेकर आज तक संभल का नाम सतयुग में सत्यव्रत, त्रेता युग में महेंद्र गिरि और द्वापर युग में पिंगल था। उन्होंने बताया कि यह संयोग ही है कि नवरात्र के अंतिम दिन रामनवमी और भगवान श्रीराम के जन्मदिन पर पुलिस चौकी का उद्घाटन हुआ है। अधिकारी ने बताया कि मिश्रित आबादी वाला यह क्षेत्र संवेदनशील है इसलिए इस चौकी की स्थापना की गई है।(भाषा)

वाहन की टक्कर से मादा तेंदुए की मौत

पीलीभीत। बाघ अभयारण्य के माला क्षेत्र में जंगल में एक तेज रफ्तार वाहन की टक्कर लगने से सड़क पार कर रही एक मादा तेंदुए की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) भरत कुमार ने रविवार को बताया कि लगभग दो साल की मादा तेंदुआ शनिवार देर शाम जंगल में बनी सडक़ पर जा रही थी, तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे जबरदस्त टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि गाड़ी की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि मादा तेंदुआ वाहन में फंसकर करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। ड्यूटी पर तैनात वन विभाग के कर्मचारियों ने जब वाहन को रोका तो चालक अपनी गाड़ी छोड़कर भाग गया। कुमार ने बताया कि जब वन विभाग का कर्मचारी अनोखेलाल घायल तेंदुए को देखने गया तो तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया जिसमें वह घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने तेंदुए के उपचार की प्रक्रिया शुरू कराई मगर उससे पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी। मृत तेंदुए के अवशेष को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। वाहन चालक की खोज शुरू कर दी गई है और उस पर वन्य जीव संरक्षण कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। (भाषा)

नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोप में दो युवकों पर मुकदमा

मुजफ्फरनगर। जिले में एक नाबालिग लड़की को कथित तौर पर कार में अगवा कर उसके साथ सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से रविवार को बताया कि एक अप्रैल को यह लड़की (16) कंपनीबाग के पास अपनी मां का इंतजार कर रही थी तभी कार से आए रिजवान और अरबाज नामक युवक उसे कार में जबरन बैठाकर अपने साथ ले गए। लड़की के भाई द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक दोनों आरोपी पीड़िता को पास के एक होटल में ले गए जहां उन्होंने उसके साथ बलात्कार किया। आरोपियों ने इस घटना का वीडियो बनाया और लड़की को धमकी दी कि अगर उसने किसी को उनके कृत्य के बारे में कुछ भी बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक बाद में लड़की किसी तरह अपने घर पहुंची, लेकिन डर के कारण उसने किसी को भी घटना के बारे में नहीं बताया। हालांकि पीड़िता ने बाद में अपने परिवार को पूरी बात बताई। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजूकुमार साव ने संवाददाताओं को बताया कि इस संबंध में शनिवार को आरोपी युवकों रिजवान और अरबाज के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पोक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं और पुलिस की टीम उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रही हैं।(भाषा)

पूर्व डिप्टी जेलर की बेटी ने राष्ट्रपति से मांगी इच्छा मृत्यु की इजाजत

वाराणसी। वाराणसी जिला जेल की पूर्व डिप्टी जेलर मीना कनौजिया की बेटी नेहा शाह ने न्याय की गुहार लगाते हुए राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की इजाजत देने की मांग की है। शाह ने बताया, मैंने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर अपने लिए इच्छा मृत्यु की मांग की है। यह मांग इसलिए की गई है क्योंकि मुझे मालूम है कि जब हुकूमत से आप की जंग होती है तब आप का सफाया होना निश्चित है। नेहा शाह ने कहा, जब से मेरी मां का प्रकरण सामने आया है तब से जेल अधीक्षक उमेश सिंह पर बहुत से आरोप लग चुके हैं। मगर इसके बावजूद मुख्यालय लगातार उनको क्लीनचिट दे रहा है। उन्होंने कहा, मैं चाहूं तो खुद को खत्म कर सकती हूं लेकिन अगर मैं ऐसा करती हूं तो इसका इल्जाम मेरी मां पर लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे मालूम है कि कुछ ही दिनों में मेरी मां को निलंबित कर दिया जाएगा, क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े इंसान के खिलाफ बोला है। नेहा शाह ने कहा, यदि सिंह का निलंबन नहीं होता है तो आने वाले दिनों में अधीक्षक साहब हमारे परिवार को कहीं का नहीं छोड़ेंगे। नेहा शाह ने पिछले महीने लालपुर पांडेरीपुर थाने में सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।(भाषा)

अयोध्या: रामनवमी पर किया गया रामलला का सूर्य तिलक

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर अयोध्या के नवनिर्मित रामजन्म भूमि मंदिर में भगवान श्री राम का सूर्य तिलक किया गया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में सूर्य तिलक का वीडियो साझा करते हुए कहा, श्री रामनवमी के पावन अवसर पर प्रभु का सूर्य तिलक। ट्रस्ट ने श्री रामलला के अभिषेक की तस्वीरें भी साझा की हैं। रामनवमी के अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान राम की पूजा-अर्चना करने और उनके दर्शन करने के लिए मंदिर में आ रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा नेबताया, भगवान राम के माथे पर सूर्य तिलक अपराह्न 12 बजे शुरू हुआ और यह लगभग चार मिनट तक रहा। ट्रस्ट के मीडिया सेंटर ने भी सूर्य तिलक का वीडियो एक्स पर साझा किया है। ट्रस्ट ने एक बयान में कहा, जैसे ही भगवान भास्कर (सूर्य) की प्रखर किरणें श्री रामलला के माथे पर पड़ीं, भगवान के समक्ष उपस्थित भक्त खुशी से नाच उठे। भक्तों ने इस क्षण का स्वागत किया। जो लोग अयोध्या नहीं पहुंच सके उन्होंने अपने स्थानों से ही श्री रामलला के महामस्तकाभिषेक का सीधा प्रसारण देखा। बयान के मुताबिक, श्री रामलला के माथे तक सूर्य भगवान का आशीर्वाद पहुंचाने की व्यवस्था के लिए कल अंतिम प्रयास किया गया। यह कार्य एक बार पहले भी हो चुका है, इसलिए इस बार कोई समस्या नहीं हुई। ऊपरी मंजिलों पर लगातार निर्माण कार्य होने के कारण कुछ समस्याएं थीं। इस बार धनिया के प्रसाद के साथ-साथ फलों के लड्डू का प्रसाद भी वितरित किया गया। (भाषा)

बाजे-गाजे के साथ निकली श्रीराम के बालरूप की झांकी

टांडा (अंबेडकर नगर), (ग्रुप 5 सं.)। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम चन्द्र के पावन दिवस चैत्र शुक्ल नवमी तिथि को टांडा नगर में नव संवत्सर स्वागत समारोह समिति के तत्वावधान में भगवान राम के बाल स्वरूप की भव्य झांकी धूमधाम से बाजे गाजे के साथ निकाली गई । शोभा यात्रा का नेतृत्व अध्यक्ष आनंद कुमार अग्रवाल ,उपाध्यक्ष सरदार त्रिलोक सिंह एवं संतोष कुमार अग्रवाल , महामंत्री दिनेश नारायण सिंह, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार साहू , दीपक केडिया आदि ने किया । शोभायात्रा श्री राम रंगमंच चौक से निकलकर गुरुद्वारा सिंह सभा के सम्मुख पहुंचने पर ग्रंथी सरदार अमरजीत सिंह एवं रोहित सिंह, अंशू बग्गा ने सहयोगियों सहित प्रसाद,शीतल जल से स्वागत किया। श्री झारखंड महादेव मंदिर छज्जापुर पहुंचने पर श्रवण कुमार अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, जगदीश प्रसाद वैद्य, राकेश अग्रवाल, जयपाल मौर्य, विक्रम अग्रहरि आदि ने पुष्प वर्षा

और आरती के साथ स्वागत किया। आगे नवदुर्गा मंदिर फत्तू पट्टी के पास राजेन्द्र कसौधन सपत्नीक तथा मीरापुर में घिसियावन मौर्य, रमेश चंद्र गुप्ता, दिनेश मौर्य, मनोज मौर्य, वंदना गुप्ता आदि ने शोभा यात्रा का स्वागत किया। आरती के प्रसाद शोभायात्रा नागेश्वर नाथ मंदिर चौक के समक्ष पहुंची। मन्दिर समिति के कृष्ण कुमार सोनी, शंकर गुप्ता ,आनंद बिंदी, सतीश वर्मा, रघुनाथ प्रसाद मोदी आदि ने पूजा अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया । मीरानपुरा पहुंचने के पहले विनय अग्रहरि , मनोज सहगल आदि ने पूजन किया। मीरानपुरा पहुंचने पर गोविंद सिंह ,अक्षय सिंह, प्रतिभा सिंह वैशाली सिंह ,आनंदी साहू , स्वाति सिंह,अंशिका, सिद्धि सिंह आदि ने पुष्प वर्षा और आरती करके स्वागत किया। विवेक चंद्रा, राम अचल गौड़, रामजीत यादव,पप्पू यादव ने प्रसाद वितरण किया एवं भक्तों को शीतल जल पिलाया ।सब्जी मंडी, कपड़ा मंडी , पिपलेश्वर महादेव मंदिर, मठिया माता मंदिर के सम्मुख होते हुए शोभा यात्रा चौक स्थित पुलिस बूथ के समीप पहुंची, जहां पर पंडित राकेश मिश्रा, अनिरुद्ध अग्रवाल, बजरंगी लाल सोनी, सलिल अग्रवाल, मनोज कुमार सोनी, आकाश शाह आदि द्वारा तैयार किए गए सुसज्जित हवन कुंड में भव्य हवन संपन्न हुआ। महाआरती संयोजक पंडित काशी नाथ मिश्रा, दिनेश कश्यप, अनिल सिंह , अखिल कपूर, सुनील सोनी आदि के नेतृत्व में भव्य आरती की गई । धीरज श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। अध्यक्ष आनंद कुमार अग्रवाल एवं महामंत्री दिनेश नारायण सिंह ने नव संवत्सर स्वागत समारोह के आयोजनों में सहयोग के लिए नगरवासियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों, नगर पालिका परिषद और सभी सहयोगियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। इसके पश्चात नव संवत्सर स्वागत समारोह के समापन की घोषणा की गई।

वक्फ विधेयक के खिलाफ काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने वाले 300 लोगों के खिलाफ नोटिस

मुजफ्फरनगर। जिले में वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने वाले 300 लोगों को नोटिस जारी करके उन्हें दो-दो लाख रुपए के बांड भरने के आदेश दिए हैं। शनिवार तक ऐसे लोगों की संख्या 24 थी। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) सत्यनारायण प्रजापत ने रविवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान करने के बाद पुलिस ने कुल 300 लोगों को नोटिस जारी किए हैं तथा और लोगों की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर नगर मजिस्ट्रेट विकास कश्यप ने वे नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में संबंधित लोगों से 16 अप्रैल को अदालत में पेश होने के बाद दो-दो लाख रुपए के बांड भरने को कहा गया। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को नोटिस जारी किया गया वे वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए और 28 मार्च को यहां विभिन्न मस्जिदों में रमजान के अलविदा जुमे की नमाज के दौरान अपनी बांहों पर काली पट्टी पहने हुए पाए गए थे। वक्फ (संशोधन) विधेयक को संसद के दोनों सदनों में पारित किया जा चुका है। लोकसभा में पारित होने के बाद अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया था, जिसे करीब 13 घंटे की चर्चा के बाद मंजूरी दे दी गई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को मंजूरी दे दी। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि यह विधेयक असंवैधानिक है। हालांकि सरकार का कहना है कि इस विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों से जुड़े कामकाज में सुधार करना, जटिलताओं को दूर करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रबंधन शुरू करना है।(भाषा)

वक्फ विधेयक को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने से कुछ हासिल नहीं होगा: केंद्रीय मंत्री

बदायूं। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने संसद में पारित वक्फ संशोधन अधिनियम को कुछ पार्टियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में चुनौती दिए जाने की तैयारी की खबरों के बीच रविवार को कहा कि विधेयक को अदालत में चुनौती देने से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक गरीब और हाशिए पर खड़े मुसलमानों के हित में लाया गया है। वर्मा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए वक्फ संशोधन विधेयक को सही ठहराया और कहा कि इसे संसद में भारी समर्थन मिला है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की ताकत को दर्शाता है। उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक को भारी बहुमत से पारित किया गया है। कुछ लोग इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय जा सकते हैं, लेकिन इससे कुछ नहीं होने वाला है। वर्मा ने जोर देकर कहा कि विधेयक का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कमजोर वर्गों खासकर गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह कानून वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करेगा और वंचित मुसलमानों के हित में काम करेगा। वर्मा की यह टिप्पणी कुछ मुस्लिम संगठनों और विपक्षी नेताओं द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक के प्रावधानों को अदालत में चुनौती देने की योजना बनाने की खबरों के बीच आई है। वक्फ (संशोधन) विधेयक को पिछले दिनों संसद के दोनों सदनों में पारित कर दिया गया था।(भाषा)

चुनावी रंजिश में पूर्व ग्राम प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या

बहराइच। जिले में कथित तौर पर चुनावी रंजिश में पूर्व ग्राम प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हरदी थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के संबंध में वर्तमान ग्राम प्रधान के परिवार के सदस्यों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सिपहिया प्यूली की पूर्व ग्राम प्रधान के बेटे राजन अवस्थी (26) और वर्तमान प्रधान सीमा अवस्थी के पति सचिव अवस्थी के बीच चुनाव को लेकर रंजिश थी। पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच शुक्रवार को एक बार फिर विवाद हुआ और इस दौरान पूर्व प्रधान के पुत्र राजन अवस्थी (26) को गोली मार दी गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में राजन के भाई ने प्रधान के पति सचिव अवस्थी, भतीजे मृत्युंजय अवस्थी और शिवम अवस्थी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल राजन को लखनऊ मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह ऑपरेशन कर राजन के शरीर में फंसी गोली निकाले जाने के बाद शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद से तीनों नामजद आरोपी फरार है हालांकि मोटरसाइकिल से भाग रहे आरोपी मृत्युंजय अवस्थी को शुक्रवार देर शाम श्रावस्ती जिले के इकौना थानाक्षेत्र में सीतादोहार के पास गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि अन्य दो आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। हरदी थाना प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक सुरेश्वर सिंह ने बताया कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को महसी विधानसभा क्षेत्र में मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया जाना था लेकि सिपहिया प्यूली गांव में हुए गोलीकांड में घायल युवक की मृत्यु हो जाने के कारण रैली स्थगित कर दी गई। (भाषा)

संक्षिप्त समाचार

कुट्टू की थोड़ी मात्रा भी कर रही बीमार, पांच नए मरीज भर्ती

देहरादून, एजेंसी। कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाकर अभी भी लोग बीमार हो रहे हैं। कुट्टू के आटे की 10 ग्राम मात्रा भी लोगों को बीमार कर रही है। शनिवार को दून अस्पताल में कुट्टू के आटे के व्यंजन खाकर बीमार हुए पांच लोगों को भर्ती किया गया। वर्तमान में अस्पताल में इस तरह के आठ मरीज भर्ती हैं। देहरादून शहर में कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाकर अब तक करीब 400 लोग बीमार हो चुके हैं। इसके बाद भी लोग सबक लेने के लिए तैयार नहीं हैं। नवरात्र के पहले दिन कुट्टू के आटे से बने व्यंजन खाकर सैकड़ों लोग बीमार हुए थे। तब से हर रोज इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं। पांच मार्च को भी दून अस्पताल में इसके पांच मरीजों को भर्ती किया गया। अस्पताल में भर्ती जोगीवाला क्षेत्र निवासी एक महिला ने बताया कि उसने बेहद कम मात्रा में कुट्टू के आटे का सेवन किया था। दून अस्पताल के मेडिसन विभाग के चिकित्सक डॉ. विजय भंडारी के मुताबिक कुट्टू का आटा खाने के बाद लोगों में गंभीर लक्षण देखने को मिल रहे हैं। इन्हें नजरअंदाज करना लोगों के लिए जानलेवा भी हो सकता है। इस तरह के मरीजों में उल्टी और दस्त होने के साथ ही चक्कर आने की समस्या देखने को मिल रही है। लगातार उल्टी और दस्त होने से मरीज की जान को भी खतरा हो सकता है। जिला अभिहीत अधिकारी मनीष शयाना के अनुसार कुट्टू के आटे को संरक्षित करने के लिए संतुलित तापमान जरूरी है। इसके लिए 20 डिग्री से 22 डिग्री सेल्सियस तापमान सही माना जाता है। इसे नमी और अधिक धूप वाली जगहों पर नहीं रखना चाहिए। इसके अलावा पैकेट वाले कुट्टू के आटे को तीन माह पूरे होने के बाद नहीं खरीदना चाहिए। बताया कि इसकी 10 ग्राम मात्रा भी बेहद जहरीली हो सकती है।

हारुन को सोशल मीडिया प्रभारी पद से हटाया

देहरादून, एजेंसी। वक्फ बिल के खिलाफ पोस्ट करना भाजपा नेता व महानगर सोशल मीडिया प्रभारी हारुन अंसारी को भारी पड़ गया। उन्हें वक्फ बिल पर बगावती पोस्ट करने के आरोप में महानगर सोशल मीडिया प्रभारी पद से हटा दिया गया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर प्रभारी अनीस गौड़ व महानगर अध्यक्षा यासमीन आलम खान की ओर से जारी पत्र में कहा गया कि प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन की सहमति के बाद यह निर्णय लिया गया है।

झारखंड के नागपुरी नृत्य बेरा उगेला की दी प्रस्तुति

देहरादून, एजेंसी। खीस्त ज्योति अकादमी के 12वीं के छात्रों के लिए शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्रों ने झारखंड के नागपुरी नृत्य बेरा उगेला.. की शानदार प्रस्तुति दी। इससे पहले एगअगापे मिशन के निदेशक विक्रांत भंडारी ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में 12वीं के छात्र टोपी पहनकर प्रमाणपत्र लेते समय खुशी से झूम उठे। इस मौके पर बीजू चाको, रूबी जोसेफ, डॉ. जॉर्ज ओमन, जीजी मैथ्यू, संतोष जॉर्ज हाथी, आशीष खंडेलवाल, बेंजामिन कुरुविल, डॉ. जॉर्ज कुरुविला आदि मौजूद रहे।

राज्य मुख्य सूचना आयुक्त बनीं पूर्व ष्टस-राधा रतूड़ी, प्रशासन ने जारी की नियुक्ति की अधिसूचना

देहरादून, एजेंसी। राधा रतूड़ी राज्य की चौथी पूर्व मुख्य सचिव हैं, जिन्हें राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। मुख्य सचिव पद से हाल ही में सेवानिवृत्त हुईं राधा रतूड़ी उत्तराखंड की नई राज्य मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) होंगी। शासन ने उनकी नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने से पूर्व ही उनके इस पद पर नियुक्त होने की संभावनाएं जताई जा रही थीं। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, राधा रतूड़ी की मुख्य सूचना आयुक्त पद पर की गई नियुक्ति सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (6) के अंतर्गत राज्यपाल ने की है। नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। वह तीन वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक (इनमें से जो भी पहले हो) तैनात रहेंगी। राधा रतूड़ी राज्य की चौथी पूर्व मुख्य सचिव हैं, जिन्हें राज्य मुख्य सूचना आयुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। राज्य सूचना आयोग के अस्तित्व में आने के बाद इसके सबसे पहले मुख्य सूचना आयुक्त डॉ.आरएस टोलिया थे। डॉ.टोलिया मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद सीआईसी बने थे।

नया पोर्टल हुआ लॉन्च : अब देश में कहीं का भी हो बिल्डर, दागी होगा तो कुंडली बताएगा रेरा

देहरादून, एजेंसी।
नया पोर्टल सिर्फ नियमों का ऑनलाइन पालन ही नहीं कराएगा, बल्कि बिल्डर्स की कुंडली भी खंगालेगा। अब बिल्डर देश के किसी भी हिस्से का रहने वाला हो, उसे पिछले पांच साल की स्टेटस रिपोर्ट रेरा को देनी होगी।

लंबी कवायद के बाद उत्तराखंड भूसंपदा नियामक प्राधिकरण (यूके रेरा) ने भवन खरीदारों के लिए अपना नया पोर्टल लॉन्च कर दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहयोग से लॉन्च इस पोर्टल पर भवन खरीदारों को सभी परियोजनाओं के बारे में नई जानकारियां मिलेंगी। खासकर परियोजनाओं का तिमाही ऑनलाइन अपडेट पोर्टल पर प्रदर्शित होगा।

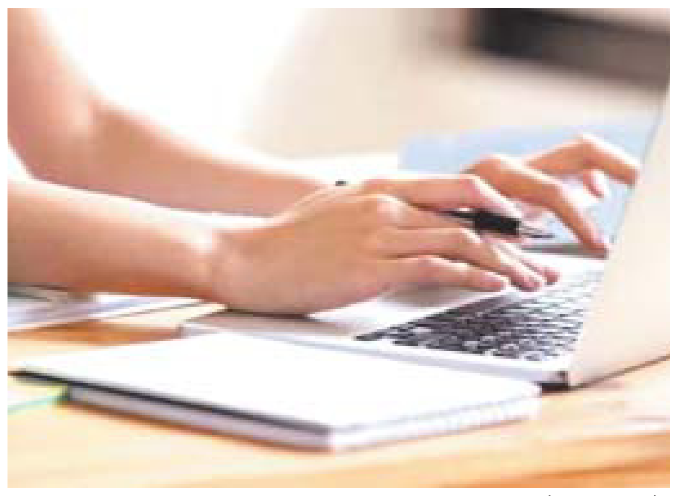

नया पोर्टल सिर्फ नियमों का ऑनलाइन पालन ही नहीं कराएगा, बल्कि बिल्डर्स की कुंडली भी खंगालेगा। अब बिल्डर देश के किसी भी हिस्से का रहने वाला हो, उसे पिछले पांच साल की स्टेटस रिपोर्ट रेरा को देनी होगी। इसमें प्रमोटर्स बताएंगे कि पिछले पांच सालों में उन्होंने कितने हाउसिंग और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट बनाए। परियोजनाओं की प्रगति व प्रमोटर्स पर दर्ज मुकदमों आदि के बारे में पूरी जानकारी भी पोर्टल पर देनी होगी। यह कुंडली नए पोर्टल पर उपलब्ध होगी। परियोजना में निवेश से पहले बायर्स प्रमोटर के बारे में सब कुछ जान सकेंगे। इससे बायर्स को संपत्ति बुकिंग का निर्णय लेने में काफी मदद मिलेगी।

यूके रेरा लंबे समय से अपने पोर्टल को अत्याधुनिक बनाने का प्रयास कर रहा था। इसमें आने वाले खर्च के कारण यह कार्य प्रभावित हो रहा था। अब उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आईटीडीए) ने रेरा के लिए नया पोर्टल तैयार किया है। नए पोर्टल पर बिल्डर्स से तिमाही अपडेट प्राप्त करने के लिए खास प्रावधान किया गया है। तिमाही अपडेट नहीं देने वाले बिल्डर्स पर कार्रवाई भी की जाएगी।

नियमों का ऑनलाइन अनुपालनत्र यूके रेरा के सदस्य नरेश सी मठपाल ने बताया कि अब नए पोर्टल में बिल्डर्स के लिए नियमों के अनुपालन पर जोर दिया गया है। नियम तो पहले से बने हैं, लेकिन ऑनलाइन तरीके से उनका अनुपालन अब तक नहीं कराया जा पा रहा था। अब प्रोजेक्ट पंजीकरण से लेकर परियोजना में प्रगति तक तमाम नियमों का पालन अनिवार्य कर दिया गया है।

ले-आउट प्लान हो या राजस्व रिकॉर्ड सब कुछ देख सकेंगे बायर्सः रेरा के सदस्य नरेश सी मठपाल ने बताया कि बिल्डर को पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने से पहले अपने दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना जरूरी होगा। कॉलोनी के लिए ले-आउट प्लान, सीमांकन योजना, स्वीकृत नक्शे, लाइसेंस नवीनीकरण पत्र, राजस्व रिकॉर्ड चार्टर्ड अकाउंटेंट से नॉन-डिफॉल्ट का सर्टिफिकेट, ड्राफ्ट अलॉटमेंट लेटर की कॉपी, मसौदा समझौते की प्रति, पर्यावरण मंजूरी, अनुमानित परियोजना लागत रिपोर्ट, एड्रेस प्रूफ कॉपी, कंपनी के निगमन का प्रमाणपत्र सब कुछ ऑनलाइन अपलोड करना होगा। इसे बायर्स देख सकेंगे। रेरा पहली बार देहरादून में 24 अप्रैल को कार्यशाला करने जा रहा है। इसमें प्रमोटर्स, प्रापर्टी एजेंट, आरडब्ल्यूए, बायर्स, अधिवक्ता व चार्टर्ड अकाउंटेंट के साथ चर्चा कर रेरा कानून के पालन को सशक्त बनाने पर जोर देगा। चर्चा से निकले बिंदुओं का रेरा बिल्डर्स से पालन कराएगा।

घर-घर पूजी गईं देवियां, सीएम धामी ने पत्नी संग किया कन्या पूजन

देहरादून, एजेंसी।
नौ दिनों तक व्रत रखने के बाद श्रद्धालु नवमी के दिन विशेष पूजा-अर्चना कर रहे हैं. चैत्र नवरात्रि के पर्व नवमी के दिन के दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है. इसलिए प्रदेश में लोग कन्या पूजन कर रहे हैं. वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामनवमी और दुर्गा नवमी के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में सपरिवार पूजा-अर्चना की. सीएम धामी ने पत्नी संग नौ दुर्गा की प्रतीक नौ कन्याओं का पूजन किया. गौर हो कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामना दी. साथ ही प्रदेश की खुशहाली व प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की. आज सुबह से ही प्रदेश में नवमी के दिन कन्या पूजन चल रहा है.नवमी के दिन के दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व माना जाता है. इसलिए श्रद्धालुओं द्वारा घरों और मंदिरों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानी जाने वाली कन्याओं का पूजन किया जा रहा है. इस दौरान श्रद्धालुओं ने कन्याओं के पैर धोकर, माथे पर चंदन और रोली लगाकर उनकी पूजा की. जिसके बाद कन्याओं को खीर-पूड़ी का भोग लगाया गया और उनका आशीर्वाद लिया गया. पौराणिक मान्यता है कि कि चैत्र नवरात्रि नौवां दिन मां दुर्गा के सिद्धिदात्री स्वरूप के लिए समर्पित है. नवमी के दिन कन्याओं की पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और श्रद्धालुओं की हर मुराद को पूर्ण करती हैं.

ओला-उबर की तरह टैक्सी सेवाओं के लिए अब सरकार का मोबाइल एप बनेगा

देहरादून, एजेंसी।
ओला-उबर की तरह टैक्सी सेवाओं के लिए अब सरकार का मोबाइल एप बनेगा। परिवहन विभाग इसे तैयार करेगा।

प्रदेश में ओला-ऊबर की तरह टैक्सी सेवाओं के लिए अब सरकार का मोबाइल एप बनेगा। सचिव परिवहन बृजेश संत ने उत्तराखंड टैक्सी मैक्सी महासंघ की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए हैं। वहीं, देहरादून में वाहनों की मैन्युअल फिटनेस जांच दोबारा शुरू करने को लेकर परिवहन मुख्यालय केंद्र को चिट्ठी भेजेगा।

सचिव परिवहन बृजेश कुमार संत ने उत्तराखंड टैक्सी-मैक्सी महासंघ के साथ बैठक की। जिसमें परिवहन मुख्यालय के अधिकारी भी शामिल हुए। महासंघ ने मांग की कि हाईकोर्ट से 15 मई तक मिले स्टे के आधार पर फिलहाल वाहनों की ऑटोमेटेड फिटनेस जांच के साथ ही देहरादून में मैन्युअल जांच का विकल्प दिया जाए।

इस पर सचिव परिवहन ने मुख्यालय के अफसरों को हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए। मंत्रालय ने डोईवाला में फिटनेस सेंटर होने के चलते मैन्युअल फिटनेस जांच का शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया बंद कर दी थी।

बैठक में चारधाम यात्रा पर बाहरी राज्यों से आने वाले व्यावसायिक वाहनों को 15 दिन का ग्रीन कार्ड देने पर चर्चा हुई। सचिव परिवहन ने इस पर अपनी सहमति दे दी है। जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी हो जाएगा। राज्य के भीतर के वाहनों का ग्रीन कार्ड पूर्व की भांति पूरे यात्रा सीजन के लिए ही बनेगा।

केदारनाथ धाम के लिए नौ कंपनियों के हेलिकॉप्टर भरेंगे उड़ान

देहरादून, एजेंसी।
केदारनाथ धाम के लिए नौ कंपनियां हेली सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। हेली सेवा के लिए टिकट की बुकिंग आठ अप्रैल को दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगी।

केदारनाथ धाम के लिए यह हेली सेवाएं गुप्तकाशी, फाटा व सिरसी से संचालित की जाएंगी। इसके लिए किराया भी निर्धारित कर दिया गया है।

गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिए 8532 रुपये, फाटा से 6062 रुपये और सिरसी से 6060 रुपये तय किया गया है। यूकाडा के एसीईओ दयानंद सरस्वती ने यह जानकारी दी।

केदारनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन की ओर से यात्रा तैयारियां को लेकर केदारनाथ पैदल मार्ग समेत यात्रा मार्ग पर जरूरी बुनियादी सुविधाएं बहाल की जा रही हैं। वहीं केदारनाथ यात्रा के लिए वरिष्ठ आईएएस नोडल अधिकारी के रूप में आईएएस अधिकारी अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं सचिव संस्कृति युगल किशोर पंत को केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों की मॉनिटरिंग का जिम्मा सौंपा गया है। सचिव शुक्रवार को ऊखीमठ पहुंचे। उन्होंने केदारनाथ यात्रा मार्ग में तीर्थयात्रियों की मूलभूत सुविधाओं पेयजल, विद्युत, संचार, परिवहन, स्वास्थ्य, आवासीय व्यवस्थाओं, पार्किंग की स्थिति, केदारनाथ धाम के

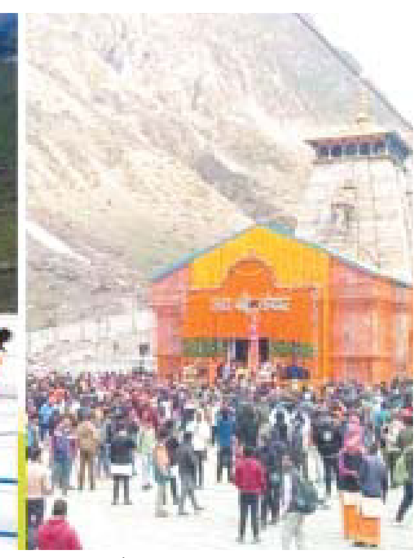

लिए घोड़े-खच्चर, डंडी-कंडी व सड़क मार्ग का लेकर जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने तीर्थयात्रा से जुड़ी संस्थाओं बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी), स्थानीय लोगों, हक हकूकधारियों तथा केदारनाथ सभा से भी बातचीत की और केदारनाथ यात्रा के संबंध में सुझाव मांगे। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ हरीश गौड़ ने बताया कि ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचकर सचिव युगल किशोर पंत ने केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दीस्थल के दर्शन किए। इस दौरान केदारनाथ धाम प्रभारी अधिकारी यदुवीर पुष्पवान ने सचिव को शीतकालीन पूजा व्यवस्था के विषय में अवगत कराया।

गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की मांग में आया उछाल, 3.7 करोड़ से बढ़कर 4.2 करोड़ यूनिट पहुंची

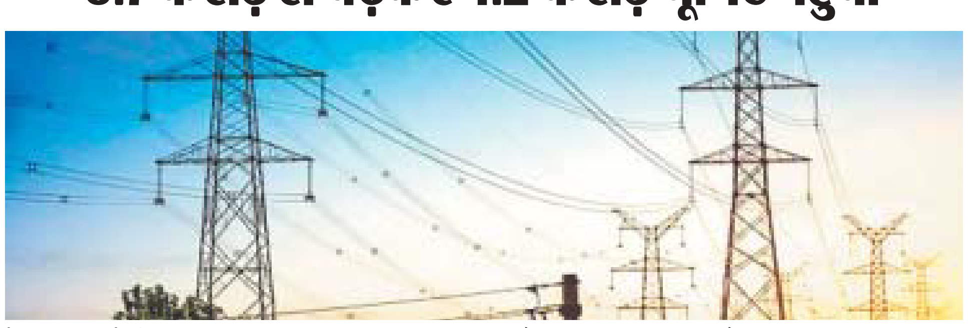

देहरादून, एजेंसी।
राज्य में पिछले वर्ष बिजली की मांग रिकॉर्ड 6.5 करोड़ यूनिट तक पहुंची थी। इस साल अप्रैल महीने की शुरुआत से ही पारे की तरह बिजली की मांग भी बढ़नी शुरू हो गई है।

प्रदेश में गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली की मांग में भी उछाल आना शुरू हो गया है। हालात ये हैं कि पांच दिन के भीतर बिजली की मांग 3.7 करोड़ से बढ़कर 4.2 करोड़ यूनिट तक पहुंच गई है। यूपीसीएल को बाजार से बिजली खरीदनी पड़ रही है।

राज्य में पिछले वर्ष बिजली की मांग रिकॉर्ड 6.5 करोड़ यूनिट तक पहुंची थी। इस साल अप्रैल महीने की शुरुआत से ही पारे की तरह बिजली की मांग भी बढ़नी शुरू हो गई है। पिछले पांच दिनों का ट्रेंड देखें तो मांग का ग्राफ स्पष्ट हो रहा है। 30 व 31 मार्च को बिजली की मांग 3.7 करोड़ यूनिट दर्ज की गई थी। इसके बाद एक अप्रैल को 3.6 करोड़ यूनिट, दो अप्रैल को 3.8 करोड़ यूनिट, तीन अप्रैल को चार करोड़ यूनिट और अब चार अप्रैल को 4.2 करोड़ यूनिट की डिमांड रिकॉर्ड की गई है।

इस बार बर्फबारी कम होने का असर बिजली उत्पादन पर भी नजर आ रहा है। यूजेवीएनएल का पिछले वर्ष अप्रैल माह में उत्पादन करीब 1.6 करोड़ यूनिट था जो कि इस साल एक करोड़ से 1.2 करोड़ यूनिट के आसपास चल रहा है। राज्य, केंद्र व अन्य माध्यमों से यूपीसीएल के पास मांग के सापेक्ष 3.4 करोड़ यूनिट बिजली ही उपलब्ध है। लिहाजा, रोजाना 80 से 85 लाख यूनिट तक बिजली बाजार से खरीदनी पड़ रही है।

यूपीसीएल को बाजार की बिजली भी खासी महंगी मिल रही है। सामान्य समय में जहां यूपीसीएल 2.69 रुपये प्रति यूनिट तक खर्च कर रहा है तो पीक समय में यह दाम 10 रुपये तक पहुंच रहे हैं।

धामी सरकार में अब प्रशासनिक फेरबदल की संभावना, वरिष्ठ नौकरशाहों के प्रभारों में हो सकता है बदलाव

देहरादून, एजेंसी।
धामी सरकार में अब इसी माह प्रशासनिक फेरबदल की संभावना है। वरिष्ठ नौकरशाह आनंद बर्द्धन के मुख्य सचिव बनने के बाद उनके विभागों का आवंटन अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों को दिया जा सकता है। तीन प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, एल फैनई और आर मीनाक्षी सुंदरम शासन में तैनात हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था के नए मुखिया की तैनाती के बाद अब धामी सरकार में प्रशासनिक फेरबदल की संभावना है। शासन में तैनात वरिष्ठ नौकरशाहों के प्रभारों में बदलाव हो सकता है। मुख्यमंत्री इसी महीने प्रशासनिक फेरबदल को अंजाम दे सकते हैं। इस फेरबदल में कुछ जिलाधिकारियों को भी इधर से उधर किया जा सकता है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही धामी सरकार अब प्रशासनिक फेरबदल को अंजाम देगी। वरिष्ठ नौकरशाह आनंद बर्द्धन के मुख्य सचिव बनने के बाद उनके विभागों का आवंटन अन्य वरिष्ठ नौकरशाहों को दिया जा सकता है। तीन प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, एल फैनई और आर मीनाक्षी सुंदरम शासन में तैनात हैं। बर्धन के सीएस बनने से खाली हुए उनके प्रमुख प्रभारों का बंटवारा इन तीनों प्रमुख सचिवों के बीच हो सकता है। इनके अलावा शासन में तैनात सचिवों को भी नई जिम्मेदारी दी जा सकती है। अपर सचिव से सचिव पद पदोन्नत हुए उन नौकरशाहों को कुछ प्रमुख विभाग मिल सकते हैं, जो अभी एक या दो प्रभार देख रहे हैं। अपर सचिव स्तर पर भी कुछ अधिकारियों के प्रभार बदले जा सकते हैं। शासन के अलावा कुछ जिलों में जिलाधिकारियों को बदले जाने की चर्चाएं गर्म हैं। माना जा रहा है कि गढ़वाल और कुमाऊं के दो-दो जिलों के जिलाधिकारियों को इधर से उधर किया जा सकता है। अगले महीने चूंकि पंचायत चुनाव की घोषणा हो सकती है। इसलिए बड़ा प्रशासनिक फेरबदल पंचायत चुनाव से पहले इसी महीने होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री धामी ने 18 और भाजपा नेताओं को बांटे दायित्व

देहरादून, एजेंसी।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकार के तीन साल का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर विभिन्न आयोगों, प्राधिकरणों, परिषदों व समितियों में दायित्व वितरण का क्रम जारी रखा है। एक अप्रैल को 20 भाजपा नेताओं को दायित्व देने के बाद शुक्रवार देर रात एक और सूची जारी की गई, जिसमें 18 पार्टी नेताओं को दायित्व दिए गए हैं।

इनमें झबरेड़ा के पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल और भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष पुनीत मित्तल भी शामिल हैं। इससे पूर्व 27 नेताओं को दायित्व दिए जा चुके हैं। इसके साथ ही दायित्वधारियों की संख्या बढ़कर अब 55 हो गई है।

राजनीतिक गलियारों में पिछले कुछ दिनों से मंत्रिमंडल विस्तार और दायित्व वितरण का विषय चर्चा के केंद्र में है। इस कड़ी में नवरात्र में भाजपा नेताओं को दायित्व देने का क्रम शुरू किया गया है। एक अप्रैल को 20 भाजपा नेताओं को दायित्व दिए जाने के बाद शुक्रवार देर रात 18 दायित्वधारियों की दूसरी सूची जारी की गई। बताते हैं कि प्रदेश भाजपा की ओर से दायित्व वितरण के लिए जिन नेताओं की

सूची सौंपी गई है, उनमें से 38 को स्थान मिल चुका है। अभी भी गढ़वाल मंडल विकास निगम, कुमाऊं मंडल विकास निगम, बदरी-केदार मंदिर समति, फिल्म विकास परिषद समेत अन्य कई निगम व परिषदों में दायित्व नहीं दिए गए हैं। ऐसे में दायित्वधारियों की एक और सूची जल्द जारी होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बलवीर घुनियाल को जड़ी-बूटी सलाहकार समिति, सुरेंद्र मोघा को उत्तराखंड पशु कल्याण बोर्ड, भुवन विक्रम डबराल को जड़ी-बूटी सलाहकार समिति, सुभाष बड़थ्वाल को राज्य निर्माण आंदोलनकारी सम्मान परिषद, पुनीत मित्तल को नगरीय पर्यावरण संरक्षण परिषद, गिरीश डोभाल को प्रदेशीय मौन परिषद, गीताराम गौड़ को उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद, डा.जयपाल को उत्तराखंड राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति, देशराज कर्णवाल को समाज कल्याण योजनाएं एवं अनुश्रवण समिति, अजीत चौधरी को उत्तराखंड राज्य किसान आयोग, प्रताप सिंह पंवार को राज्य औषधीय पादप बोर्ड, जगत सिंह चौहान को राज्य स्तरीय लघु सिंचाई सलाहकार समिति, शंकर कोरंगा को राज्य स्तरीय जलागम परिषद, महेश्वर सिंह महरा को चाय विकास सलाहकार परिषद, नवीन वर्मा को वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद व अशोक नबयाल को उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

100 दिन का रोजगार देने में देहरादून अव्वल

देहरादून, एजेंसी। बीते वित्तीय वर्ष में 4708 परिवारों को जिले में सौ दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा प्रदेश में कुल 25,268 परिवारों को मनरेगा में सौ दिनों का रोजगार प्राप्त हुआ है। मनरेगा में सौ दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने में देहरादून तीसरी बार लगातार प्रदेश में अव्वल रहा है। बीते वित्तीय वर्ष में 4708 परिवारों को जिले में सौ दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा प्रदेश में कुल 25,268 परिवारों को मनरेगा में सौ दिनों का रोजगार प्राप्त हुआ है।

राजधानी देहरादून में मनरेगा योजना का सफलता पूर्वक संचालन हो रहा है। इसका अंदाजा सौ दिनों का रोजगार करने वाले परिवारों के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में बीते तीन वित्तीय वर्षों से देहरादून प्रथम स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 3381, 2023-24 में 3257

और 2024-25 में 4703 परिवारों को सौ दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मनरेगा के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार देने के आगामी वित्तीय वर्ष में भी प्रयास जारी रहेंगे।

सम्पादकीय

नदियों का प्रदूषण

सैयद अहमर हसनैन

देखा जाय कि गंगा की सफाई का जिम्मा केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों पर है, लेकिन हकीकत यह है कि गंगा अपने मायके से ही प्रदूषित हो रही है। उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गंगा कई स्थानों पर जल शोधन संयंत्र से छोड़े गए पानी से ही प्रदूषित है। एनजीटी को भी इस बारे में जानकारी है। यह स्थिति केवल गंगा की नहीं, बल्कि देश की दूसरी नदियों की भी है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, साथ ही यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहा है। विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार, घरों, फैक्टरियों और संस्थानों से निकलने वाला 72 फीसदी गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में जा रहा है, जिससे पेयजल और अन्य उपयोग के लिए पानी का संकट बढ़ता जा रहा है।

एनजीटी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों में रोजाना 1100 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज गिर रहा है। राज्य में गंगा किनारे बसे जिलों के 225 नाले सीधे नदियों में मिल रहे हैं, जबकि केवल 101 नाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवन रेखा यमुना हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी गंदे नाले से भी बदतर हालत में है। उसका पानी न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। मौजूदा स्थिति यह है कि नई भाजपा सरकार नये संकल्प और यमुना सफाई के नये एजेंडे के साथ यमुना के पुनरुद्धार और कायाकल्प में जुटी है। हकीकत यह है कि यहां एक-तिहाई क्षमता से एसटीपी काम कर रहे हैं और 11 क्लस्टरों के लिए प्लांट ही नहीं हैं। इसके लिए एसटीपी की क्षमता तीन गुना बढ़ानी होगी और निगरानी तंत्र को चौकस करना होगा, तभी कोई बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यमुना में प्रदूषण के लिए 60 फीसदी जिम्मेदार नजफगढ़ नाले को मानती है। असलियत यह है कि यमुना इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि दिल्ली के अंदर और सीमा पर भी उसका जल नहाने लायक नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, एक समय देश में करीब 15,000 छोटी-बड़ी नदियां थीं, जिनमें से 30 फीसदी से ज्यादा आज सूख चुकी हैं। 4500 से ज्यादा छोटी या मंझोली नदियां केवल बारिश के दिनों में बहती हैं, और बाकी आठ-नौ महीनों में वे मृतप्राय रहती हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना में बरसात के दिनों में भले जलस्तर बढ़ा रहता है, लेकिन बाकी आठ-नौ महीनों में इसका जलस्तर काफी कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। यही हालत देश के अन्य राज्यों की छोटी-बड़ी नदियों की है, जहां की नदियों के साथ-साथ झीलों का जलस्तर भी कम हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए विख्यात नैनीताल की झीलें इसकी जीती-जागती मिसाल हैं, जिनका जलस्तर कम हो रहा है। मध्य भारत की गंगा कहलाने वाली पौराणिक नदी बेतवा की बात करें तो उसके उद्गम स्थल ही सिमट गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 में बेतवा के उद्गम स्थल में जल गंगा संवर्धन योजना शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन उसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। सवाल यह है कि देश की नदियां साफ क्यों नहीं हो पा रही हैं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि इसमें सीवेज सिस्टम की खामी अहम कारण है। असलियत में नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज सिस्टम में सुधार में नाकामी के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे नदियों में गिरकर उन्हें विषाक्त कर रहा है। इसके लिए उन शहरों के नगर निकाय पूरी तरह जिम्मेदार हैं हकीकत में सरकारें और नगर निकाय औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट सीधे नालों या नदियों में गिरने से रोकने में नाकाम हैं। दुखद यह है कि इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव मुख्य कारण है। इसमें दो राय नहीं कि यदि नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाना है तो लॉकडाउन जैसी सख्ती बरतनी होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

विवादों का विधेयक

वक्फ़ विवाद : निगाहें कहीं हैं, निशाना कहीं ?

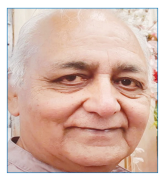

तनवीर जाफ़री

प्रत्येक वक्फ़ संपत्ति के प्रबंधन के लिए एक मुतवल्ली नियुक्त किया जाता है। इसी मुतवल्ली के हाथों में वक्फ़ संपत्ति का नियंत्रण होता है। वक्फ़ संपत्ति से होने वाली कुल आय का एक निर्धारित प्रतिशत वक्फ़ बोर्ड को,बोर्ड के रखरखाव के नाम पर दिया जाता है। यही वक्फ़ बोर्ड वक्फ़ संपत्ति संबंधित विवादों ख़ासकर मुतवल्ली की नियुक्ति व अवैध क़ब्ज़ा हटाने या किसी को किराये पर देने न देने जैसे मामलों में हस्तक्षेप करता है। वक्फ़ सम्पत्तियाँ केवल मुसलमानो से जुड़ी हुई ही नहीं हैं। बल्कि विभिन्न धर्मों में इस तरह की सम्पत्तियाँ मिलेंगी जिन्हें पूर्व में राजा महाराजाओं, ज़मींदारों, जागीरदारों, धनाढ्य लोगों द्वारा यहाँ तक कि जो साधारण लोग भी अपनी संपत्ति अपने क़ानूनी वारिसों को न देकर अपने धर्म से सम्बंधित धर्मस्थानों को दान में दे दिया करते थे। आज देश भर में विभिन्न धर्मों के धर्म स्थलों के पास इस तरह की बेहिसाब सम्पत्तियाँ हैं। इन संपत्तियों को कहीं महंत या गद्दी नशीन देख रहे हैं,कहीं प्रबंधन कमेटियां बनी हुई हैं तो कहीं इसके प्रबंधन के लिये न्यास (वक्फ़) या ट्रस्ट बनाये गये हैं। मिसाल के तौर पर जगन्नाथपुरी ट्रस्ट, वैष्णो देवी ट्रस्ट, मनसा देवी ट्रस्ट की तरह हिन्दू धर्मस्थलों से जुड़े अनेक ट्रस्ट हैं। इसी तरह सिख धर्मस्थलों की देखभाल के लिये शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनाई गयी है...

पिछले दोनों लंबी बहस व विवादों के बाद आख़िरकार वक्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 संसद के दोनों सदनों में पारित हो ही गया। चूँकि इस समय दोनों ही सदनों में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का बहुमत है इसलिये इस विधेयक के पारित होने की पूरी संभावना भी थी। हाँ विपक्ष को कुछ उम्मीदें स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सत्ता के सहयोगी दलों के प्रमुख नेताओं नितीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू, जयंत चौधरी व चिराग़ पासवान से ज़रूर थीं कि शायद वे इस विधेयक के विरोध में खड़े हों परन्तु ऐसा नहीं हुआ। यहां तक कि इनके दलों के मुस्लिम सांसदों ने भी इस विधेयक का विरोध नहीं किया। बहरहाल अब कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी इण्डिया गठबंधन दलों द्वारा एक इस विधेयक के विरोध के आख़िरी विकल्प के रूप में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाने की ख़बर है जहां इस की संवैधानिकता को चुनौती दी जाएगी। ग़ौर तलब है कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल वक्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी बताते हुये इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं। जबकि सत्तारूढ़ राजग व भाजपा के नेता इस बिल को मुस्लिम हितैषी बता रहे हैं। दरअसल एक अनुमान के अनुसार भारत में सेना और रेलवे के बाद सबसे ज़्यादा अचल संपत्ति वक्फ़ बोर्ड के अधीन है।

इन्हें संचालित करने के लिये भारत में कुल 32 वक्फ़ बोर्ड हैं और इन सभी वक्फ़ बोर्ड का संचालन राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय वक्फ़ कार्उंसिल और राज्य स्तर पर वक्फ़ बोर्ड करते हैं। यह व्यवस्था भारत सरकार द्वारा वक्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन व रखरखाव के लिए निर्धारित की गयी है। प्रत्येक वक्फ़ संपत्ति के प्रबंधन के लिए एक मुतवल्ली नियुक्त किया जाता है। इसी मुतवल्ली के हाथों में वक्फ़ संपत्ति का नियंत्रण होता है। वक्फ़ संपत्ति से होने वाली कुल आय का एक निर्धारित प्रतिशत वक्फ़ बोर्ड को, बोर्ड के रखरखाव के नाम पर दिया जाता है। यही वक्फ़ बोर्ड वक्फ़ संपत्ति संबंधित विवादों ख़ासकर मुतवल्ली की नियुक्ति व अवैध क़ब्ज़ा हटाने या किसी को किराये पर देने न देने जैसे मामलों में हस्तक्षेप करता है। वक्फ़ सम्पत्तियाँ केवल मुसलमानो से जुड़ी हुई ही नहीं हैं। बल्कि विभिन्न धर्मों में इस तरह की सम्पत्तियाँ मिलेंगी जिन्हें पूर्व में राजा महाराजाओं, ज़मींदारों, जागीरदारों, धनाढ्य लोगों द्वारा यहाँ तक कि जो साधारण लोग भी अपनी संपत्ति अपने क़ानूनी वारिसों को न देकर अपने धर्म से सम्बंधित धर्मस्थानों को दान में दे दिया करते थे। आज देश भर में विभिन्न धर्मों के धर्म स्थलों के पास इस तरह की बेहिसाब सम्पत्तियाँ हैं। इन संपत्तियों को कहीं महंत या गद्दी नशीन देख रहे हैं,कहीं प्रबंधन कमेटियां बनी हुई हैं तो कहीं इसके प्रबंधन के लिये न्यास (वक्फ़) या ट्रस्ट बनाये गये हैं। मिसाल के तौर पर जगन्नाथपुरी ट्रस्ट, वैष्णो देवी ट्रस्ट, मनसा देवी ट्रस्ट की तरह हिन्दू धर्मस्थलों से जुड़े अनेक ट्रस्ट हैं। इसी तरह सिख धर्मस्थलों की देखभाल के लिये शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बनाई गयी है। परन्तु इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रत्येक धर्मों में पाई जाने वाली इस तरह की सम्पत्तियों में या इससे होने वाली बेहिसाब आय में आम तौर पर लूट खसोट की ख़बरें भी आती रहती हैं । यही वजह है कि विभिन्न राज्यों में वक्फ़ बोर्ड संपत्तियों के ग़बन और भ्रष्टाचार, वक्फ़ ज़मीनों पर अवैध क़ब्ज़ा, राजनीतिकरण और सांप्रदायिक दुरुपयोग, धार्मिक भेदभाव, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव, क़ानूनी विवाद और निष्क्रियता जैसे आरोप भी लगते रहे हैं। परन्तु यदि सत्ता से जुड़े गिने चुने मुसलमानों को छोड़ दें तो न केवल देश के आम मुसलमान बल्कि समूचा विपक्ष और अनेक क़ानूनविद व बुद्धिजीवी वक्फ़ संशोधन विधेयक, 2025 को मुस्लिम विरोधी,मुसलमानों द्वारा वक्फ़ की गयी ज़मीनों को हड़पने का प्रयास तथा दूसरे धर्मों व धर्मस्थलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश बता रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब मंदिरों व अन्य धर्मों के धार्मिक प्रबंधन में किसी दूसरे धर्म के लोग शामिल नहीं किये जाते तो वक्फ़ बोर्ड में किसी ग़ैर मुस्लिम को शामिल करने का आख़िर क्या मक़सद है? यदि मुस्लिम वक्फ़ संपत्ति के प्रबंधन में ग़ैर-मुसलमानों को रखा जा सकता है तो ग़ैर-मुसलमानों के धर्मस्थलों की संपत्ति प्रबंधन में मुसलमानों को क्यों नहीं शामिल किया जाना चाहिए ? विपक्ष का मानना है कि सरकार इस बिल के द्वारा वक्फ़ बोर्ड के अधिकारों को इसलिए

कम कर रही ताकि वह वक्फ़ बोर्ड की संपत्ति पर क़ब्ज़ा कर सके। विपक्ष इसे मुस्लिम समाज को तोड़ने व कमज़ोर करने का काम बता रहा है। कुछ सांसदों ने तो संसद में बहस के दौरान यह तक कह डाला कि यह विधेयक मुसलमानों के धर्म पर डाका डालने तथा मुसलमानों की वक्फ़ संपत्ति को हड़पने वाला है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इस विधेयक को संविधान पर एक निर्लज्ज हमला तथा समाज के स्थायी ध्रुवीकरण की रणनीति का हिस्सा बताया जिससे भाजपा तिलमिला उठी है। कुछ इसी से मिलता जुलता विवाद पिछले कई दिनों से बिहार के विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थल बोधगया को लेकर भी छिड़ा हुआ है। यहां गत 12 फ़रवरी से बौद्ध भिक्षु बीटी एक्ट यानी बौद्ध गया टेंपल एक्ट, 1949 को समाप्त करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इस नियम के अंतर्गत बौद्ध गया टेंपल मैनेजमेंट कमेटी (बीटीएमसी) में बौद्धों के साथ-साथ हिंदू धर्मावलंबियों को भी सदस्य बनाने का प्रावधान है। बौद्ध भिक्षु इसे उनके धार्मिक मामलों में दख़ल मानते हुये लंबे समय से इस क़ानून का विरोध कर रहे हैं। पहले बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर के सामने ही आमरण अनशन पर बैठे थे परन्तु गत 27 फ़रवरी को प्रशासन द्वारा इन्हें महाबोधि मंदिर परिसर से हटा दिया गया। इसके बाद अब बौद्ध भिक्षु महाबोधि मंदिर से एक किलोमीटर की दूरी पर दोमुहान नामक स्थान पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। गोया बौद्ध धर्म के लोग भी अपने धार्मिक मामलों में दूसरे धर्म के लोगों की दख़लअंदाज़ी सहन नहीं कर पा रहे फिर आख़िर मुसलमानों के धार्मिक मामलों में दख़ल देने का मक़सद क्या ?

रोजाना बड़ी मात्रा में स्लो पॉइजन का सेवन

विश्व स्वास्थ्य दिवस विशेष

प्रितम भि. गेडाम

प्रदूषण और अस्वच्छता हमारी सांसे छीन रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 2024 आंकड़ों के अनुसार, विश्व के उच्चतम पांच सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में भारत देश हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, तथा देश की लगभग आधी नदियाँ पीने या सिंचाई के लिए असुरक्षित है, इस कारण 2024 के वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में से भारत 120वें स्थान पर हैं। 2023 में बीएमजे में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में हर साल 2.18 मिलियन मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 500,000 से अधिक मौतें जल प्रदूषण के कारण हुईं। बड़े पैमाने पर देश में हजारों करोड़ रुपयों का नकली दवाइयों का कारोबार चलता है, बड़े-बड़े सरकारी अस्पतालों में तक नकली दवाइयाँ मरीजों को बांटी जाती हैं। एशिया के बड़े अस्पतालों में शामिल महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में यह घटना हाल ही में उजागर हुयी। अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है...

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने जितनी तरक्की की है, उतना ही स्वास्थ्य से खिलवाड़ भी हुआ है और वक्त के साथ यह लगातार बढ़ रहा है, जिसका कारण मनुष्य स्वयं हैं। हृदय रोग, मस्तिष्क आघात, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियां तेजी से बढ़ रही है, साथ ही मधुमेह, रक्तचाप, मोटापा, कमजोरी, आहार में पोषक तत्वों की कमी की समस्या तो चरम पर है, इस वजह से असमय मौत का आंकड़ा दिन-ब-दिन बढ़ रहा है, कुछ पल पहले एकदम स्वस्थ नजर आनेवाला व्यक्ति, बड़ों से लेकर छोटे-छोटे बच्चे भी खेलते या व्यायाम करते हुए या बैठे-बैठे भी गश खाकर गिरते है और पता चलता है कि मौत हो गयी। एक दशक पहले जो जानलेवा बीमारियां हमें केवल कभी-कभार ही सुनने मिलती थी, अब वो बीमारियां रिश्ते-नातेदारों, आस-पड़ोसियों और हमारे घर-परिवार के लोगों तक पहुंच चुकी हैं। मनुष्य का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहद कमजोर हुआ है, मौसम के करवट लेते ही बीमारियां तुरंत जकड़ लेती हैं। हमारे देश में औसत आयु दर पाश्चात्य देशों की तुलना में लगातार गिर रही हैं। विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2024 में 143 देशों में से भारत को 126वां स्थान दिया गया।

भारत खुशी के मामले में पाकिस्तान, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन और नाइजर जैसे देशों से भी पीछे हैं। कभी इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया है कि बीमारियां तेजी से क्यों बढ़ रही है? क्या वजह हो सकती है? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या हमें रोज शुद्ध ऑक्सीजन, स्वच्छ पानी और पोषक आहार पर्याप्त मात्रा में मिल रहा है? प्रदूषण और अस्वच्छता हमारी सांसे छीन रही हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 2024 आंकड़ों के अनुसार, विश्व के उच्चतम पांच सबसे ज्यादा प्रदूषित देशों में भारत देश हैं। भारत का लगभग 70 प्रतिशत जल प्रदूषित है, तथा देश की लगभग आधी नदियाँ पीने या सिंचाई के लिए असुरक्षित है, इस कारण 2024 के वैश्विक जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में से भारत 120वें स्थान पर हैं। 2023 में बीएमजे में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में हर साल 2.18 मिलियन मौतें बाहरी वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। लैंसेट 2019 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि भारत में 500,000 से अधिक मौतें जल प्रदूषण के कारण हुईं। बड़े पैमाने पर देश में हजारों करोड़ रुपयों का नकली दवाइयों का कारोबार चलता है, बड़े-बड़े सरकारी अस्पतालों में तक नकली दवाइयाँ मरीजों को बांटी जाती हैं। एशिया के बड़े अस्पतालों में शामिल महाराष्ट्र राज्य के नागपुर में स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में यह घटना हाल ही में उजागर हुयी। अन्न उगाने से लेकर हमारे थाली में परोसने तक उसे अनेक हानिकारक रासायनिक प्रक्रियाओं से गुजारा जाता हैं। देश में अशुद्ध खान-पान और अस्वच्छता की समस्या बहुत ही ज्यादा है, लोग स्वार्थ और लालच में इतने अंधे हो चुके है, कि अपने एक रुपये के फायदे के लिए भी लोगों को जहर खिलाने तैयार हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर से खबर आई कि शवों पर इस्तेमाल की गई बर्फ का उपयोग बाजार में मिलने वाले शीत पेय में किया जा रहा था। आश्चर्यजनक है, कि देश में उत्पादन से ज्यादा दूध और दुग्धजन्य खाद्यपदार्थ बेचे जाते है, देश के 68.7 प्रतिशत दूध और दूध उत्पादों में

प्रदूषक पाए गए है। तेल, घी, शक्कर, नमकीन, मैदेयुक्त खाद्यपदार्थों की मांग अत्याधिक होती है, जबकि यह सेहत पर बेहद बुरा असर करते हैं। शहद, मसाला, चाय पत्ती, तेल, दूध, मिठाइयां, घी, केसर जैसे खाद्यपदार्थों में मिलावट बहुत ज्यादा हैं। बाहरी खाद्य पदार्थों के रंग बहुत ज्यादा तेज और आकर्षित नजर आते है, अधिकांश खाद्य पदार्थों को रंगने के लिए प्राकृतिक रंगों के स्थान पर हानिकारक कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, खाद्य पदार्थों में इस्तेमाल होने वाला बाहरी बर्फ, पानी, चटनियां, सॉसेज, खाद्यतेल गुणवत्ता की कसौटी पर अधिकतम खरी नहीं उतरतीं। देश के अधिकतर स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सामग्रियों में बिना दस्तानों के सीधे हाथ लगाने की बहुत बुरी आदत नजर आती है, इसका खामियाजा ग्राहकों के स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता हैं। जो पशुओं के लिए भी ठीक नहीं, वह खाद्य अर्थात घातक कचरा मनुष्य स्वाद लेकर खा रहा हैं। देश में ज्यादातर खाद्य पदार्थों को पैक करने और लपेटने में अखबारों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। एफएसएसएआई के अनुसार, खाद्य पैकेजिंग सामग्री के रूप में शोषक कागज के बजाय समाचार पत्रों के व्यापक उपयोग के कारण भारतीयों में धीरे-धीरे विषाक्तता फैल रही हैं। मैदा रासायनिक रूप से प्रक्षालित (जहरीला) होता है, इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है जिससे टाइप 2 डायबिटीज हो सकता है, इसमें फाइबर की कमी के कारण यह पाचन तंत्र में बाधा डालता है। खाद्य तेल का व्यापक स्तर पर पुनर्चक्रण कर जंक फूड तैयार किया जाता है, तेल को बार-बार गर्म करने से लिपिड का ऑक्सीडेटिव विघटन होता हैं। दोबारा गर्म किए गए तेल से बने भोजन का लंबे समय तक सेवन करने से व्यक्ति के एंटीऑक्सीडेंट रक्षा नेटवर्क पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे उच्च रक्तचाप, मधुमेह और संवहनी सूजन जैसी विकृतियां पैदा हो सकती है, आगे चलकर यह जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। जंक फूड या बाहरी फूड से उच्च कोलेस्ट्रॉल, हृदय रोग, मधुमेह, गुर्दे की क्षति, मोटापा, यकृत रोग, कैंसर, दंत क्षति, अवसाद, पेट संबंधी विकार, त्वचा संबंधी रोग जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ती हैं। पैक्ड फूड, पेय के कारण हम माइक्रोप्लास्टिक का सेवन कर रहे हैं। भारत में 56 प्रतिशत बीमारियाँ अस्वास्थ्यकर आहार से संबंधित हैं। आयुर्वेद कहता है कि, यदि आहार सही नहीं है तो स्वास्थ्य सुधारने के लिए दवा भी काम नहीं करती। स्ट्रीट फूड शेफ या खाद्यपदार्थ विक्रेता सरकारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। अपने हाथ स्वच्छ धोएं, स्वच्छ बर्तन व उपकरण का प्रयोग करें, दुकान पर स्वच्छता बनाए रखें, कच्चे और पके भोजन को अलग रखें, खाद्यपदार्थ तैयार करने के लिए पीने के पानी का उपयोग करें।

राम से बड़ा राम का नाम

आमजन के राम

के. विक्रम राव

राम की कहानी युगों से भारत को संवारने में उत्प्रेरक रही है। इसीलिए राष्ट्र के समक्ष सुरसा के जबड़ों की भांति फैले हुए सद्य संकटों की राम कहानी समझना और उनका मोचन करना इसी से मुमकिन है। शर्त है राम में रमना होगा, क्योंकि वे जन रंजन भंजन सोक भयं हैं। बापू का अनुभव था कि जीवन के अँधेरे, निराश क्षणों में रामचरित मानस में उन्हें सुकून मिलता था। राममनोहर लोहिया ने कहा था कि राम का असर करोड़ों के दिमाग पर इसलिए नहीं है कि वे धर्म से जुड़े हैं, बल्कि इसलिए कि जिंदगी के हरेक पहलू और हरेक कामकाज के सिलसिले में मिसाल की तरह राम आते हैं। आदमी तब उसी मिसाल के अनुसार अपने कदम उठाने लग जाता है। इन्हीं मिसालों से भरी राम की किताब को एक बार विनोबा भावे ने सिवनी जेल में ब्रिटेन में शिक्षित सत्याग्रही जे. सी. कुमारप्पा को दिया और कहा, दिस रामचरित मानस ईज बाइबिल एण्ड शेक्सपियर कम्बाइंड। लेकिन इन दोनों अंग्रेजी कृतियों की तुलना में राम के चरित की कहानी आधुनिक है, क्योंकि हर नयी सदी की रोशनी में वह फिर से सुनी, पढ़ी और विचारित होती है। तरोताजा हो जाती है। गांधी और लोहिया ने सुझाया भी था कि हर धर्म की बातों की युगीय मान्यताओं की कसौटी पर पुनर्समीक्षा होनी चाहिए7 गांधीजी ने लिखा था, कोई भी (धार्मिक) त्रुटि शास्त्रों की दुहाई देकर मात्र अपवाद नहीं करार दी जा सकती है। (यंग इण्डिया, 26 फरवरी 1925)। बापू ने नए जमाने के मुताबिक कुरान की भी विवेचना का जिक्र किया था।

लोहिया तो और आगे बढ़े। उन्होंने मध्यकालीन रचनाकार संत तुलसीदास के आधुनिक आलोचकों को चेताया मोती को चुनने के लिये कूड़ा निगलना जरूरी नहीं है, और न कूड़ा साफ़ करते समय मोती को फेंक देना। रामकथा की उल्लास-भावना से अनुप्राणित होकर लोहिया ने चित्रकूट में रामायण मेला की सोची थी। उसके पीछे दो प्रकरण भी थे। कामदगिरी के समीप स्फटिक शिला पर बैठकर एक बार राम ने सुंदर फूल चुनकर काषाय वेशधारिणी सीता को अपने हाथों से सजाया था। (अविवाहित) लोहिया की दृष्टि में यह प्रसंग राम के सौन्दर्यबोध और पत्नीव्रता का परिचायक है, जिसे हर पति को महसूस करना चाहिए। स्वयं लोहिया ने स्फटिक शिला पर से दिल्ली की ओर देखा था। सोचा भी था कि लंका की तरह केंद्र में भी सत्ता परिवर्तन करना होगा। तब नेहरू कांग्रेस का राज था। फिर लोहिया को अपनी असहायता का बोध हुआ था, रावन रथी, विरथ रघुवीरा की भांति। असमान मुकाबला था, हालांकि लोहिया के लोग रथी हुए उनके निधन के बाद। महात्मा गांधी के बारे में एक अचम्भा अवश्य होता है। द्वारिका के निकट सागर किनारे (पोरबंदर) वे पैदा हुए पर जीवनभर सरयूतटी राम के ही उपासक रहे। वे द्वारिकाधीश को मानों भूल ही गये। शायद इसीलिए कि गांधीजी जनता के समक्ष राम के मर्यादित उदहारण को पेश करना चाहते हों। रामराज ही उनके सपनों का भारत था, जहाँ किसी भी प्रकार का ताप नहीं था, शोक न था। आमजन का राम से रिश्ता दशहरा में नए सिरे से जुड़ता है। रामलीला एक लोकोत्सव है जिसमें राम की जनपक्षधरता अभिव्यक्त होती है। राजा से प्रजा, फिर वे नर से नारायण बन जाते हैं। सीता को चुराकर भागने वाले रावण से शौर्यपूर्वक लड़ने वाले गीध जटायु को अपनी गोद में रखकर राम उसकी सुश्रुषा करते हैं, फिर उसकी अंत्येष्टि करते हैं जैसे वह उनका कुटुम्बीजन हों। रामकथा के टीकाकार जितना भी बालि के वध की व्याख्या करें, वस्तुतः राम का संदेशा, उनकी मिसाल, असरदार है कि न्याय और अन्याय के बीच संघर्ष में तटस्थ रहना अमानवीय है। अपनी समदृष्टि, समभाव के बावजूद राम को वंचित और शोषित सुग्रीव प्यारा है। सत्ता पाकर सुग्रीव पम्पानगर के राज प्रासाद में रहते हैं मगर वनवासी राम किष्किन्धा पर्वत पर कुटी बनाकर रहते हैं। ऐसी गठबंधन की सेना जो न सियासत में, न समरभूमि में कभी दिखी है। विजय के बाद आभार ज्ञापन में वानरों से राम कहते हैं तुम्हरे बल मैं रावण मारेव। वाहवाही लूटने की लेशमात्र भी इच्छा नहीं थी इस महाबली में। निष्णातों के आकलन में भारत को राष्ट्र का आकर राम ने दिया। सुदूर दक्षिण के सागरतट पर शिवलिंग की स्थापना की और निर्दिष्ट किया कि गंगा जल से जो व्यक्ति रामेश्वरम के इस लिंग का अभिषेक करेगा उसे मुक्ति मिलेगी। अब हिन्दुओं में मोक्ष प्राप्ति की होड़ लग गई, मगर इससे हिमालय तथा सागरतट तक भौगोलिक सीमायें तय हो मगर भारतीय संविधान बनने के सदियों पूर्व, (तब वोट बैंक भी नहीं होते थे) वनवासी राम ने दलितों, पिछड़ों और वंचितों को अपना कामरेड बनाया, मसलन निषादराज गुह और भीलनी शबरी। आज के अमरीका से काफी मिलती जुलती अमीरों वाली लंका पर रीछ-वानरों द्वारा हमला करना और विजय पाना इक्कीसवीं सदी के मुहावरे में पूंजीवाद पर सर्वहारा की फतह कहलाएगी। सभ्यता के विकास के विभिन्न चरणों का लेखाजोखा सर्वप्रथम परशुराम की कुल्हाड़ी (वन उपज पर अवलम्बित समाज) फिर धनुषधारी राम (तीर द्वारा व्यवस्थित समाज) और हल लिये बलराम (कृषि युग का प्रारंभ) से निरूपित होता है।

जानकारी

स्वतंत्रता की प्रतिबद्धता

भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान एक बार बम केस के संबंध में कलकत्ता के एक पुलिस कमिश्नर ने अचानक अरविंद घोष के निवास पर धावा बोला। पुलिस कमिश्नर यह देखकर स्तब्ध रह गया कि कमरे में चारों ओर किताबें बिखरी पड़ी थीं, सोने के लिए जमीन पर एक चटाई बिछी पड़ी थी, खाने में थोड़े बिस्किट रखे थे, और नारियल के रेशे से बुनी एक खाट पड़ी थी। पूछताछ के दौरान प्राप्त उत्तरों से अरविंद घोष की विद्वता से संतुष्ट होकर पुलिस कमिश्नर वापस लौट गया। अरविंद मुस्कराते हुए मन ही मन बोल रहे थे कि अंग्रेजी शासन को भगाने का मेरा यह साधारण माहौल भी शास्त्र के कार्य के रूप में सहायक होगा, और मेरा देश निश्चित रूप से स्वतंत्र होगा। ब्रिटिश स्कूल और कॉलेज की शिक्षा से संपन्न व्यक्ति अरविंद घोष भारत को स्वतंत्र कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। उनकी यह निष्ठा और प्रतिबद्धता कालांतर में भारत की स्वतंत्रता के रूप में फलीभूत हुई।

आज का राशिफल

मेषः सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

वृषभः कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुनः योजना का तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क :धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंहः किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या:धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

तुलाः आज सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक :किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु:राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी।

मकरः प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं।

कुंभ :चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीनः व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। आपके किसी बात का घर में विरोध हो सकता है। विवाद न करें। आज माता की सेहत संबंधी परेशानी दूर होगी।

आज का पंचांग

7 अप्रैल को चैत्र शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि और सोमवार का दिन है। दशमी तिथि सोमवार रात 8 बजकर 1 मिनट तक रहेगी। 7 अप्रैल को शाम 6 बजकर 19 तक धृति योग रहेगा। साथ ही सोमवार को पूरा दिन, पूरी रात पार कर मंगलवार सुबह 7 बजकर 55 मिनट तक अश्लेषा नक्षत्र रहेगा। इसके अलावा 7 अप्रैल को शाम 4 बजकर 40 मिनट पर बुध मार्गी होंगे।

07 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि- 6 अप्रैल 2025 को रात 8 बजकर 1 मिनट तक

धृति योग- 7 अप्रैल को शाम 6 बजकर 19 तक

अश्लेषा नक्षत्र- 07 अप्रैल 2025 को पूरा दिन, पूरी रात पार कर मंगलवार सुबह 7 बजकर 55 मिनट तक

बुध मार्गी- 7 अप्रैल को शाम 4 बजकर 40 मिनट पर बुध मार्गी होंगे

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 6:04 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:42 बजे

68 प्रतिशत परिवारों को लोन चुकाने में दिक्कत, सबप्राइम संकट गहराया

● माइक्रोफाइनेंस के नियमों में बदलाव ने स्थिति को और बिगाड़ा ● लोन लेने की होड़ में लोग दिखावटी खर्चों में जुटे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सबप्राइम कर्जों का बुलबुला बढ़ गया है। अब यह लाखों परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रहा है। दूसरे शब्दों में सबप्राइम लोन का संकट गहराता जा रहा है। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग ने कई सर्वे का हवाला देकर यह बात कही है। अपनी रिपोर्ट में उसने कहा है कि लगभग 68 प्रतिशत लोगों को लोन चुकाने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से इस क्षेत्र में पैसा लगाने वाले निवेशकों को नुकसान हो सकता है। यह उद्योग लगभग 45 अरब डॉलर का है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक को इस पर और कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। उनका कहना है कि फाइनेंशियल इन्क्लूजन का मतलब सिर्फ लोन देना नहीं है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि लोग उसे चुका सकें। सबप्राइम कर्ज वे लोन होते हैं जो उन बॉरोअर को दिए जाते हैं जिनकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी नहीं होती है।

लोन चुकाने में देरी की समस्या बढ़ रही है। 91 से 180 दिनों के बीच लोन की किस्त जमा न होने का फीसदी बढ़कर 3.3 प्रतिशत हो गया है। जबकि जून 2023 में यह आंकड़ा सिर्फ 0.8 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्थिति और खराब हो सकती है। बहुत से लोग पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन ले रहे हैं। कुछ लोग तो इतने परेशान हैं कि उन्हें अपने बच्चों को स्कूल से निकालना पड़ रहा है। इससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में लोन डिफॉल्ट और बढ़ सकते हैं।

2007-2008 के वित्तीय संकट से यह कैसे अलग- ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां जिन सबप्राइम लोन की बात है, वे 2007-2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान अमेरिका में दिए गए लोन से अलग हैं। ये छोटे लोन हैं, जिन्हें माइक्रोफाइनेंस कहा जाता है। ये लोन उन लोगों को दिए जाते हैं जिनके पास नियमित नौकरी नहीं है या जो अपना छोटा-मोटा काम करते हैं। भारत में ऐसे लोन की बहुत मांग है। कारण है कि यहां 10 में से 9 लोगों के पास कोई औपचारिक नौकरी नहीं है। इन लोगों को बैंकों से लोन मिलना मुश्किल होता है।

पहले, माइक्रोफाइनेंस कंपनियां कुछ लोगों के समूह को लोन देती थीं। समूह के सभी सदस्यों की जिम्मेदारी होती थी कि वे समय पर लोन चुकाएं। इससे लोन की वसूली आसानी से हो जाती थी। लेकिन, कोरोना महामारी के दौरान सामाजिक दूरी के नियमों के कारण समूह में बैठकें बंद हो गईं।

चेन्नई स्थित एक पॉलिसी रिसर्च संस्था द्वारा रिसर्च ने पिछले महीने एक रिपोर्ट में कहा, उसके बाद माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के लिए समूह एकजुटता के उसी स्तर को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ग्राहकों को अब पता है कि समूह में शामिल होने के सामाजिक दबाव से बचना संभव है, जो संयुक्त देयता का मुख्य आधार था।

क्यों बढ़ रही है समस्या- द्वारा रिसर्च के द्विजराज भट्टाचार्य के अनुसार, सोशल कोलेट्रल का कमजोर होना विनियमन के लिए गंभीर समस्या है। जब समूह की जिम्मेदारी प्रभावी नहीं रहती तो लोन लेने का जोखिम व्यक्तिगत हो जाता है। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन लोन चुका पाएगा और कौन नहीं। शहरों में गरीब लोग अपनी आय और खर्चों के बारे में ऑनलाइन जानकारी देते हैं। इससे लोन देने वालों को उनकी क्रेडिट योग्यता का आकलन करने में थोड़ी मदद मिलती है। लेकिन, गांवों में ज्यादातर लोग नकद में लेनदेन करते हैं। इसलिए, उनकी आय और खर्चों का पता लगाना लगभग असंभव है।

क्रेडिट ब्यूरो हैं, लेकिन उनके पास फिनटेक कंपनियों या सोने के बदले लिए गए लोन का डेटा नहीं होता है। हो सकता है कि बॉरोअर का पति जुआ खेलता हो। उसके पड़ोसी को यह बात पता होगी। लेकिन, जब समूह की जिम्मेदारी नहीं होती तो किसी के पास भी ज्यादा लोन लेने से रोकने का प्रोत्साहन नहीं होता है। हर बॉरोअर अकेला होता है। माइक्रोफाइनेंस का सावधानीपूर्वक बनाया गया अर्थशास्त्र अब अस्त-व्यस्त हो गया है। मुहम्मद यूनुस को 2006 में इसी के लिए नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। इसलिए, लोन देने वालों को निगरानी के लिए एक नए नजरिये की जरूरत है।

क्या कहते हैं नयिम- अभी के नियम भी ज्यादा पुराने नहीं हैं। 2022 में आरबीआई ने माइक्रोफाइनेंस बॉरोअर की परिभाषा को बदल दिया। अब 300,000 रुपये (3,500) सालाना कमाने वाला परिवार भी माइक्रोफाइनेंस लोन ले सकता है। शहरों में यह सीमा 50 प्रतिशत बढ़ गई। गांवों में यह वृद्धि और भी अधिक थी। आरबीआई ने सभी लोन पर कुल मासिक पुनर्भुगतान को आय का 50 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। पहले, कर्ज की एक निश्चित सीमा होती थी। आरबीआई ने ब्याज दरों पर एक दशक से चले आ रहे नियंत्रण को भी हटा दिया। अब माइक्रोफाइनेंस कंपनियां अपनी मर्जी से ब्याज दरें तय कर सकती हैं। इसके अलावा, एक परिवार को दो से अधिक लोन देने पर लगी रोक को भी हटा दिया गया।

लोन का सही इस्तेमाल नहीं हुआ

महामारी के बाद नियमों में बदलाव के कारण लोगों ने नए लोन लेना शुरू कर दिया। लेकिन, वे इन लोन का इस्तेमाल छोटे व्यवसाय शुरू करने या अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए नहीं कर रहे थे। वे दिखावटी शादियों का आयोजन कर रहे थे या उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं खरीद रहे थे।

द्वारा के कार्यकारी निदेशक इंद्रदीप घोष कहते हैं, हर समाज में स्टेटस दिखाने की होड़ होती है। लेकिन जब माइक्रोफाइनेंस तक पहुंच बहुत आसान हो जाती है और लोन देने वाले पर्याप्त जांच नहीं करते हैं तो स्टेटस दिखाने की होड़ बहुत तेजी से बढ़ सकती है।

अब जब ज्यादा कर्ज हो गया है तो कुछ संस्थानों को विफल होने दें। लोन देने पर सख्त नियंत्रण लगाने से मौजूदा संकट और बढ़ सकता है। सरकार को बॉरोअर्स को व्यवस्थित तरीके से कर्ज कम करने में मदद करनी चाहिए। भारत के दिवालियापन कानून में इसका प्रावधान है। लेकिन, यह अभी तक व्यक्तियों पर लागू नहीं हुआ है। आरबीआई को एक पर्याप्त बाजार निगरानी प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता है।

भारत जैसे बड़े देश में उत्पादन और आय में बहुत अंतर है। परिवारों की लोन चुकाने की क्षमता भी अलग-अलग होती है। वैश्विक निवेशकों को यह सब पता नहीं होता है। उन्हें डेटा दिखाया जाना चाहिए ताकि वे यह तय कर सकें कि उन्हें कहां सुरक्षित रिटर्न मिल सकता है।

1407 करोड़ रुपये में डेल्हीवेरी खरीद रही है इकॉम एक्सप्रेस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। डेल्हीवेरी ने बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने शनिवार को दी जानकारी में कहा है कि उन्होंने अपनी प्रतिद्वंदी कंपनी इकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। इसके कंपनी 1407 करोड़ रुपये तक पैसा खर्च करेगी। डेल्हीवेरी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि बोर्ड ने टारगेट कंपनी (इकॉम एक्सप्रेस और उनके शेयरहोल्डर्स के साथ शेयर खरीद एग्रीमेंट के एक्शन की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया है कि इस अधिग्रहण के बाद इकॉम एक्सप्रेस एक सब्सिडियरी के तौर पर काम करेगी।

कंपनी ने क्या कुछ कहा- डेल्हीवेरी के एमडी और सीईओ साहिल बरुआ कहते हैं, इस अधिग्रहण से हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और नेटवर्क बेहतर होगा। जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को अच्छी सर्विस प्रदान करने में मदद मिलेगी। इकॉम एक्सप्रेस के फाउंडर्स और मैनेजमेंट ने एक अच्छी टीम और नेटवर्क बनाया है। जो डेल्हीवेरी के संचालन में मदद करेगा।

इकॉम एक्सप्रेस की छंटनी और आईपीओ प्लान- इस साल फरवरी में मिंट की रिपोर्ट में सामन आया था कि इकॉम एक्सप्रेस ने 500 कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया है। साथ ही अपने आईपीओ के प्लान को भी रोक दिया है। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का खर्च बढ़कर 2921.50 करोड़ रुपये पहुंच गया था। इस दौरान कंपनी का रेवन्यू 2609.20 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है।

रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी को खरीदने की सलाह दे रहे एक्सपर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रेखा झुनझुनवाला के निवेश वाले स्टॉक फेडरल बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह ब्रोकरेज हाउस ने दिया है। ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने फेडरेल बैंक के शेयरों को टैग दिया है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 194.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। फेडरल बैंक ने केवीएस मेनन को नया मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति 23 सितंबर 2024 से प्रभावी है। केवीएस मेनन, श्याम श्रीनिवासन की जगह लेंगे।

क्या टारगेट प्राइस सेट किया गया है- फेडरल बैंक के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने 'लो रिस्क, लो रिटर्न' कमेंट किया है। ब्रोकरेज हाउस 230 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, 5 दिसंबर को कंपनी के शेयर अपने रिकॉर्ड हाई 261.90 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है।

झुनझुनवाला के पास कितने शेयर- रेखा झुनझुनवाला के पास फेडरल बैंक के पास 3.45 करोड़ शेयर है। उनकी दिसंबर तिमाही तक कुल हिस्सेदारी 1.42 प्रतिशत थी। डाटा के अनुसार इस बैंकिंग स्टॉक में 24.77 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, अन्य के पास 13 प्रतिशत हिस्सा है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है- बीते एक महीने के दौरान फेडरल बैंक के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल में स्टॉक का भाव 27.90 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 148.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 47,844.74 करोड़ रुपये है।

ट्रंप के टैरिफ से भारत को ज्यादा चिंता नहीं, असली खतरा मंदी है

ट्रंप का फॉर्मूला ट्रेड डेफिसिट को गलत तरीके से समझता है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के टैरिफ से भारत को ज्यादा चिंता करने की बात है। भारत पर इसका मुख्य असर अमेरिका के टैरिफ से नहीं होगा। असली चिंता तो ट्रंप के कदमों से आने वाली मंदी है। इससे अमेरिका और भारत समेत सभी देशों की जीडीपी गिरेगी। ट्रंप के काम सिर्फ टैरिफ तक सीमित नहीं हैं। वे उस पुरानी दुनिया को खत्म करना चाहते हैं जिसे पहले बनाया गया था।

2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 1910 के बाद सबसे ज़्यादा और बेतुके इंपोर्ट टैरिफ लगाए। उन्होंने इसे अमेरिका का लिबरेशन डे बताया। लेकिन इसे रिसेशन डे, ट्रेड वॉर डे या इकोनॉमिक स्टुपिडिटी डे कहना ज्यादा सही होगा।

ट्रंप ने लगाया 50 प्रतिशत तक टैक्स- ट्रंप ने सभी इंपोर्ट पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगाया। इसके अलावा, 60 देशों पर 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का रेसिप्रोकल टैक्स भी लगाया। उन्होंने एक चार्ट भी जारी किया जिसमें लिखा था टैरिफ्स चार्जड टू द यूएसए इन्क्लूडिंग करेंसी मैनिपुलेशन एंड ट्रेड बैरियर्स। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे दूसरे देश गलत तरीके से व्यापार कर रहे हैं।

किस देश पर कितना टैक्स- ट्रंप के फॉर्मूले से भारत से इंपोर्ट पर 26 प्रतिशत का टैक्स लगता है। ये चीन (54 प्रतिशत), कंबोडिया (49 प्रतिशत), लाओस (48 प्रतिशत), वियतनाम (46 प्रतिशत), इंडोनेशिया (32 प्रतिशत), बांग्लादेश (37 प्रतिशत) और श्रीलंका (44 प्रतिशत) जैसे एशियाई देशों से कम है। इस फॉर्मूले की बेवकूफी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अंटार्कटिका के हर्ड और मैकडॉनल्ड आइलैंड पर 10 प्रतिशत का टैक्स लगाया गया है। वहां कोई इंसान नहीं रहता, सिर्फ पेंग्विन रहते हैं। पेंग्विन तो टैक्स नहीं देंगे, लेकिन ट्रंप खुश हो सकते हैं कि वो बदला भी नहीं लेंगे।

फॉर्मूले पर सवाल

एक्सपर्ट्स को उम्मीद थी कि रेसिप्रोसिटी को कैलकुलेट करने का कोई तरीका होगा। लेकिन ये तरीका इतना आसान था कि इकोनॉमिक्स का स्टूडेंट भी इस पर हंसेगा। रेसिप्रोकल टैक्स उस देश के साथ अमेरिका के ट्रेड डेफिसिट का 50 प्रतिशत था, जिसे अमेरिका से इंपोर्ट से डिवाइड किया गया था।

ये रेसिप्रोकल बिल्कुल नहीं था। इस फॉर्मूले का मतलब था कि किसी भी देश के साथ अमेरिका का ट्रेड डेफिसिट उस देश की चीटिंग और गलत ट्रेड को दिखाता है। इकोनॉमिस्ट लैरी समर्स ने कहा कि ट्रंप का फॉर्मूला इकोनॉमिक्स के लिए वैसा ही है जैसा क्रिएशनिज्म इवोल्यूशनरी साइंस के लिए, एस्ट्रोलॉजी एस्ट्रोनॉमी के लिए और आरएफके जूनियर वैक्सीन साइंस के लिए हैं।

हर देश का कुछ देशों के साथ ट्रेड डेफिसिट होता है और कुछ के साथ सरप्लस। सिर्फ बेवकूफ लोग ही ये सोचते हैं कि बाइलेटरल ट्रेड हमेशा बराबर होना चाहिए और ट्रेड डेफिसिट चीटिंग है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने क्यू1 में कारों की रिकॉर्ड-तोड़ डिलीवरी कर मजबूत परफॉर्मेंस दर्ज की

मुंबई। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 2025 की मजबूत शुरुआत करते हुए कारों की बिक्री में.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है। कंपनी ने जनवरी-मार्च 2025 के बीच 3ए914 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 1373 मोटरसाइकिलें (बीएमडब्ल्यू मोटोराड) डिलीवर कीं। बीएमडब्ल्यू ने 3ए764 यूनिट्स और मिनी ने 150 यूनिट्स बेचीं।

जनवरी, फरवरी और मार्च - प्रत्येक महीने की मासिक बिक्री ने भी अपनी सर्वोच्च बिक्री को दर्ज किया।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेसिडेंट और सीईओ विक्रम पावाह ने कहा, '' बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ आने वाले सफल वर्ष की नींव रखी है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने 3ए914 यूनिट्स के साथ अब तक की सबसे अधिक क्यू1 कार डिलीवरी दर्ज की है, जिसमें.7 : की वृद्धि भी हुई है। सबसे पसंदीदा लक्जरी ईवी ब्रांड के रूप में अपनी बढ़त जारी रखते हुए, हमने अपनी इलेक्ट्रिक कार बिक्री में 200: से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। इसी तरह, बीएमडब्ल्यू लॉन्ग व्हीलबेस मॉडल ने सभी क्षेत्रों में लक्जरी के पारखी लोगों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है, जिसमें उल्लेखनीय.187: की वृद्धि हुई है। हमारी मजबूत रणनीति ने चुनौतीपूर्ण वातावरण के बावजूद हमें गति प्रदान की है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ;ईवी- बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया पिछले तीन वर्षों से सबसे अधिक मांग वाला लक्जरी ईवी ब्रांड है। क्यू1 2025 में, यह अग्रणी स्थिति 646 बीएमडब्ल्यू और मिनी ईवीस की डिलीवरी के साथ जारी है। इलेक्ट्रिक बिक्री में साल-दर-साल.206: की तेजी से वृद्धि, सस्टेनेबिलिटी, परफॉर्मेंस और इनोवशन के उच्च स्तर को दर्शाती है जिसे प्रगतिशील भारतीय बीएमडब्ल्यू ग्रुप ब्रांड्स के साथ जोड़ते हैं। ऑटो एक्सपो 2025 में लॉन्च की गई फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई एक्स 1 लॉन्ग व्हीलबेस ने बाजार में हलचल मचा दी और इसके लिएए 1ए500 से अधिक बुकिंग प्राप्त कीं।

क्रॉम्पटन के 3-स्टार ऊर्जा दक्ष, अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन से अपने स्पेस को बनाएं और भी शानदार, सौंदर्य और तकनीक का अनोखा संगम

मुंबई। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेगमेंट में अग्रणी क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपना नया प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन पेश किया है। यह प्रीमियम इंडक्शन फैन न केवल शानदार डिज़ाइन बल्कि शक्तिशाली तकनीक और उच्च प्रदर्शन के साथ आता है, जो आपके रहने की जगह को एक नया आयाम देता है। बैलेरीना की सुंदर घुमावदार मुद्रा से प्रेरित, अवांसर स्वर्ल कालातीत सुंदरता और गतिशीलता का प्रतीक है। इसकी अनूठी डिज़ाइन इसे किसी भी घर के लिए एक उल्लेखनीय हिस्सा बनाती है जिससे घर न केवल अधिक आरामदायक बल्कि अधिक स्टाइलिश भी बन जाता है। चाहे आप उमस से राहत चाहते हों या चिलचिलाती गर्मी से तुरंत राहत पाना चाहते हों, क्रॉम्पटन का प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सभी के लिए आदर्श समाधान है। चूंकि ऊर्जा दक्षता और घरेलू सौंदर्य का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए उपभोक्ता ऐसे सीलिंग फैन चाहते हैं जो न केवल प्रभावी शीतलता प्रदान करें, बल्कि बिजली की लागत को कम करते हुए उनके आंतरिक साज-सज्जा के साथ सहजता से मेल खाएं। मानसून के दौरान बढ़ती नमी के साथ, पंखे घरों के लिए अनिवार्य हो गए हैं।

क्रॉम्पटन के प्रीमियन अवांसर स्वर्ल सीलिंग फैन को इन आवश्यकताओं को को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बेहतरीन एयर डिलीवरी और एंटी-डस्ट फिनिश प्रदान करता है, साथ ही ये परिष्कृत डिज़ाइन के साथ आता है है जो विभिन्न प्रकार के इंटीरियर शैलियों के अनुरूप है। इसकी 3-स्टार ऊर्जा दक्षता इसे उन ग्राहकों के लिए बेहतरीन विकल्प बनाती है जो आराम और किफ़ायत दोनों को प्राथमिकता देते हैं।

दिवालिया होने के कगार पर थे, बचे थे सिर्फ 3000... फिर खुली किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। चैतन्य रामलिंगेगौड़ा वेकफिट के सह-संस्थापक हैं। एक समय वह दिवालिया होने के कगार पर थे। उन्होंने वेकफिट से पहले कई स्टार्टअप शुरू किए। लेकिन, वे सभी असफल रहे। 2014 में उनके पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी पैसे नहीं थे। हालांकि, चैतन्य ने हार नहीं मानी। उन्होंने अंकित गर्ग के साथ मिलकर 2015 में वेकफिट की शुरुआत की। यह एक ऑनलाइन मैट्रेसेस और स्लीप सॉल्यूशन स्टार्टअप है। आज, वेकफिट देश के सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता ब्रांडों में से एक है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी ने 813 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया था। आइए, यहां चैतन्य रामलिंगेगौड़ा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2011 में छोड़ दी नौकरी - चैतन्य रामलिंगेगौड़ा ने इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए किया है। एमबीए करने के बाद उन्होंने डेलॉयट और कग्निजेंट जैसी कंसल्टेंसी फर्मों में काम किया। 2011 में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और अपना पहला स्टार्टअप शुरू किया। यह एक डेटिंग ऐप था। इसका नाम था- फ्लटरबाय सर्विसेज। ऐप का उद्देश्य लोगों को मिलना और वाइन टेस्टिंग, पॉटरी और डांस क्लास जैसी सामान्य गतिविधियों से जोड़ना था। यह टिंडर की तरह नहीं था। टिंडर में लोग स्वाइप करके स्वीकार या अस्वीकार करते हैं। चैतन्य का ऐप सफल नहीं हुआ।

दूसरा स्टार्टअप भी फेल रहा

2012 के अंत में चैतन्य ने फिर से एक स्टार्टअप शुरू किया। यह महिलाओं का ऑनलाइन कम्युनिटी स्टार्टअप था। इस स्टार्टअप ने थोड़ी सफलता दिखाई। इसने एंजेल फंडिंग भी जुटाई। लेकिन, जल्द ही इस बात का एहसास हुआ कि स्टार्टअप सिर्फ जिंदा है। उन्हें कर्मचारियों की सैलरी निकालने में भी मुश्किल हो रही थी। रात-दिन एक करने के बाद भी उनके पास सफल स्टार्टअप का बड़ा टारगेट नहीं था। सबसे बड़ी बात कि उनके पास कोई महत्वपूर्ण उत्पाद या सेवा नहीं थी। दोनों ही मामलों में चैतन्य के स्टार्टअप असफल रहे।

बैंक खाते में बचे थे सिर्फ 3000 रुपये

एक रात चैतन्य अपने बैंक खाते से 3,000 रुपये निकालने गए। तब उन्हें एहसास हुआ कि यह पैसा उन्हें एक सप्ताह तक चलाना होगा। उनके पास कोई और पैसा नहीं था। उनकी सारी बचत उनके स्टार्टअप में लगी हुई थी। वह पार्ट टाइम कंसल्टिंग करके ही किराया दे रहे थे। वह सबकुछ गंवा देने के करीब थे। इसके बावजूद स्टार्टअप के 10 कर्मचारियों को अंत तक समय पर वेतन दिया गया। लेकिन, इसकी कीमत चैतन्य को चुकानी पड़ी। उन्होंने ऑफिस बंद कर दिया। उन्होंने ऑफिस को अपने घर में शिफ्ट कर दिया। 2014 में उन्होंने आखिरकार इसे बंद कर दिया।

2015 में लॉन्च किया वेकफिट

चैतन्य के पास कोई बचत नहीं थी। उनके पास कोई नया विचार नहीं था। फिर उन्होंने सिकोआ से वित्त पोषित हेल्पचैट ज्वाइन किया। यह ऐप्स का एग्रीगेटर था। यह पेमेंट, कैब बुकिंग, शॉपिंग आदि के लिए वन-स्टॉप-शॉप बनना चाहता था। उन्होंने एक साल से भी कम समय में वीपी ऑफ ऑपरेशंस के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्हें वह मिल गया था जो वह चाहते थे। हेल्पचैट में उनकी मुलाकात अंकित गर्ग से हुई। अंकित मैट्रेस इंडस्ट्री के एक्सपर्ट थे। 2015 के अंत में उन्होंने वेकफिट लॉन्च किया। यह मैट्रेस की ऑनलाइन रिटेलर है। यह एक डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर ब्रांड है। अब यह कंपनी सालाना करोड़ों का कारोबार कर रही है।

तीन दिन में एफपीआई ने भारत में बेचे 10355 करोड़ के शेयर, कब तक हो सकती है इसकी भरपाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से जवाबी टैरिफ का एलान करने की खबरों के बीच विदेशी निवेशकों ने अप्रैल के पहले सप्ताह में भारतीय इक्विटी बाजार में भारी बिकवाली की। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 2 अप्रैल 4 अप्रैल के बीच 10,355 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बेच दिए हैं। टैरिफ की जांच से वैश्विक बाजार में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने और वित्तीय बाजारों पर मंडरा रहे खतरे के बीच यह निकासी की गई है।

मार्च में एफपीआई की बिकवाली फरवरी की तुलना में काफी कम रही थी। मार्च में कुल बिकवाली फरवरी की 34,574 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही। लेकिन, अप्रैल के पहले सप्ताह में वैश्विक बाजार में उथल-पुथल शुरू होने के बाद निवेशक फिर सहम गए बिकवाली करने लगे। हालांकि ऐसा नहीं है कि विदेशी निवेशक केवल भारत में ही बिकवाली कर रहे हैं। टैरिफ की घोषणा के दो दिनों के भीतर अमेरिकी बाजार ने ही अपने कुल मार्केट कैप का लगभग 5.4 ट्रिलियन डॉलर गंवा दिया है।

बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा के अनुसार निकट भविष्य में भारतीय बाजारों में तेज विदेशी प्रवाह की उम्मीद नहीं है। बग्गा ने कहा, हमें अभी भारतीय बाजारों में तेज प्रवाह की उम्मीद नहीं है, जब तक कि ट्रम्प के टैरिफ से फैली अव्यवस्था कुछ हद तक व्यवस्था में नहीं बदल जाती।

जिसने करियर बर्बाद करने का लगाया आरोप, उसी ने अब ष्टस्य से खिलवाड़ करने को लेकर धोनी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी सवालों के कठघरे में हैं. इसके पीछे की वजह है उनका मौजूदा परफॉर्मेन्स. ना तो धोनी बड़ा स्कोर बना रहे हैं और ना ही मैच को फीनिश करते दिख रहे हैं. टीम के सफल रन चेज में अब उनका योगदान ना के बराबर दिखता है. और, ये बात सिर्फ आईपीएल 2025 की नहीं है. बल्कि पिछले सीजन में भी उनका कुछ ऐसा ही हाल था. बहरहाल, नाकाम होते धोनी पर अब पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने निशाना साधा है. उन्होंने बातों ही बातों में धोनी पर आईपीएल से खिलावाड़ करने का आरोप लगाया. घरेलू क्रिकेट में बंगाल से खेलने वाले ये वही मनोज तिवारी हैं, जिन्होंने कुछ समय पहले धोनी पर खुद का करियर तबाह करने जैसा बड़ा इल्जाम भी लगाया था.

आईपीएल 2023 के बाद धोनी को रिटायर होना चाहिए था'

मनोज तिवारी ने क्रिकबज पर कहा कि उनकी समझ से धोनी को उसी वक्त रिटायर हो जाना चाहिए था, जब आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स ने खिताब जीता था. वैसा ना करके धोनी ने जो इज्जत कमाई थी या जो फैंस का भरोसा जीता था, पिछले सीजन से उसकी नींव हिली है, क्योंकि फैंस उनसे जैसे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं, वैसा वो अब नहीं कर पा रहे.

ये तो खिलवाड़ है!

मनोज तिवारी ने स्टीफन फ्लेमिंग के दिए उस बयान पर भी हमला बोला, जिसके मुताबिक धोनी 10 ओवर से ज्यादा बैटिंग नहीं कर सकते. भाग नहीं सकते. पूर्व भारतीय क्रिकेटर के मुताबिक ये बात उनकी समझ से परे है कि जब बारी 20 ओवर तक फील्डिंग करने, स्टंपिंग करने और डाइव लगाकर गेंद को रोकने की आती है, तो आपके घुटने में चोट नहीं होती. लेकिन बात जब टीम को जिताने की आती है तो घुटने की चोट आड़े आ जाती है.

टीम हित में नहीं धोनी के फैसले- मनोज तिवारी

मनोज तिवारी के मुताबिक धोनी को किसी को बताना चाहिए कि अब उनसे नहीं हो पा रहा. और, अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिए. उन्होंने ये भी कि उनकी समझ से ष्टस्य्च का सारा डिसीजन एमएस धोनी कर रहे हैं. पर वो जो डिसीजन ले रहे हैं वो टीम हित में नहीं हैं.

करियर बर्बाज करने का भी लगा चुके हैं आरोप

संन्यास ना लेकर ष्टस्य्च के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाने वाले मनोज तिवारी ने ही धोनी पर खुद का करियर तबाह करने का भी इल्जाम लगाया था. उन्होंने कहा कि धोनी कप्तान थे. वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाने और प्लेयर ऑफ द मैच बनने के बाद उन्हें और मौके मिलने चाहिए थे, जो कि नहीं मिले. उन्हें शतक लगाने के बावजूद टीम से ड्रॉप कर दिया गया. जबकि उस समय रन नहीं बना पहे विराट, रैना, रोहित को टीम में बनाए रखा गया. मनोज तिवारी के मुताबिक 6 महीनों के अंतराल में वो 14 मैचों से बाहर रहे.

आईपीएल 2025 में जिसे किसी टीम ने नहीं खरीदा, उस खिलाड़ी ने 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल2025 के ऑक्शन में 2 करोड़ रुपये की बेस प्राइस के साथ उतरे थे, मगर इंग्लैंड के टॉम बैंटन किसी टीम के पॉकेट में फिट नहीं बैठ सके. उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला. लिहाजा, उन्हें आईपीएल खेलने का लाइसेंस नहीं मिला. लेकिन, वो कहते हैं ना कि जो होता है अच्छे के लिए होता है. आईपीएल 2025 में नहीं बिकने वाले बैंटन ने अब समरसेट से काउंटी के डिवीजन 1 मुकाबले में खेलते हुए 150 साल में सबसे बड़ा स्कोर बनाया है. उन्होंने ये बेमिसाल कारनामा वूर्सेस्टरशर के खिलाफ किया. टॉम बैंटन ने 381 गेंदों पर बनाए 344 रन

टॉम बैंटन ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 381 गेंदों का सामना करते हुए 344 रन बनाए, जिसमें 53 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. वो अब तक कुल 496 मिनट बैटिंग कर चुके हैं. 344 रन पर नाबाद बैंटन के सामने अब तीसरे दिन अपने स्कोर को और बड़ा करने की चुनौती होगी.

RCB के खिलाफ मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस में हुए शामिल

आईपीएल 2025 में बुमराह की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। 7 अप्रैल को मुंबई इंडियंस को अपने होम ग्राउंड पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है. लेकिन, उससे पहले अच्छी बात ये हुई है कि बुमराह ने टीम को जॉइन कर लिया है. हालांकि, बुमराह आईपीएल के खिलाफ मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाएंगे, इसे लेकर अभी सस्पेंस है.

बुमराह कब खेलेंगे आईपीएल 2025 में पहला मैच?

बैक सर्जरी के बाद बुमराह आईपीएल के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे थे, जहां से पिछले दिनों एक रिपोर्ट में उन्हें लेकर कहा गया था कि अभी उनकी वापसी पर सस्पेंस है. लेकिन, अब बुमराह के मुंबई इंडियंस को जॉइन कर लेने की खबर सामने आ चुकी है.

जहां तक बुमराह के मैच खेलने की बात है, तो फिलहाल उसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है. लेकिन, ऐसा माना जा रहा कि वो 13 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेल सकते हैं. 2013 से मुंबई इंडियंस के साथ बुमराह

जसप्रीत बुमराह साल 2013 से ही मुंबई के पेस अटैक की ताकत बने हैं. तब से अब तक वो मुंबई इंडियंस के लिए 133 मैच खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 165 विकेट अपने नाम किए हैं. बुमराह बैक इंजरी के चलते आईपीएल 2023 में नहीं खेल सके थे.

आर्चर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पहली गेंद पर विकेट का राज खोला, मुझे उम्मीद नहीं थी...

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स पर राजस्थान रॉयल्स की 50 रनों की जीत की नींव रखने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने कहा कि दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर विकेट मिलना टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाने और मैदान पर मौजूद सभी खिलाड़ियों में ऊर्जा भरने में अहम भूमिका निभा सकता है। सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैचों में आर्चर ने बिना विकेट लिए क्रमशः 76 और 33 रन दिए।

लेकिन आर्चर ने गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स पर राजस्थान की जीत में 1-13 के स्पेल से खुद को साबित किया। शनिवार को मुलनपुर में आर्चर ने अपने बेहतरीन खेल का परिचय देते हुए प्रियांश आर्य और श्रेयस अय्यर को पहले ओवर में 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलता किया और फिर अर्शदीप सिंह को आउट करके राजस्थान को पंजाब के खिलाफ 3-25 के प्रभावशाली स्पेल से जीत दिलाई। आर्चर ने कहा, मैंने सोचा कि अगर मैं खिलाड़ियों को अच्छी शुरुआत दे सकता हूं, तो दूसरे छोर से गेंदबाज भी यही करेगा और उम्मीद है कि दबाव उन पर बना रहेगा। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि गेंद को थोड़ा और स्विंग करना चाहिए था। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह इतना स्विंग नहीं करेगी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैं पहली गेंद पर विकेट लेने में सफल रहा और लय सेट कर पाया। इससे सभी को ऊर्जा मिली और मुझे खुशी है कि अंत में हमें जीत मिली।

राजस्थान रॉयल्स की सलामी जोड़ी अद्भुतः माइकल क्लार्क

मुबंई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और टीवी कमेंटेटर माइकल क्लार्क ने टाटा आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन की जोड़ी अदभुद है और यह किसी भी मैच में पासा पलटने की कुव्वत रखती है। कुहल फैन्स मैच सेंटर लाइव ऑन जियोहॉटस्टार पर क्लार्क ने कहा, 'जायसवाल ने आज शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह पहले के मैचों की तुलना में शुरुआत में थोड़ा ज़्यादा सतर्क थे। कुछ अच्छे शॉट्स ने उसे आत्मविश्वास दिया और वहीं से गति पकड़ी। अगर आप उसके वैगन व्हील को देखें, तो वह पार्क के चारों ओर शॉट मारता है। उसे लेग साइड पसंद है, लेकिन कीपर के ऊपर से ऊपर की ओर शॉट मारना और उसका कवर ड्राइव उसके पास सभी शॉट हैं। अगर वह खुद को बस कुछ गेंदें दे, यहां तक कि पहले ओवर में ज़मीन पर हिट करने की कोशिश करे, तो वह बहुत विनाशकारी हो सकता है। उन्होने

कहा, 'राजस्थान रॉयल्स एक अलग टीम है जब उनका ओपनिंग कॉम्बिनेशन आग उगलता है। वे बहुत शक्तिशाली हैं। रियान पराग के बारे में संजय मांजरेकर ने कहा, 'मुझे वाकई लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के लिए रियान पराग की पारी और भी महत्वपूर्ण थी। हां, जायसवाल ने उन्हें अच्छी शुरुआत दी, लेकिन वह 14वें ओवर में आउट हो गए। उसके बाद, पराग ने अपना समय लिया और मुझे थोड़ी चिंता हुई कि शायद वह बहुत धीमी गति से खेल रहे हैं, लेकिन फिर उन्होंने धमाका कर दिया। अब वह जानते हैं और भरोसा करते हैं कि वह धीमी शुरुआत की भरपाई कर सकते हैं।

75 मैच में 1 बार चलते हैं, 156 के स्ट्राइक रेट वाले पंजाब किंग्स के खिलाड़ी पर संजय मांजरेकर ने साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खराब प्रदर्शन कर रहे पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में 156 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट वाला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैली धूमकेतु की तरह है। वह 75 में से एक मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है। मांजरेकर ने मैक्सवेल के फॉर्म को लेकर यह बात तब कही जब 36 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार (6 अप्रैल) को मुल्लांपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब को संकट से उबारने में असफल रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सातवें ओवर में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे मैक्सवेल बाउंड्री लगाने के लिए संघर्ष करते रहे और 21 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, हैली धूमकेतु सूर्य की परिक्रमा करता है और पृथ्वी से हर 75 साल में एक बार दिखाई देता है। ठीक उसी तरह ग्लेन मैक्सवेल 75 में से एक मैच में अच्छा खेलते हैं। इसे आखिरी बार 1986 में देखा गया था और अब इसे 2061

में देखा जाएगा। बल्लेबाजी में मैक्सवेल के साथ भी यही स्थिति है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं चले

मैक्सवेल इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ शून्य पर आउट हो गए थे। अगर उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू के फैसले को रिव्यू करने का विकल्प चुना होता तो बच जाते। मैक्सवेल के फॉर्म में गिरावट चैंपियंस ट्रॉफी में देखने को मिली थी। ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में भारत से हारकर बाहर हो गया था। उन्होंने तीन मैचों में केवल 39 रन बनाए थे।

पीएसजी ने 13वीं बार लीग-1 का खिताब जीता; ला लिगा में रियल मैड्रिड हारा

लंदन, एजेंसी। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार एंजर्स को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही उसने छह मैच शेष रहते हुए ही फ्रांसीसी फुटबॉल लीग, जिसे लीग-1 भी कहा जाता है, उसका खिताब अपने नाम किया। पीएसजी का यह लीग-1 में 13वां खिताब है और इस तरह से उसने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। वहीं, विनीसियस जूनियर पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए और इस वजह से रियाल मैड्रिड को स्पैनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अपने घरेलू मैदान पर वालेंसिया के हाथों 2-1 से

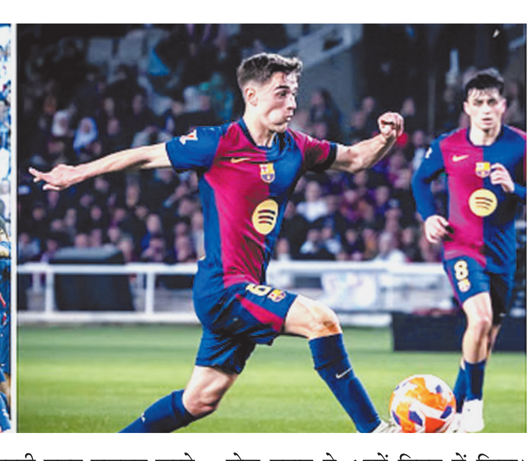

हार का सामना करना पड़ा। वहीं, रियल मैड्रिड की चिर प्रतिद्वंद्वी टीम बार्सिलोना को रियल बेटिस ने 1-1 की बराबरी पर रोक दिया।

बार्सिलोना और रियल मैड्रिड को मिली हार

बार्सिलोना के पास ला लिगा की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत करने का सुनहरा मौका था, लेकिन लामिने यमाल और कुछ खिलाड़ियों द्वारा गोल का मौका चूकने की वजह से टीम जीत नहीं हासिल कर सकी। बार्सिलोना के लिए एकमात्र गोल गावी ने सातवें मिनट में दागा, जबकि बेटिस के लिए गोल नतान ने 17वें मिनट में किया। इसके बाद कोई गोल नहीं हो सका। वहीं, इससे पहले वालेंसिया ने शानदार खेल दिखाते हुए रियल मैड्रिड को हरा दिया। वालेंसिया के गोलकीपर जियोर्गी ममार्दशविली ने विनीसियस को शुरू में मिली पेनल्टी पर गोल नहीं करने दिया। इसके बाद 17वें मिनट में मोक्टार डायखाबी ने वालेंसिया को आगे कर दिया। विनीसियस ने 50वें मिनट में बराबरी का गोल किया। हालांकि, इंजरी टाइम यानी 90+5वें मिनट में ह्यूगो डूरो ने गोल दाग रियल मैड्रिड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच के ड्रॉ छूटने से बार्सिलोना के 30 मैच में 67 अंक हो गए हैं और उसने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर चार अंक की बढ़त हासिल कर ली है। रियाल मैड्रिड के 30 मैच में 63 अंक हैं। प्रतियोगिता में अभी आठ दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

पीएसजी की जीत है खास

पीएसजी की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि उसने चैंपियन बनने की राह तक एक भी मैच नहीं गंवाया। ट्रॉफी अपने नाम पर सुरक्षित करने के लिए उसको एंजर्स के खिलाफ केवल ड्रॉ की जरूरत थी, लेकिन युवा स्ट्राइकर डेसिरे डौए के गोल की मदद से उसने जीत के साथ जश्न मनाया। मैच समाप्त होने के बाद पीएसजी के खिलाड़ियों ने कोच लुई एनरिक को कंधे पर उठा लिया। पीएसजी की यह 28 मैच में 23वीं जीत है और उसने दूसरे स्थान पर काबिज मोनाको पर 24 अंक की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। पीएसजी के 74 और मोनाको के 50 अंक हैं। मोनाको को एक अन्य मैच में ब्रेस्ट ने 2-1 से हराया। पीएसजी ने अपने अभियान में अभी तक 80 गोल किए हैं, जबकि उसने केवल 26 गोल खाए हैं।

सिनर बोले-डोपिंग मामले में मेरे फिजियो की गलती

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड नंबर 1 इटालियन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर पर डोपिंग के चलते वर्ल्ड एंटी डोपिंग एसोसिएशन (वाडा) ने हाल ही में बैन लगाया था। पिछले साल उनके 2 डोपिंग टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उनपर इस साल 9 फरवरी से 4 मई तक का बैन लगाया गया था। दरअसल, मार्च 2024 में हुए इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के दौरान उनके शरीर में एक क्लोस्टेबोल नामक प्रतिबंधित पदार्थ पाया गया। यह पदार्थ उनके शरीर में एक स्प्रे के माध्यम से गया था। शनिवार को सिनर ने बैन के बाद स्काई स्पोर्ट्स को अपना पहला इंटरव्यू दिया। जिसमें उन्होंने कहा,

यह मेरे फिजियोथेरेपिस्ट की गलती थी- सिनर : इंटरव्यू में सिनर ने कहा, यह पदार्थ मेरे फिजियोथेरेपिस्ट के स्प्रे के जरिए गलती से मेरे शरीर में आया था। इस स्प्रे को उनके फिजियो ने सिनर के एक कट को ठीक करने के लिए इस्तेमाल किया था। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान वे दस्ताने पहनना भूल गए। जिसकी वजह से यह पदार्थ सिनर के शरीर में चला गया। हालांकि इस घटना के बाद सिनर ने उस फिजियोथेरेपिस्ट को हटा दिया था।

लगातार दूसरी बार जीता था ऑस्ट्रेलियन ओपनः जैनिक सिनर ने इस साल जनवरी में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। इसी के साथ उन्होंने अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया। वो 2006 में फ्रेंच ओपन में राफेल नडाल के बाद अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब बरकरार रखने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

संजू सैमसन ने शेन वॉर्न को पीछे छोड़ा, आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के सबसे सफल कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स पर 50 रन की शानदार जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन फ्रेंचाइजी के सबसे सफल कप्तान बन गए हैं। मुल्लानपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सैमसन ने कप्तान के तौर पर 32वीं जीत दर्ज की करते हुए दिग्गज शेन वॉर्न की 31 जीत को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल के पहले सीजन 2008 में राजस्थान को खिताब दिलाने वाले वॉर्न ने 55 मैचों में 31 जीत दर्ज की थीं। सैमसन ने अब 62 मैचों में 32 जीत दर्ज की हैं जिससे रॉयल्स के सबसे सफल कप्तान के तौर पर उनकी विरासत मजबूत हुई है।

मैच की बात करें तो घरेलू मैदान पर पहला मुकाबला खेलने उतरी पंजाब किंग्स को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शर्मनाक

हार (50 रन) झेलनी पड़ी है। मुल्लांपुर के स्टेडियम में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। राजस्थान ने जायसवाल के अर्धशतक और रियान पराग के महत्वपूर्ण रनों की बदौलत पहले खेलते हुए 4 विकट खोकर 205 रन बना लिए। जवाब में खेलने उतरी पंजाब टीम ने 43 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। नेहल वडेहरा और मैक्सवेल ने कुछ रन बनाए लेकिन यह जीत (155-9 रन) के लिए काफी नहीं थे। पंजाब की यह सीजन में पहली हार भी है। इससे पहले खेले गए दो मुकाबलों में उन्होंने गुजरात टाइटंस को 11 रन से तो लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया था। वहीं, राजस्थान की चार मैचों में दूसरी जीत है। उन्होंने हैदराबाद और कोलकाता के खिलाफ पहले दो मुकाबले गंवा दिए थे।

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के तौर पर आईपीएल में सबसे ज़्यादा जीत

32 - संजू सैमसन (62 मैच)
31 - शेन वॉर्न (55 मैच)
18 - राहुल द्रविड़ (34 मैच)
15 - स्टीवन स्मिथ (27 मैच)
9 - अजिंक्य रहाणे (24 मैच)

आईपीएल कप्तान के तौर पर सबसे ज़्यादा लगातार जीत

10 - गौतम गंभीर (2014-15)
8 - शेन वॉर्न (2008)
8 - श्रेयस अय्यर (2024-25)
7 - एमएस धोनी (2013)

संक्षिप्त समाचार

अफेयर का शक में सरेआम सड़क पर पत्नी को चाकुओं से गोदकर मार डाला

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अफेयर के शक में सरेआम सड़क पर ही पत्नी की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने पत्नी को चाकू से गोद डाला। घटना शुक्रवार की है। बागेपल्ली का रहने वाला कृष्णप्पा उर्फ कृष्णा को आसपास के लोगों ने पकड़ लिया और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक रात के करीब 8 बजे शारदा काम करके घर वापस लौट रही थी। कृष्णप्पा ने पहले ही उसकी हत्या का प्लान बना रखा था। वह दो नए चाकू खरीदकर लाया था और घर से थोड़ी दूर सड़क किनारे शारदा के लौटने का इंतजार कर रहा था। इसके बाद उनसे चाकू से गर्दन पर वार करना शुरू कर दिया। शारदा ने भागने की कोशिश लेकिन कृष्णप्पा ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर कृष्णप्पा को पकड़ा। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बताया गया कि कृष्णप्पा दिहाड़ी मजदूरी करता था। कृष्णप्पा की शादी को 17 साल हो गए थे और उनके दो बच्चे हैं। एक की उम्र 15 साल और दूसरे की 12 साल है। पुलिस ने बताया कि कृष्णप्पा को शारदा पर शक रहता था। उसे लगता था कि शारदा का किसी के साथ अफेयर चल रहा है। चार साल से वे दोनों अलग ही रहते थे। उनका बेटा कृष्णप्पा के साथ बागेपल्ली में रहता था। वहीं बेटी अपनी मां शारदा के साथ रहती थी। मामले के जानकार लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले ही दोनों की बहस हुई थी। कृष्णप्पा को शक था कि शारदा जहां काम करती है वहीं किसी के साथ अफेयर है। इसको लेकर कई बार उनके बीच बहस और मारपीट हुई थी। इसके बाद ही शारदा अलग रहने लगी थी।

भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस दुर्घटना, एक की मौत, 15 से अधिक घायल

भुवनेश्वर, एजेंसी। भुवनेश्वर-पुरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें बांग्लादेशी तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस सीआईएफए के पास पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को तुरंत भुवनेश्वर के कैपिटल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बस में 65 से अधिक बांग्लादेशी तीर्थयात्री सवार थे, जो पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रहे थे। ये तीर्थयात्री बांग्लादेश के चटगांव जिले से आए थे और धार्मिक यात्रा पर थे। उनकी योजना पुरी के बाद वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर जाने की थी। समूह दो बसों में यात्रा कर रहा था, जिसमें कुल 125 लोग शामिल थे। इससे पहले वे अयोध्या और द्वारका के दर्शन कर चुके थे। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा तब हुआ जब दूसरी बस का चालक कथित तौर पर गाड़ी चलाते समय सो गया। अनियंत्रित बस सड़क से हटकर साइफन के पास खाई में जा गिरी। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग वाहन के अंदर फंस गए।

किरीट सोमैया ने 72 मस्जिदों पर अवैध लाउडस्पीकर को लेकर दर्ज कराई शिकायत

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने मुंबई के गोवंडी इलाके में 72 मस्जिदों पर अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सोमैया ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए कहा कि इन लाउडस्पीकरों को बिना किसी वैधानिक अनुमति के लगाया गया है, जो नियमों का उल्लंघन है। उनकी शिकायत के बाद पुलिस अगले 72 घंटों में कार्रवाई शुरू करेगी। किरीट सोमैया ने शनिवार को शिवाजी नगर-गोवंडी क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह कदम उठाया। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। गोवंडी में 72 मस्जिदों पर अनाधिकृत लाउडस्पीकर लगाए गए हैं, जो बिना पुलिस की मंजूरी के हैं। मैंने अधिकारियों से इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह समस्या केवल गोवंडी तक सीमित नहीं है, बल्कि मुंबई के कई अन्य इलाकों में भी ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है। सोमैया ने इससे पहले भी कई बार इस तरह की शिकायतें दर्ज की हैं और प्रशासन से सख्त कदम उठाने की अपील की है। पिछले कई महीनों से किरीट सोमैया इस मुद्दे को लेकर सक्रिय हैं।

नक्सली भाई कैसे हो सकते हैं? भूपेश बघेल ने गृह मंत्री अमित शाह से क्यों कहा- माफी मांगिए

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि आज मैं मां दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेकर आया हूं कि अगले चैत्र नवरात्रि तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए और हमारा बस्तर खुशहाल हो जाए। पीटीआई-भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री शाह ने आगे कहा कि %वह जमाना चला गया जब यहां पर गोलियां चलती थी बम धमाके होते थे। मैं उन सभी नक्सली भाइयों से अनुरोध करता हूं, जिनके हाथ में हथियार हैं और जिनके पास नहीं भी हैं, वे हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों। आप हमारे अपने लोग हैं। कोई भी नक्सली मारा जाता है किसी को आनंद नहीं होता है।% अब केंद्रीय गृह मंत्री के इस बयान को लेकर कांग्रेस के कद्दावर नेता भूपेश बघेल ने उन पर हमला बोला है।

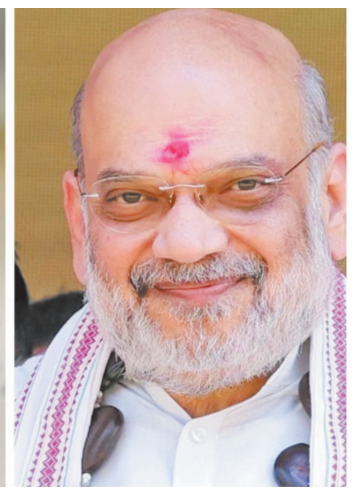

भूपेश बघेल ने एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा- माननीय गृहमंत्री जी! जिन्होंने हथियार उठा रखे हैं, वो %नक्सली% भाई कैसे हो सकते हैं? अनगिनत लोगों का खून बहाने वाले, हमारे जवानों को शहीद करने वाले कायरों को आपके द्वारा %भाई% कहना हमारे वीर जवानों का, छत्तीसगढ़ के लोगों का और देश का अपमान है। %नक्सली% और %भाई% दोनों एक साथ नहीं हो सकते। जब तक लोकतंत्र, संविधान में आस्था नहीं है, हाथों में हथियार हैं, वो सिर्फ नक्सली हैं। सरेंडर करने से पहले कोई भी %नक्सली% भाई नहीं हो सकता है। आपको अपने इस बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

भूपेश बघेल ने एक अन्य पोस्ट में एक वीडियो पोस्ट कर केंद्रीय गृह मंत्री के एक और बयान को लेकर हमला बोला। इस वीडियो में केंद्रीय गृह मंत्री यह कहते नजर आ रहे हैं कि मैं पहले भी यहां सभाएं करने आया हूं। मुख्यमंत्री कहते थे कि आप मत जाइए। आज धड़ल्ले के साथ 50 हजार आदिवासी भाई बहनों के सामने रामनवमी और अष्टमी का उत्सव हम मना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री के इस कथित बयान पर भी भूपेश बघेल ने हमला बोला। उन्होंने एक्स पर अपने एक अन्य पोस्ट में कहा- आदरणीय गृहमंत्री जी, यह आप किस मुख्यमंत्री की बात कर रहे हैं? ऐसे हवा में कुछ भी उछाल कर मत निकलिएगा, नाम बताना चाहिए।

भूपेश बघेल ने आगे कहा- यदि रमन सिंह जी आपसे ऐसा कहते थे तो इस बात को आप स्वीकार कर ही रहे हैं कि डेढ़ दशक में भाजपा सरकार के दौरान छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद फला-फूला है। हमारी सरकार में ही नक्सलवाद पर हमला शुरू हुआ था क्योंकि कांग्रेस सरकार के समय तो आपके बस्तर दौरे हो रहे थे। हमारी सरकार ने आपसे कभी जाने के लिए तो मना ही नहीं किया। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दंतेवाड़ा में राज्य सरकार की ओर से आयोजित 'बस्तर पंडुम' महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया। इससे पहले अमित शाह दंतेवाड़ा में मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे और वहां पूजा-पाठ की।

मनमाना रवैया, गाजियाबाद में दाखिले के एवज में 20 हजार तक का बिल थमा रहे स्कूल

गाजियाबाद एजेंसी। आरटीई दाखिलों की एवज में जिले के निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक परेशान हैं। आरोप है कि स्कूल दाखिले के बदले पांच हजार से लेकर 20 हजार तक की फीस मांग रहे हैं। भुगतान नहीं करने पर दाखिले से इनकार तक करने की बात कह रहे हैं। अभिभावक को स्कूल से ही कॉपी-किताब और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। वहीं कई स्कूल बैंक स्टेटमेंट मांगने के साथ घरों का सर्वे भी करा रहे हैं। जिले में इस बार सत्र 205-26 के लिए चार चरणों में कुल 6306 बच्चों को चयन हुआ है। दिसंबर से प्रक्रिया शुरू करने का मकसद बच्चों को सत्र से पहले दाखिला दिलाना था, लेकिन पहले चरण से ही स्कूल कभी सीट नहीं होने तो कभी नए सत्र में स्कूल खुलने पर दाखिला देने की बात कहकर अभिभावकों को परेशान करते आ रहे हैं। अब सत्र शुरू हुआ तो स्कूलों ने दाखिले के बदले फीस की मांग करनी शुरू कर दी है।

अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल बच्चों के दाखिले के बदले पांच हजार से लेकर 20 हजार रुपये तक की मांग कर रहे हैं, जिसमें फीस, यूनिफॉर्म, कोर्स और तरह-तरह का चार्ज जोड़ा हुआ है। स्थानीय निवासी कुलदीप कुमार ने बताया कि उनके बेटे का मोदीनगर के एक स्कूल में नर्सरी के लिए चयन हुआ है। किताब, यूनिफॉर्म और एग्जाम फीस के नाम पर 15 हजार रुपये की पर्ची दी है। शिक्षा विभाग में भी इसकी शिकायत की है। स्थानीय निवासी अंशुल का कहना है कि उनकी बेटी का चयन विजय नगर के एक स्कूल में हुआ है। अब वह दूसरी कक्षा में आई है। पिछले साल भी पांच हजार रुपये जमा किए थे। अब अलग-अलग चार्ज जोड़कर 21 हजार का बिल थमा दिया है।

24 मार्च को हुए चौथे चरण के ड्रॉ में 544 बच्चों का चयन किया गया है। 27 मार्च तक इन्हें ऑफर लेटर मिलने थे, लेकिन ड्रॉ के 12 दिन बीतने के बाद भी बच्चों को ऑफर लेटर नहीं मिल सके हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का कहना है कि अगले सप्ताह से बच्चों को ऑफर लेटर का वितरण शुरू हो जाएगा। चारों चरणों में कुल 6306 बच्चे चयनित हुए हैं, इनमें से 100 का भी दाखिला नहीं हुआ है।

गुरुग्राम में खुलेंगी 25 अटल कैंटीन

गरीबों को कम रेट पर मिलेगा पौष्टिक खाना

गुरुग्राम एजेंसी।
गुरुग्राम जिले के औद्योगिक क्षेत्र में 25 नई अटल श्रमिक कैंटीन शुरू की जाएगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) की ओर से सभी औद्योगिक क्षेत्रों में सब्सिडी वाली खाद्य कैंटीन स्थापित की जाएंगी।

इन कैंटीनों का बुनियादी ढांचा सीएसआर से विकसित किया जाएगा। जिसके लिए एचएसआईआईडीसी की ओर से जमीन की तलाश शुरू कर दी गई है। इससे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन मिल सके। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के अनुसार उद्योग विहार के छह फेज, मानेसर, सेक्टर-18, सेक्टर-37 में अपने सभी इंडस्ट्रियल एस्टेटों में कैंटीन स्थापित करने के लिए जमीन चिह्नित करने का काम शुरू कर दिया गया है।

सरकार की ओर से प्रस्ताव दिया गया कि इन कैंटीनों के लिए बुनियादी ढांचे को कंपनियों की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से विकसित किया जाए। कई बड़ी कंपनियों ने इस पहल में योगदान देने में रुचि दिखाई है। जिले में विभिन्न स्थानों पर सब्सिडी वाले खाद्य कैंटीन संचालित हो रहे हैं। इनमें श्रम विभाग की ओर से छह मोबाइल कैंटीन पिछले साल शुरू किए गए थे। इन कैंटीनों का प्रबंधन महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलता है। अब जो कैंटीन शुरू किया जाएगा। उसमें भी महिला समूहों की भागीदारी अधिक रहेगी। जिले के उद्योग संगठन काफी समय से कैंटीन खोलने की मांग करते आ रहे हैं। गुड़गांव उद्योग एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार देर से ही सही कदम श्रमिकों के लिए उठाया गया है। प्रवीण ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है कि सुबह से लेकर शाम तक खाने के लिए श्रमिकों को परेशान होना पड़ता है, क्योंकि रेहड़ी पर खाना महंगा होने के कारण श्रमिक खाने में परहेज करते हैं। उद्योग क्षेत्रफल के हिसाब से कैंटीनों की संख्या कम है। इसकी संख्या बढ़ाया जाए। अब अगर ये कैंटीन शुरू होती है तो इससे औद्योगिक क्षेत्रों में न सिर्फ मजदूरों और कारीगरों को बल्कि गरीब लोगों को भी सस्ता खाना उपलब्ध होगा। एचएसआईआईडीसी के डीजीएम अरुण गर्ग का कहना है कि इन नई अटल श्रमिक कैंटीनों को खोलने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन की तलाश की जाएगी। जमीन मिलने के बाद कैंटीनों का बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए कंपनियों से बातचीत होगी। उम्मीद है की स्वतंत्रता दिवस के मौके पर इन नई कैंटीन को औद्योगिक क्षेत्रों में शुरू किया जा सकता है। जिले में अंत्योदय आहार योजना के तहत 31 कैंटीन खोलने की परियोजना का विस्तार करते हुए अभी छह कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। इसमें राजीव चौक, सेक्टर-5, वजीराबाद, सेक्टर-9ए ईएसआई अस्पताल और उद्योग विहार एरिया में शामिल है। खांडसा रोड पर स्थायी भवन में चलता है।

न्यूनतम किराया अब 5 से बढ़कर 10 रुपये

शिमला, एजेंसी।
आर्थिक संकट से जूझ रही हिमाचल प्रदेश सरकार ने आम जनता पर एक और बोझ डालते हुए सूबे की बसों का न्यूनतम किराया बढ़ा दिया है। अब बसों में न्यूनतम किराया 5 रुपये से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया गया है। यह निर्णय शनिवार को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद जानकारी देते हुए उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि पिछले लंबे समय से बस किराया बढ़ाने की मांग बस ऑपरेटर कर रहे थे। हालांकि एक बात की राहत है। इस बार केवल न्यूनतम किराया ही बढ़ाया गया है, बाकी किराया दरें यथावत रहेंगी। मंत्री ने कहा कि पिछले कई वर्षों से बस किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। यात्रियों से न्यूनतम 5 रुपये किराया लिया जा रहा था, जिसे अब बढ़ाकर 10 रुपये किया गया है। इस फैसले

से छोटे रास्तों पर सफर करने वाले यात्रियों पर सीधा असर पड़ेगा, जो पहले 5 रुपये में यात्रा कर लेते थे। सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के इस निर्णय से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कम दूरी तय के लिए सफर करने वाले दैनिक बस यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। यह बढ़ा हुआ न्यूनतम किराया आगामी दिनों में लागू कर दिया जाएगा, जिसकी अधिसूचना परिवहन विभाग द्वारा जल्द ही जारी की जाएगी। अब चार किलोमीटर तक की दूरी तय करने वाले यात्रियों को पांच रुपये की बजाय दस रुपये चुकाने होंगे। यह बदलाव खासकर उन लोगों की जेब पर सीधा असर डालेगा, जो रोजाना कम दूरी का सफर तय करते हैं, जैसे स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र, कामकाजी लोग और ग्रामीण क्षेत्रों के लोग। यह निर्णय निजी बस ऑपरेटरों के दबाव और सरकारी बस सेवा एचआरटीसी (हिमाचल पथ परिवहन निगम) की खराब आर्थिक स्थिति के चलते लिया गया है। निजी बस ऑपरेटर लंबे समय से न्यूनतम बस किराया पांच रुपये से बढ़ाकर 15 रुपये करने की मांग कर रहे थे। उनका तर्क है कि हिमाचल प्रदेश में जहां एक ओर सामान्य किराया देश में सबसे ज्यादा है।

वहीं न्यूनतम किराया देश में सबसे कम है, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदेश सरकार ने फिलहाल किराया दोगुना कर इसे 10 रुपये किया है।

नोएडा में बनेगा मोबिलिटी कॉरिडोर, सेक्टर-62 से मामूरा तक खत्म होगा जाम

नोएडा एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से सेक्टर-60 मामूरा तक मोबिलिटी कॉरिडोर बनाने के लिए अगले सप्ताह दोबारा टेंडर जारी होगा। इस कॉरिडोर के जरिये जाम से राहत मिलेगी। पिछले टेंडर में किसी एजेंसी का चयन नहीं हो सका था, क्योंकि एजेंसियां मानकों को पूरा नहीं कर सकी थीं।

मोबिलिटी कॉरिडोर योजना के तहत दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से लगे सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर से मामूरा तक यातायात व्यवस्था बेहतर करने, सौंदर्यीकरण समेत अन्य काम किए जाने हैं। अधिकारियों ने बताया कि मॉडल टाउन गोलचक्कर से मामूरा तक करीब 2.9 किलोमीटर लंबी सड़क बनी है। इस सड़क पर आने-जाने वाले दोनों रास्तों पर सुबह-शाम लंबे जाम में फंसना पड़ता है। इसको देखते हुए नोएडा विकास प्राधिकरण ने मार्ग का कई निरीक्षण और सर्वेक्षण के बाद मॉडल मोबिलिटी कॉरिडोर बनाने की योजना तैयार करवाई है।

अधिकारियों का कहना है कि इस योजना के तहत रोड इंजीनियरिंग के जरिये लंबी दूरी और कम दूरी वाले ट्रैफिक को भी बांटने का प्रयास किया जाएगा। इससे कम दूरी वाला ट्रैफिक सर्विस रोड से निकाला जाएगा, जिससे मुख्य सड़क पर वाहनों का दबाव कम होगा। ऐसे में जो वाहन कम दूरी के होंगे वह मुख्य सड़क पर जाने के बजाय बाएं मुड़कर सर्विस रोड से आसानी से गुजरेंगे। कॉरिडोर की योजना के तहत जाम में कमी लाने, सड़क सुरक्षा और सौंदर्यीकरण से जुड़े काम किए जाएंगे। टेंडर में एजेंसी का चयन होने के बाद उसे छह महीने में काम पूरा करना होगा।

कोटा में छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, 11वीं में पढ़ाई के साथ नीट की कर रही थी तैयारी

कोटा, एजेंसी। कोटा में कोचिंग छात्रों के आत्महत्या करने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को एक और छात्रा ने मानसिक तनाव के चलते सुसाइड कर लिया। मृतका छात्रा प्रतिष्ठा महावर प्रगति नगर इलाके में अपने परिवार के साथ रहती थी। घटना के दौरान छात्रा की मां और बहन घर पर नहीं थे। पुलिस ने मृतका के लाश का पोस्टमार्टम करा कर उसकी डेड बॉडी परिजनों को सौंप दी है। बोरखेड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बोरखेड़ा थाने के एएसआई मोहम्मद हुसैन ने बताया कि उनको सूचना मिली कि इलाके में एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के दौरान छात्रा की बड़ी बहन ने लिखित रिपोर्ट में बताया कि वह लाइब्रेरी पढ़ाई करने के लिए गई थी। उसकी मां दूध लेने के लिए गई थी। इस दौरान छात्रा प्रतिष्ठा घर पर अकेली थी। इसी बीच उसने फांसी लगाकर जान दे दी। छात्रा 11वी कक्षा में पढ़ाई के साथ-साथ घर पर ही रहकर नीट की तैयारी भी कर रही थी। छात्रा के सुसाइड के पीछे मानसिक तनाव सामने आया है। परिजनों से उसके मानसिक तनाव को लेकर भी पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि कोटा में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए लाखों स्टूडेंट्स आते हैं। विगत कुछ वर्षों से छात्रों में मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या की घटनाएं देखी जा रही हैं। साल 2025 की बात की जाए तो जनवरी से अब तक 11 छात्रों ने मानसिक तनाव के चलते सुसाइड जैसा घातक कदम उठाया है।

फरीदाबाद में खौफनाक वारदात, शोर मचाने पर टोका तो कुल्हाड़ी लेकर टूट पड़े

फरीदाबाद एजेंसी।
फरीदाबाद में एक खौफनाक वारदात सामने आया है। घर के बाहर गाली-गलौज करने और शोर मचाने से मना करने पर एक परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया गया। इस घटना में परिवार के 5 लोग घायल हो गए, जिनमें एक महिला भी शामिल है। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

फरीदाबाद के भारत कॉलोनी में शुक्रवार रात करीब पौने दस बजे गाली-गलौज और शोर करने से रोकने पर पड़ोसियों ने एक परिवार जानलेवा हमला कर दिया। करीब 20 मिनट तक कुल्हाड़ी और लाठी-डंडे बरसाए। इसमें पीड़ित परिवार की महिला समेत पांच लोग घायल हो गए। उन्हें नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो वायरल हो रही है।

जानकारी के अनुसार, घायलों की पहचान भारत कॉलोनी निवासी निशिकांत चौहान, उनकी पत्नी सविता, बेटा वंश, हितेश और साला रघुराज के रूप में हुई है। निशिकांत चौहान एक कंपनी में काम करते हैं। उनका साला रघुराज भी साथ ही काम करता है और वह भूपानी गांव में रहता है। दोनों एक साथ कंपनी में जाते हैं। दोनों शुक्रवार रात करीब पौने दस बजे ड्यूटी से अपने घर लौटे। इस दौरान उन्होंने देखा कि उनके घर के सामने एक पड़ोसी किसी के साथ तेज आवाज में

कहासुनी कर रहा है और अपशब्द बोल रहा है। निशिकांत ने पड़ोसी को अपशब्द बोलने से मना किया और कहा कि वह उनके घर के सामने शोर-शराबा न करें। इससे नाराज पड़ोसी अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लाठी-डंडे, कुल्हाड़ी आदि लेकर निशिकांत व रघुराज पर हमला कर दिया। शोर सुनकर निशिकांत की पत्नी सविता चौहान, बेटा वंश व हितेश भी आ गए। सभी बीच-बचाव करने लगे। आरोपी उनपर भी टूट पड़े। आरोप है कि पड़ोसियों ने करीब 20 मिनट तक उनके साथ मारपीट और पीड़ित परिवार को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया, जहां सभी का इलाज चर रहा है। उधर, आरोपियों की यह हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो शनिवार से वायरल हो रही है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में खेड़ीपुल थाना में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की पहचान देवा, शुभम, शिवम, गोपाल आदि के रूप में हुई है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

बताया जा रहा है कि आरोपी आपराधिक प्रवृति के हैं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी नशा तस्करी आदि में भी संलिप्त रहते हैं। शुक्रवार रात आरोपियों द्वारा की जा रही मारपीट के दौरान अन्य लोगों को बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं हुई। आरोपियों के तेवर देखकर पूरे क्षेत्र में डर का माहौल बन गया। वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि आरोपी कुल्हाड़ी लेकर महिला समेत अन्य पर वार कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मनोचिकित्सक का कहना है कि काम के दबाव में और बदल रहे खान पान से लोगों में उग्रता बढ़ रही है। कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें लोग किसी न किसी रूप से तनाव में रह रहे हैं और उनका गुस्सैल स्वभाव बन रहा है। वह छोटी-छोटी बात पर मारपीट करने पर उतारू हो जा रहे हैं, उस समय वह यह नहीं सोचते की आगे क्या होगा। इसका एक कारण नशा करना भी है। लोगों को खानपान में बदलाव करना चाहिए।

गुरुग्राम और पिंजौर में बनेगी फिल्म सिटी, सीएम नायब सिंह सैनी का ऐलान

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि पिंजौर और गुरुग्राम में फिल्म सिटी बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केन्द्र) और महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दूरदर्शन पर हफ्ते में एक बार हरियाणवी फिल्म का प्रदर्शन करने के संबंध में प्रसार भारती के साथ बातचीत किया जाएगा। यही नहीं दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को हरियाणा के हर विश्वविद्यालय में फिल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा। सीएम नायब सिंह सैनी ने सिंगल स्क्रीन सिनेमा को पुनर्जीवित करने की मांग पर कहा कि हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रोमोशन बोर्ड बनाया हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि यह बोर्ड कला एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के साथ मिलकर इस दिशा में नीति निर्धारण का काम करेगा। फिल्म सब्सिडी के संबंध में सरकार की नीति के अनुसार, आगामी 30 दिनों में लंबित पड़े सभी पांच आवेदनों की सब्सिडी का भुगतान कर दिया जाएगा। सब्सिडी के लिए नए आवेदन भी मांगे जाएंगे। सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन और जन जागरण का भी सशक्त माध्यम है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

देश में छात्रों, बेरोजगारों और पीड़ितों की आवाज सबसे पहले राहुल गांधी उठाते हैं: वरुण चौधरी

बेगूसराय, एजेंसी। कांग्रेस के छात्र विंग एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा है कि मैं दावे के साथ कर सकता हूं कि देश में छात्रों, बेरोजगारों और पीड़ितों की आवाज सबसे पहले कोई उठाता है तो वह राहुल गांधी है। राहुल गांधी न केवल इन लोगों की आवाज उठाते हैं, बल्कि उसे संसद तक पहुंचाते हैं। लेकिन सरकार इतनी अन डेमोक्रेटिक हो गई है कि सुनती नहीं है। सरकार अंधी और बहरी हो गई है।

उन्होंने यह बातें एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी और जेएनयू के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार की पलायन रोको-नौकरी दो पदयात्रा के साथ रात में बेगूसराय पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए कही। वरुण चौधरी ने कहा कि देश में छात्रों की हालत बदतर है, पूरे दुनिया में सबसे युवा देश भारत है। केंद्र की सरकार और बिहार की राज्य सरकार अपने आप में मगन है, पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही है। बिहार की बात करें तो पूरे हिंदुस्तान में जो 15 बेस्ट डॉक्टर होंगे, उसमें 10 बिहार के होंगे। देश 10 सबसे अच्छे अधिकारी होंगे उसमें सबसे बेहतर 5 बिहार के होंगे। बिहार का अपना एक टैलेंट है, लेकिन बिहार की सरकार अपने टैलेंट को खराब कर रही है। अभी बीपीएससी का मुद्दा हुआ, सभी पेपर लीक की घटना आ रही है। सरकार इन मुद्दों और पेपर लीक से मुक्ति दिलाने के बदले पेपर लीक में सरकार खुद शामिल है, माफिया को संरक्षण दे रही है।

पलायन कर रहे हैं छात्र और नौजवान

उन्होंने कहा कि बेरोजगारों की हालात बिहार में बदतर है। बिहार के युवा, छात्र, महिलाएं और बेटियां बिहार छोड़ने के लिए मजबूर हैं। वह देश के विभिन्न शहरों में पलायन कर रहे हैं। पदयात्रा के दौरान 12वीं पास छात्रा मिली, मैंने पूछा क्या बनना चाहती हो तो उसने कहा यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं। हमने जब पूछा कहां तैयारी करोगी तो कहां तो बोली दिल्ली या किसी जगहों पर जाकर यूपीएससी की तैयारी करुंगा। मैंने पूछा कि पटना या बिहार के अन्य शहर में क्यों नहीं, तो उनमें संकोच पैदा हो गया। सरकार बात नहीं सुन रही है, इसलिए छात्र और नौजवान पलायन कर रहे हैं। पहले सरकार किसी भी पार्टी के छात्र और युवाओं के मुद्दे का समर्थन करती थी। लेकिन अभी की सरकार छात्रों के प्रतिभा की बार-बार हत्या कर रही है, क्योंकि पेपर लीक जैसी जो घटना है। अग्निवीर स्कीम आने के बाद डेढ़ पौने दो लाख पेंडिंग भर्ती थी। उन पेंडिंग भर्ती के मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर तक धरना दिया गया। हमने बीपीएससी के छात्रों की हालत देखी, उन पर बर्बरता से लाठी चार्ज किया गया, वाटर कैनन चला। वह देख बिहार के किसी भी लोग को दर्द होगा तो सड़क पर आने के लिए तैयार होगा। इसी को लेकर कन्हैया कुमार ने पलायन रोको नौकरी दो यात्रा शुरू की है। राहुल गांधी भी इस यात्रा में शामिल होने आ रहे हैं। राहुल गांधी हमेशा सोच छात्रों-नौजवानों रखते हैं।

राहुल गांधी उठाते हैं छात्रों-युवाओं की बात

वरुण चौधरी ने कहा कि मैं चैलेंज देकर कह रहा हूं कि पूरे देश में छात्रों-युवाओं की बात कोई उठाता है तो राहुल गांधी। पेपर लीक मुद्दा हो, नीट का मुद्दा हो, स्कॉलरशिप का मुद्दा हो, एससी-ओबीसी फेलोशिप का मुद्दा हो, सभी मुद्दों को राहुल गांधी ने सबसे पहले उठाया। उन्होंने उनकी बात सुनी और संसद तक उठाया। उन्होंने देखा कि पलायन रोको-नौकरी दो पदयात्रा गंभीर मुद्दों को लेकर चल रही है तो वह भी शामिल होने आ रहे हैं। क्योंकि सरकार अन डेमोक्रेटिक टाइप की सरकार बन चुकी है, इसलिए हमने यात्रा निकाली। सरकार ने अपनी आंख बंद कर लिया, कान बंद कर लिए हैं। ऐसे तरीके की सरकार हमने अपने जीवन में कभी नहीं देखा, उनकी आंख और कान खोलने के लिए राहुल गांधी आ रहे हैं। पेपर लीक से बच्चे परेशान हैं, नौकरी के लिए परेशान हैं, महंगी शिक्षा से परेशान हैं, एससी-ओबीसी की सीट कम की जा रही है। जानबूझकर नौकरी को कम किया जा रहा है, वह चाहते हैं कि तीन बार कैंसिल कर देंगे थे वह सीट जनरल हो जाएगी, इसका प्रयास कम कर रहे हैं। बिहार के छात्र पलायन कर चुके हैं, वह दूसरे प्रदेश जा चुका है।

अपनी भूख मिटाने के लिए रोजगार खोज रहे हैं, लेकिन बिहार और देश की सरकार युवाओं को नजर अंदाज कर रही है। इस यात्रा के बाद सरकार की आंख और कान खुलेगी, वह छात्रों-बेरोजगारों के मुद्दे पर ध्यान देंगे। इस यात्रा से पहले कांग्रेस ने देशभर में यात्रा की थी, अब हमें लगा कि सभी पेपर का सेंटर बिहार बनता जा रहा है तो इसी उद्देश्य है यह यात्रा शुरू हुई है। यह पदयात्रा बिहार के छात्रों और नौजवानों की यात्रा है। एनएसयूआई और युवा कांग्रेस ने इसमें सहयोग किया। यह उन छात्रों की यात्रा है जो नौकरी के लिए कई साल से भटक रहे हैं। इस यात्रा का फायदा उन्हें जरूर मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

झांकी में समाज की कुरीतियों को समाप्त करने की दिखी झलक

पटना, एजेंसी। डीएवी पब्लिक स्कूल बीएसईबी कॉलोनी में आयोजित चरित्र निर्माण शिविर के तीसरे दिन शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन मूल्यों, आर्य समाज के आदर्श एवं मानवता से परिपूर्ण सामाजिक कुरीतियों की समाप्त करने वाली मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। यात्रा डीएवी बीएसईबी से निकलकर बोर्ड कॉलोनी, राजवंशी नगर, शास्त्री नगर से होते हुए संजय गांधी जैविक उद्यान से गुजरते हुए हनुमान मंदिर से होकर स्कूल तक पहुंची। गाजे बाजे, रथ घोड़ा से युक्त इस शोभा यात्रा का नेतृत्व सिक्किम और मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने की। इस शोभा यात्रा में डीएवी पब्लिक स्कूल बिहार प्रक्षेत्र- पटना, बेगूसराय, भागलपुर और बक्सर के 79 स्कूलों से आए लगभग 1200 बच्चे, 500 शिक्षकगण, भारत के कोने-कोने से आए योग साधक, तपस्वी, सन्यासी, धर्माचार्य, उपदेशक, भजनोपदेशक, विद्वान जन, डीएवी स्कूलों के क्षेत्रीय अधिकारी और प्राचार्य शामिल हुए है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः कालीन योगाभ्यास और 51 कुंडीय महायज्ञ के साथ हुई। इस मौके पर कक्ष सज्जा, वैदिक प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक, डायरी लेखन समेत अन्य प्रतियोगिताएं बच्चों के बीच आयोजित की गई। सभी विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा बिहार के प्रधान और कार्यक्रम के आयोजक एस के झा, संयोजक और मेजबान प्राचार्य एसी झा, आईएएस मनोज कुमार, डॉ. अनुपमा कुमारी, बीके चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

जगजीवन राम की मनाई जयंती

भागलपुर, एजेंसी। कॉलेज रोड स्थित काली मंदिर के प्रांगण में शनिवार को पूर्व प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रघुनंदन सिंह केसरी की अध्यक्षता में पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसियों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। कांग्रेसियों ने कहा कि बाबू जगजीवन राम अत्यंत विनम्र और सुसभ्य व्यक्ति थे। उन्होंने गरीब बेसहारा लोगों की मदद करने में कभी कोताही नहीं बरती।

बिहार बदलाव रैली में सारण से पैंतीस हजार लोग होंगे शामिल

छपरा, एजेंसी। आगामी 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में आयोजित बिहार बदलाव रैली में सारण से पैंतीस हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। उक्त बातें शुक्रवार को जन सुराज के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने यहा पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस रैली को सफल बनाने के लिए जन सुराज के राज्य परिषद के नेताओ से लेकर जिला, प्रखंड एव पंचायत स्तर के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता आमलोगों से मिलकर उन्हें इस रैली में शामिल होने का नेवता दे रहे हैं और पार्टी को लोगों का अपार समर्थन भी मिल रहा है। इस दौरान जिला प्रभारी उर्मिला सिंह ने कहा कि संगठन का प्रयास रहेगा कि उक्त रैली में सारण जिला से लोगों की भागीदारी सबसे अधिक हो। उन्होंने बताया कि यह बिहार बदलाव रैली उनलोगों के लिए है जो बिहार में बदलाव देखना चाहते हैं।

बारिश के साथ ओले भी गिरेंगे, बिहार में आज से बदलेगा मौसम

पटना, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने पटना समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में 7 से 11 अप्रैल तक बारिश की संभावना जताई है। सोमवार से अगले दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ गरज-तड़क और कुछ जगहों पर ओले गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक विभिन्न घटकों और पूर्वी हवा का सक्रिय प्रवाह होने के चलते बिहार में आद्रता में बढ़ोतरी हुई है। इस कारण मौसम का मिजाज में बदलाव के आसार हैं। उत्तर मध्य और उत्तर पूर्व बिहार के अधिकांश जिलों में 10 से 30 मिलीमीटर तक बारिश की संभावना है।

इन जिलों में ओले गिरने की आशंका है

मौसम विभाग ने किशनगंज, अररिया, सुपौल, पूर्णिया, दरभंगा और मधुबनी जिले में एक-दो जगहों पर ओलावृष्टि की आशंका जताई है। वहीं, सतही हवा की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा सकती है। ऐसे में लोगों को खराब मौसम में सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह प्रदेश में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना के बीच अधिकतम तापमान में गिरावट आने और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं। शनिवार को प्रदेश का सबसे ठंडा शहर 16.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सीतामढ़ी का पुपरी रहा, वहीं सबसे गर्म शहर 39.8 डिग्री सेल्सियस के साथ रोहतास का डेहरी रहा। पटना में अधिकतम तापमान 39 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बीते दो दिनों में राजधानी के लोगों को भीषण गर्मी का एहसास हो रहा है।

चिराग पासवान से पशुपति पारस ने खगड़िया से दिल्ली तक बंटवारा मांगा, संपत्ति विवाद गहराया

पटना, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान के परिवार का विवाद गहराता जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान से अब बिहार के खगड़िया स्थित पैतृक घर से लेकर दिल्ली तक प्रॉपर्टी का बंटवारा करने की मांग कर दी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर उनके पिता के सपनों को तोड़ने का आरोप भी लगाया। चिराग की पार्टी लोजपा (रामविलास) के संसद में वक्फ बिल पर समर्थन करने पर यह बात कही। पासवान परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है। दिवंगत रामविलास की पहली पत्नी एवं चिराग की बड़ी मां राजकुमारी देवी ने अपनी दो देवरानियों के खिलाफ पिछले दिनों एफआईआर दर्ज कराई। इसमें पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी और दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी पर उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को अपनी बड़ी मां से खगड़िया जिले के शहरबन्नी स्थित पैतृक गांव जाकर मुलाकात की। दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के मुखिया एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने दरभंगा में शनिवार को संपत्ति विवाद पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने आशंका जताई कि राजकुमारी देवी को भड़काकर यह एफआईआर दर्ज कराई गई। पारस ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थाने में जो शिकायत हुई, उसमें राजकुमारी देवी का अंगूठा लगा था। वह पढ़ी लिखी नहीं हैं। यह जांच का विषय है कि उनका अंगूठा किसने लगवाया। पारस ने आगे कहा कि वे भी संपत्ति का बंटवारा चाहते हैं। पैतृक घर से लेकर दिल्ली तक बंटवारा होना चाहिए। हालांकि, भतीजे चिराग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सब राजनीतिक साजिश के तहत हो रहा है। कुछ ही दिनों में सब कुछ साफ हो जाएगा।

चिराग बोले- चाचा ने अपनी प्रॉपर्टी छिपा रखी है

अपनी बड़ी मां से मिलने पैतृक गांव पहुंचे चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि उनके चाचा पशुपति पारस ने उनकी कई संपत्तियों को छिपा कर रखा हुआ है। इसकी जानकारी नहीं दी गई है। चिराग ने कहा कि लोजपा को तोड़ने का फैसला भी पारस का था। अगर वह बंटवारा चाहते हैं तो खुद पहल करें। पहले अपनी संपत्तियों की जानकारी दें। जो वे चाहते हैं वैसा ही होगा।

18 अधिवक्ताओं ने किया नामांकन

सहरसा, एजेंसी। 26 अप्रैल को होने वाले जिला विधि वेत्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए 5 अप्रैल तक 18 अधिवक्ता अभ्यर्थियों ने नामांकन किया। जिसमे उपाध्यक्ष पद के लिए केशव कुमार श्रीवास्तव अमरेंद्र कुमार त्रिवेदी एवं लीलाधर शर्मा संयुक्त सचिव पद के लिए संजीव कुमार लालमोहर यादव आनंद सिंह ठाकुर सहायक सचिव के लिए देवेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष के लिए मनोज कुमार अंकेक्षक रामकुमार साह वरीय कार्यकारिणी सदस्य देवनंदन प्रसाद राजीव रंजन कुमार सिंह अमरेंद्र कुमार नरेश कुमार गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य के लिए नीरज कुमार सिंह प्रेम रंजन कुमार विजय लता एवं निगरानी सदस्य के लिए योग नंदन यादव मनोज कुमार सिंह प्रधान ने अपनी उम्मीदवारी दी है। यह जानकारी कार्यालय प्रभारी चंदन कुमार पिंटू ने दी ।

पीएमसीएच से दुष्कर्म का आरोपी फरार, 5 पुलिसकर्मियों को थमाया नोटिस

छपरा, एजेंसी। सारण में कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। गरखा थाना पुलिस की लापरवाही से दुष्कर्म का एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। यह घटना छपरा जेल से एक कैदी के फरार होने के एक सप्ताह के भीतर हुई है।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार : गरखा थाना क्षेत्र में दर्ज प्राथमिकी (कांड संख्या-511/24) के आरोपी धनंजय सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। वहां पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। 5 अप्रैल 2025 को धनंजय सिंह ने इलाज के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

एसएसपी सख्त, पुलिसकर्मियों को थमाया नोटिस : सारण के एसएसपी ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने गरखा थाना के पांच पुलिसकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है। इनमें पुलिस निरीक्षक नवीन कुमार, सहायक निरीक्षक अजय कुमार प्रजापति, दफादार राम बढ़ई राय और दो चौकीदार शामिल हैं।

लगातार दो कैदी फरार, उठे सवाल : पिछले एक सप्ताह में लगातार दो कैदियों के फरार होने से

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसएसपी ने चेतावनी दी है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी

पूर्वजों को याद रखना वंशज का कत्वर्य है : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

हाजीपुर, एजेंसी। संवाद सूत्र पूर्वजों को याद करना हर समाज के वंशज का कर्त्तव्य होता है। वीर चौहरमल भी इसी समाज के एक प्रतीक थें। उक्त बातें पातेपुर श्री रामचंद्र उच्च विद्यालय में वीर चौहरमल के प्रखंड स्तरीय जन्म दिवस समारोह कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कही। इस मौके कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज पासवान एवं मंच संचालन संजय पासवान ने किया। मिली जानकारी अनुसार पातेपुर श्री रामचंद्र उच्च विद्यालय पातेपुर प्रखंड स्तरीय जन्म दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण नंदन पासवान, पातेपुर विधायक लखेंद्र पासवान आदि ने चौहरमल के तैल चित्र पर मालार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया।

केन्द्र सरकार वक्फ बिल पास कर फैला रही नफरत: मो सुल्तान हुसैन इदरीसी

छपरा, एजेंसी। केंद्र सरकार वक्फ बिल पास कर देश को बांटने व नफरत फ़ैलाने का काम शुरू की है। इसे लोकतांत्रिक देश के मुसलमान भुला नहीं पायेंगे। नगर पालिका चौक पर शनिवार को आयोजित धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने यह बात कही । धरना को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक महासचिव मो सुल्तान हुसैन इदरीसी ने कहा कि केंद्र की सरकार हर बार कुछ ना कुछ विवादित मामला कर देश को अस्थिर करना चाह रही है। इसमें देश की जनता उलझी रहे। देश की जनता भुखमरी ,बेरोजगारी, बीमारी से ग्रसित है परन्तु सरकार इसके लिए कोई कानून नहीं ला रही है। सुल्तान इदरीसी ने लोक सभा और राज्य सभा के उन सभी सम्मानित सदस्यों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने ने इस बिल के खिलाफ वोटिंग की। उन्होंने कहा कि यहां लोगों को नुकसान पहुंचाने का कानून बनाया जा रहा है। इसका विरोध संवैधानिक तरीके से किया जा रहा है। इसकी लड़ाई कोर्ट में भी लड़ी जाएगी। धरना को रिजीविया मदरसा के मौलाना रज्जबुल कादरी ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सिर्फ मुसलमानों को परेशान करने की नीयत से बिल ला रही है । इस बिल के बहाने मुसलमानों के वक्फ के जमीनों को कब्जा करने की साजिश कर रही है । जामा मस्जिद साहेबगंज इमाम मौलाना मो हामिद रजा ने वक्फ बिल को पढ़ कर बताया और जहां जहां इस बिल में गड़बड़ी की गई है उसे चिन्हित कर के समझाया और कहा कि इस बिल के माध्यम से सरकार वक्फ की संपत्तियों को हड़पना चाहती है। छात्र नेता शादाब मजहरी ने बिल को संविधान विरोधी बताया और बिल को जल्द से जल्द वापस लेने की मांग की।धरना को नवाजिश नेहाल ,जफर सिद्दीकी तथा अन्य ने संबंधित किया और बिल को वापस लेने की मांग की। जयंती पर याद किए गए सम्राट अशोक छपरा, एक संवाददाता। शहर के हुसे छपरा में भारतीय लोक चेतना पार्टी के तत्वावधान मौर्य वंश के महान सम्राट अशोक की जयंती काफी हर्षोल्लास पूर्वक वातावरण में शनिवार को मनाई गई। सर्वप्रथम लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया।पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह मीडिया प्रभारी राजेश कुशवाहा ने कहा कि अशोक के सिंह शीर्ष भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है।यह प्रतीक सारनाथ के अशोक स्तंभ से लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत के प्रत्येक जिला मुख्यालय में विश्व विजेता सम्राट अशोक की प्रतिमा व अशोक स्तंभ लगाने की मांग की ।इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता लाल बाबू सिंह, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सिंगर जयवीर गुप्ता ,महेश सिंह, पूर्व शिक्षिका कमला देवी, बबीता देवी ,प्रमोद कुमार सागर, कुमारी खुशी व अन्य ने भी उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

जल्द ही शिक्षकों की अगली तबादला सूची जारी होगी : एसीएस एस सिद्धार्थ

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर बड़ा अपडेट आया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस सिद्धार्थ ने अगली टीचर ट्रांसफर लिस्ट के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन दिनों के भीतर विभाग शिक्षकों के तबादले की अगली सूची जारी कर देगा। इसमें महिला टीचर को नए स्कूलों में पोस्टिंग दी जाएगी। पुरुष शिक्षकों के स्थानांतरण के आवेदनों पर इसके

बाद विचार किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने शिक्षा की बात हर शनिवार कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पहले सक्षमता परीक्षा पास शिक्षिकाओं की तबादला सूची जारी होगी। इसके बाद बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से चयनित महिला टीचर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की जाएगी।

सोमवार या मंगलवार को अगली लिस्ट आने की संभावना है। एसीएस ने कहा कि अब तक 6 चरणों में शिक्षकों का तबादला किया जा चुका है। बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत लगभग 1.90 लाख शिक्षकों ने तबादले के लिए आवेदन दिया है। बता दें कि फिलहाल शिक्षा विभाग विशेष परिस्थिति में ही शिक्षकों का तबादला कर रहा है। सबसे पहले कैंसर और गंभीर बीमारी से ग्रस्त शिक्षकों को मनचाही ट्रांसफर पोस्टिंग की लिस्ट जारी की गई। इसके बाद पति की पोस्टिंग के आधार पर ट्रांसफर के लिए आवेदन करने वालीं महिलाओं के आवेदन पर विचार किया गया। सबसे आखिर में पुरुष शिक्षकों का तबादला होगा।

लीची दक्षिण भारत भेजने के लिए स्पेशल ट्रेन पर होगा विचार

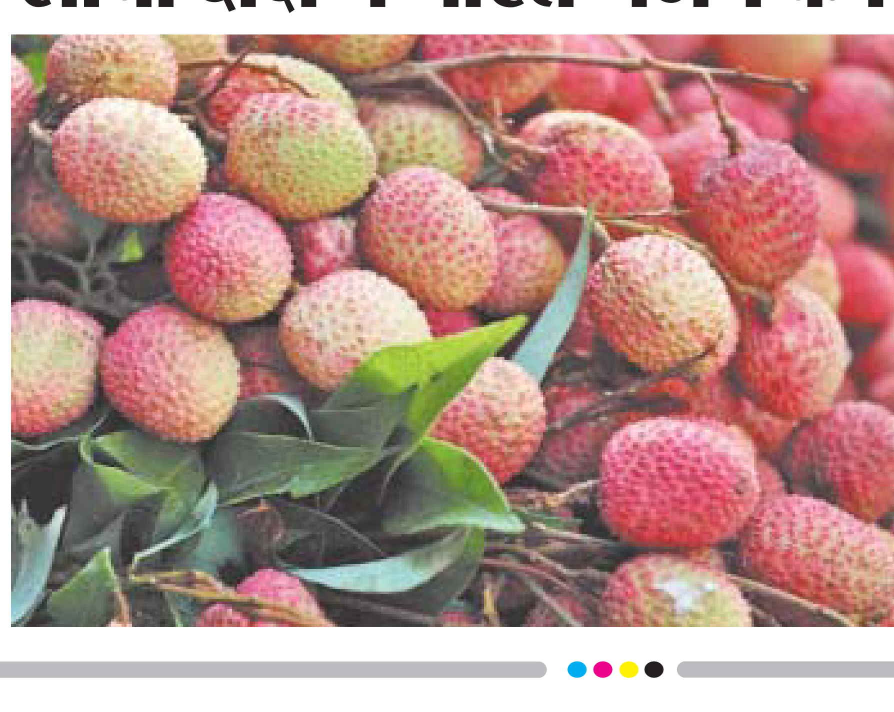

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पूर्व मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) इंदू रानी दुबे ने शनिवार को जंक्शन के वीआइपी कक्ष में लीची व्यवसायियों संग बैठक की। उन्होंने लीची ढुलाई से लेकर मुंबई में अनलोडिंग तक की समस्या की जानकारी ली। साथ ही लीची उत्पादकों को बेहतर सुविधा और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पीसीसीएम ने कहा कि पवन एक्सप्रेस के अलावा एक और स्पेशल ट्रेन चलाने पर विचार किया जा रहा है, जो मुंबई के अलावा पुणे या दक्षिण भारत जा सके।

बैठक के बाद पीसीसीएम ने पार्सल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्सल पर संक्षिप्त लीज मेनिफेस्टो पर उन्होंने आपत्ति जताई। साथ ही मेनिफेस्टो में पार्सल का पूरा ब्योरा भरने का निर्देश दिया। कहा कि आगे से इसकी शिकायत मिलने पर पार्सल कार्यालय के अधिकारी पर कार्रवाई होगी। पार्सल कार्यालय के बाद उन्होंने यूटीएस और पीआरएस हॉल का भी निरीक्षण किया। इसके बाद आरएलडीए के पदाधिकारियों से जंक्शन के वर्ल्ड क्लास निर्माण से संबंधित जानकारी ली। मौके पर लीची व्यवसायियों के साथ पूमरे के उप मुख्य ऑपरेशन प्रबंधक (कोचिंग) इम्तियाज आलम, सोनपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रौशन कुमार भी थे।

10 हजार क्विंटल लीची भेजने का लक्ष्य

बैठक में बताया गया कि गत वर्ष मुजफ्फरपुर से 6.5 हजार क्विंटल लीची का लदान हुआ था। इस वर्ष इसे 10 हजार क्विंटल तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसको लेकर लीची व्यवसायियों के लिए बीते साल की तरह डेडीकेटेड पार्सल ऑफिस बनाया जाएगा। साथ ही अस्थायी शेड भी बनेगा, ताकि लीची को सुरक्षित रखा जा सके। मालूम हो कि 15-20 मई के बीच ट्रेनों से लीची की खेप बाहर भेजी जाती है।

अफसोस ! एक सप्ताह में भी 100 करोड़ी नहीं हुई सिकन्दर

सलमान खान अभिनीत फिल्म सिकंदर 6वें दिन बॉक्स ऑफिस पर नीचे गिर गई है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, 5 दिनों में 90 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी इस फिल्म ने 6वें दिन मात्र 3.75 करोड़ रुपये कमाए। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित सिकंदर पिछले रविवार, 30 मार्च को रिलीज़ हुई थी। फ़िल्म ने पहले तीन दिनों में 26 करोड़, 29 करोड़ और 19.50 करोड़ रुपये की कमाई करके अच्छी शुरुआत की, लेकिन बुधवार से इसमें गिरावट देखी जाने लगी। हालाँकि, अपने पहले शुक्रवार यानी 6वें दिन फ़िल्म की कमाई में गिरावट आई और सिर्फ़ 3.75 करोड़ रुपये ही कमा पाई। फ़िल्म का कुल घरेलू कलेक्शन अब 94 करोड़ रुपये हो गया है।

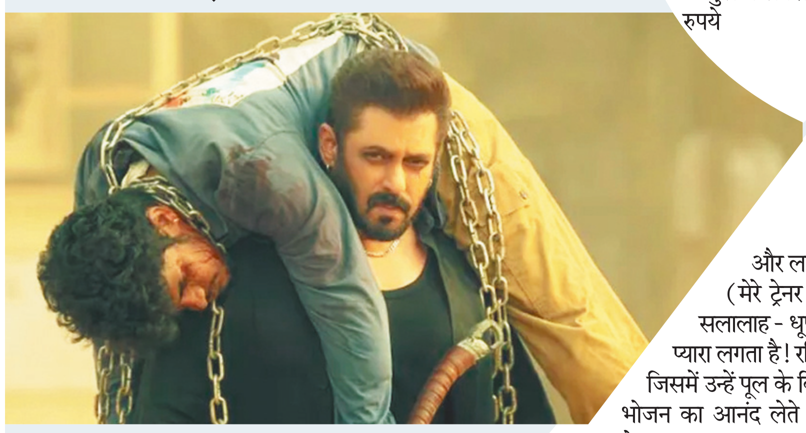

इससे भी बुरी बात यह है कि फिल्म में सुपरस्टार सलमान खान की मौजूदगी के बावजूद, सिकंदर को पूरे दिन में सिर्फ 7.38 प्रतिशत दर्शकों की ही मौजूदगी मिली। कलेक्शन में गिरावट की वजह शो कैंसल होना भी हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के खराब प्रदर्शन की वजह से सूरत, अहमदाबाद, भोपाल और इंदौर समेत कई शहरों में इसकी स्क्रीनिंग कैंसल कर दी गई। उम्मीद है कि शनिवार को आंशिक छुट्टी होने की वजह से 7वें दिन कलेक्शन में सुधार होगा। उम्मीद है कि 7वें दिन यह 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी पार कर जाएगी।

भारत में सिकंदर का हर दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन देखें (स्रोत सैकनिल्क)

पहला दिन- 26 करोड़ रुपये
दूसरा दिन- 29 करोड़ रुपये
तीसरा दिन- 19.5 करोड़ रुपये
चौथा दिन- 9.75 करोड़ रुपये
पांचवां दिन- 6 करोड़ रुपये
छठा दिन- 3.75 करोड़ रुपये
कुल कलेक्शन -90 करोड़ रुपये

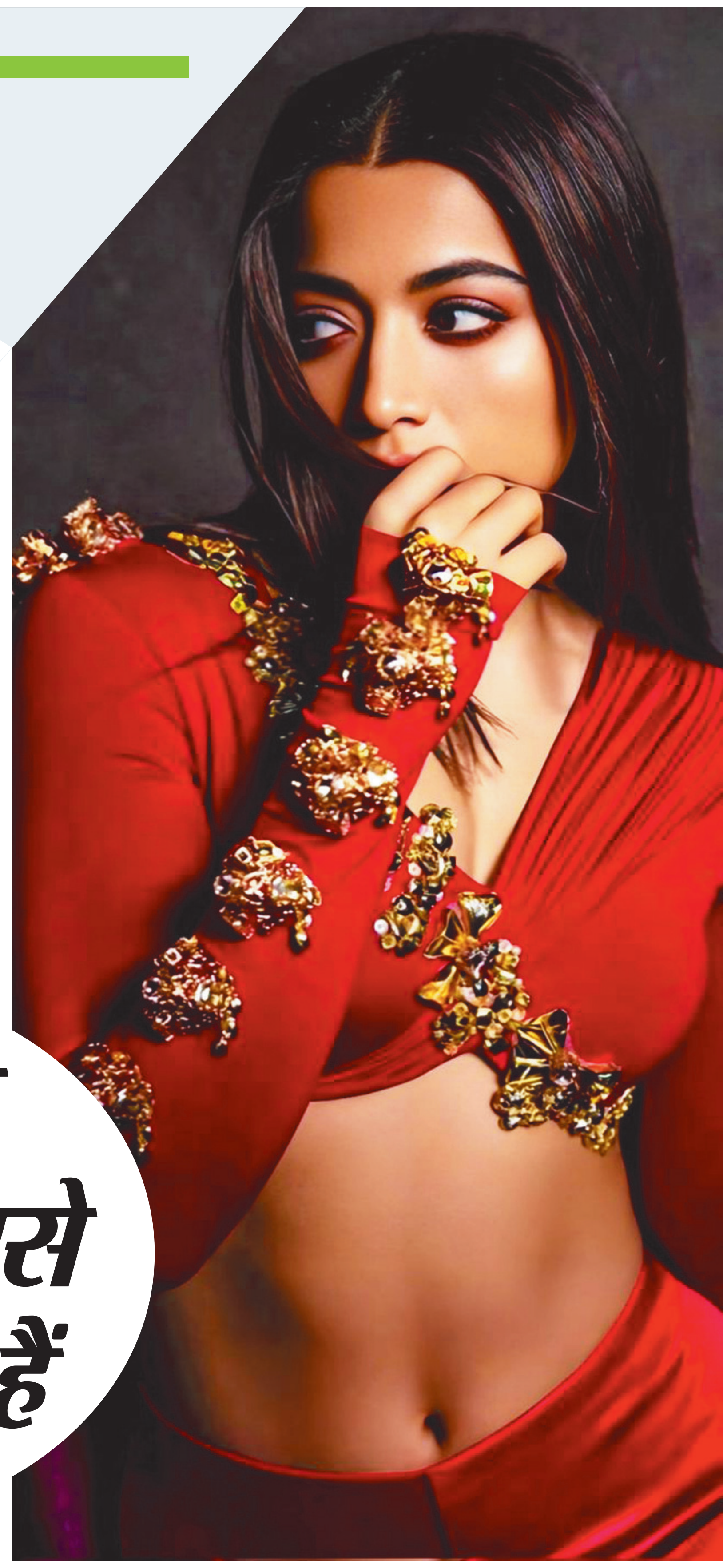

रश्मिका के ट्रेनर उनसे खुश नहीं हैं

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के ट्रेनर उनसे खुश नहीं हैं और इसका कारण उनकी हाल ही में ओमान में सलालाह की यात्रा है। अपनी यात्रा के दौरान, एनिमल एक्ट्रेस इस फार्मूले पर चल रही हैं कि अच्छा खाना और हैप्पी टमी का मतलब है नाराज ट्रेनर। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम आईडी पर लिखा, अच्छा खाना + भरा हुआ और लगभग हैप्पी टमी = गुस्सा जुनैद शेख और सागर (मेरे ट्रेनर)। इस स्टनर ने कहा, मैंने यह कहीं पढ़ा था सलालाह - धूप और रेत और मुस्कुराहट की भूमि। यह कितना प्यारा लगता है ! रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटो भी पोस्ट की, जिसमें उन्हें पूल के किनारे शानदार भोजन का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। वह एक स्टाइलिश ब्लैक ड्रेस और टोपी में बहुत ही अट्रैक्टिव लग रही थीं और उन्होंने अपनी मनमोहक मुस्कान बिखेरी। हम उन्हें एक फोटो में अपनी उंगलियों से दिल का संकेत करते हुए भी देख सकते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, रश्मिका ने खुलासा किया कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है कि वह इस महीने 29 साल की हो रही हैं। पुष्पा की एक्ट्रेस, जो शनिवार 5 अप्रैल को अपना जन्मदिन मना रही हैं, ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने आने वाले जन्मदिन के लिए अपनी खुशी जाहिर की। रश्मिका ने लिखा, यह मेरा जन्मदिन का महीना है और मैं बहुत उत्साहित हूं। मैंने हमेशा सुना है कि जैसे-जैसे आप बड़े होते जाते हैं, आप अपना जन्मदिन मनाने में रुचि खोने लगते हैं... लेकिन स्पष्ट रूप से मेरे मामले में ऐसा नहीं है। मैं जितनी बड़ी होती जा रही हूं, मैं अपना जन्मदिन मनाने के लिए उतनी ही उत्साहित होती जा रही हूं ! मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं 29 साल की होने जा रही हूं... मैंने एक और साल स्वस्थ, खुशहाल और सुरक्षित तरीके से बिताया है ! अब यह जश्न मनाने लायक है ! उनके द्वारा शेयर की गई फोटो में वह कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुराती दिख रही हैं, जो एक खुशी भरे पल को कैद कर रहा है।

एकता कपूर ने नागिन 7 पर लगाई मुहर

एकता कपूर ने अपने प्रसिद्ध नागिन सीरियल के सातवें सीजन की पुष्टि आधिकारिक तौर पर कर दी है। एकता ने नागिन 7 को लेकर एर दिलचस्प जानकारी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर करके फैंस को खुश कर दिया है।

कब आएगा नागिन 7

ईद के खास मौके पर एकता कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में एकता अपनी टीम के साथ कुछ खास बात करती नजर आईं। एकता ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, यह ईद है। ईद मुबारक। ईद मुबारक। मुझे सभी को ईदी देनी है। आगे एकता ने कहा, नागिन 7 जल्द आएगा, बहुत जल्द। एकता के इस वीडियो ने फैंस की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है।

ईशा मालवीय हो सकती हैं अगली नागिन

एक खबर के मुताबिक, एकता के नागिन 7 में इस बार ईशा मालवीय नागिन के रोल में नजर आ सकती हैं। उडारियां और बिग बॉस 17 से प्रसिद्ध हुईं ईशा अगर नागिन 7 में आती हैं, तो यह उनके करियर के लिए काफी बड़ी उपलब्धि होगी।

नागिन सीरियल की शुरुआत

एकता कपूर के प्रसिद्ध नागिन सीरियल का पहला सीजन 2015 में शुरू हुआ था, जिसमें मौनी रॉय, अदा खान और अर्जुन बिजलानी ने अपने शानदार अभिनय से दर्शको का दिल जीता था। पहले सीजन की सफलता के बाद इसके अभी तक छह सीजन आ चुके हैं। अब प्रशंसकों को नागिन 7 के आने का इंतजार है।

नागिन सीरियल ने कई अभिनेत्रियों को दिलाई पहचान

नागिन टीवी सीरियल ने कई चेहरो को फैंस के बीच खास बनाया, जिनमें मौनी रॉय से लेकर हिना खान, अदा खान, सुरभि ज्योति, सुरभि चंदना, तेजस्वी प्रकाश और रश्मि देसाई शामिल हैं। बहरहाल, फैंस को अब नागिन 7 के आने का बेसब्री से इंतजार है।

मलाइका अरोड़ा की ड्रेस देखकर भड़के लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 51 साल की हो चुकी हैं लेकिन वह अपनी ग्लैमरस अदाओं से यंग एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं. वह अक्सर किसी ना किसी जगह पर स्पॉट होती हैं और उन्हें देखते ही पैपराजी के कैमरे उनकी तरफ मुड़ जाते हैं. इसके बाद मलाइका अरोड़ा की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होते हैं. वह एक बार फिर कैमरे में कैद हुईं और उनका वीडियो सामने आया है. इसमें मलाइका अरोड़ा शॉर्ट ड्रेस पहने नजर आ रही हैं और इसको लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है. आइए देखते हैं कि मलाइका अरोड़ा के वीडियो में क्या है और लोग क्या रिएक्शन दे रहे हैं.

मलाइका अरोड़ा का वीडियो हो रहा है वायरल

मलाइका अरोड़ा एक रियलिटी शो की शूटिंग के लिए जाते समय स्पॉट हुईं और पैपराजी ने उनके कई फोटोज क्लिक किए. इस दौरान मलाइका अरोड़ा ने भी पैपराजी को निराश नहीं किया और उनके जमकर पोज दिए. उनका अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है. इसके साथ ही मलाइका अरोड़ा की शॉर्ट ड्रेस ने लोगों का ध्यान खींचा. उनके तमाम चाहने वाले फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. वहीं, सोशल मीडिया के तमाम यूजर्स ने मलाइका अरोड़ा को जमकर ट्रोल किया है.

मर्दजात से बहुत नफरत करती है

तारक मेहता का उल्टा चश्मा स्टार बबीता जी?

तारक मेहता का उल्टा चश्मा स्टार मुनमुन दत्ता अक्सर सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. कई बार अपने बयानों के चलते मुनमुन दत्ता विवादों में फंस चुकी हैं. एक बार तो मुनमुन दत्ता ने ये दावा कर दिया था कि उनको मर्दजात से ही नफरत है. जिसके बाद मुनमुन दत्ता ने इसके पीछे की वजह बताई थी जिसे जानकर हर कोई चौंक गया था. अपनी इस रिपोर्ट में हम आपको मुनमुन दत्ता की वही स्टेटमेंट बताने वाले हैं. एक इंटरव्यू में मुनमुन दत्ता ने खुलासा किया था कि उनके साथ बचपन में कई बार हैरेसमेंट की घटनाएं हुई हैं. इन घटनाओं ने मुनमुन दत्ता को बुरी तरह से परेशान करके रख दिया था. मुनमुन दत्ता ने बताया कि पड़ोस के चाचा मुझे गंदी नजर से घूरते थे. वो मुझे पकड़ लेते थे. धमकी देते थे कि मैं किसी से कुछ न बोलूं. उनसे मुझे बहुत डर लगता था. आगे मुनमुन दत्ता ने बताया, उस आदमी ने मुझे पैदा होते हुए देखा था लेकिन उसकी नजर गंदी थी. उसकी नजरों में मैं बड़ी हो रही थी, मेरे अंदर बदलाव हो रहे थे.मुनमुन दत्ता ने आगे कहा, मैं जिस टीचर से ट्यूशन पढ़ती थी उसने मेरे अंडरगारमेंट में हाथ डाल दिया था. उस घटना ने मेरी हालत खराब कर दी थी. मुनमुन दत्ता ने खुलासा किया, मैं जिस टीचर को राखी बांधती थी वो मेरी ब्रा स्ट्रिप खींचता था. पढ़ाते समय वो मेरे ब्रेस्ट पर थप्पर मारा करता था. मुनमुन दत्ता ने बताया, ये वही सब घटनाएं हैं जिनका मेरे दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ा. एक समय ऐसा आया जब मुझे मर्दजात से ही नफरत होने लग गई. मुनमुन दत्ता ने माना कि अगर आज के समय में कोई मेरे साथ ऐसी हरकत करेगा तो मैं उसे चीरकर रख दूंगी. अब सब कुछ बदल चुका है.

‘इमरजेंसी’ के लिए कंगना को मिला ये खूबसूरत तोहफा, एक्ट्रेस बोलीं– कई बेकार ट्रॉफियों से बेहतर

अपनी बेबाकी के लिए मशहूर कंगना रनौत ने एक बार फिर अवॉर्ड ट्रॉफी को लेकर कुछ ऐसा कहा है, जो सुर्खियां बटोर रहा है। ये बात कंगना ने अपनी फिल्म इमरजेंसी के लिए मिले एक तोहफे के बारे में जानकारी देते हुए कही। जानिए क्या है कंगना का तोहफा और उन्होंने क्या तंज कसा। कंगना रनौत की अंतिम रिलीज फिल्म ‘इमरजेंसी’ इन दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन कंगना रनौत का ऐसा मानना है कि उनकी फिल्म को ओटीटी पर काफी पसंद किया जा रहा है। कंगना रनौत ने अपनी हालिया इंस्टाग्राम स्टोरी पर बताया कि उनकी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है और उन्हें इसके लिए एक ऐसा गिफ्ट मिला है, जो उनके लिए कई अवॉर्ड ट्रॉफी से भी बेहतर है।

कंगना ने इंस्टाग्राम पर साझा की स्टोरी

कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लेटर की तस्वीर साझा की है। जिसे किसी ने कंगना के लिए लिखा है। इस लेटर में लिखने वाले ने कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी की तारीफ की है। इसी लेटर को अपनी स्टोरी पर शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, यह बहुत खूबसूरत और बढ़िया है। मुझे ‘इमरजेंसी’ बनाने के लिए एक शानदार बुनी हुई साड़ी मिली है। ये बेकार की कई ट्रॉफियों से बेहतर है। जाहिर है कि कंगना ने अपनी इस स्टोरी में अवॉर्ड्स ट्रॉफियों को बेकार बताते हुए एक बार फिर मेन स्ट्रीम बॉलीवुड पर कटाक्ष किया है।

17 जनवरी को रिलीज हुई थी ‘इमरजेंसी’

17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई कंगना रनौत द्वारा निर्देशित फिल्म ‘इमरजेंसी’ में कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई है। इसके अलावा फिल्म में अनुपम खेर जय प्रकाश नारायण की भूमिका में नजर आए हैं, जबकि श्रेयस तलपड़े ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी का किरदार अदा किया है। फिल्म 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल यानी कि इमरजेंसी के समय को दिखाती है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी और फ्लॉप रही थी।

पूजा बनर्जी की दूसरी बार भरी गोद

टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस साल जून में पूजा बनर्जी के घर फिर से नन्हें बच्चे की किलाकरी गूंजने वाली है। ऐसे में

एक्ट्रेस इस फेज को एंजॉय करते हुए फोटोशूट भी करवा रही हैं लेकिन वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव भी हैं। हाल ही में उन्होंने बताया था कि मां कामाख्या देवी के आशीर्वाद से उनकी गोद फिर भर गई। पूजा ने इंस्टा पर एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में वह व्हाइट कलर की रेड बॉर्डर वाली साड़ी में नजर आ रही हैं। वह पूजा करती दिख रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने बताया कि जब वो कामाख्या देवी मंदिर के दर्शन के लिए गई थीं तो उन्हें बाद में पता चला कि वो दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं। पूजा अपनी प्रेग्नेंसी को भगवान का आशीर्वाद मानती हैं वो मानती हैं कि देवी मां की वजह से उनकी गोद भर गई है। काम की बात करें तो एक्ट्रेस को आखिरी बार बड़े अच्छे लगते हैं (2023) में देखा गया था।

फौजी में नजर आएगी दिशा के साथ प्रभास की जोड़ी

एक खबर के मुताबिक, फौजी एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। फौजी में प्रभास और दिशा पाटनी एक साथ नजर आ सकते हैं। इस फिल्म से पहले प्रभास और दिशा की जोड़ी को प्रशंसकों ने कल्कि 2898 एडी में खूब पसंद किया था। बहरहाल, इस फिल्म का आधिकारिक नाम अभी तक तय नहीं हुआ है, तब तक इस फिल्म का संभावित नाम फौजी है।

फिल्म में होंगी दो अभिनेत्रियां

वैसे इस फिल्म में दो अभिनेत्रियों के होने की बात सामने आई है, जिसमें इमानवी इस्माइल का नाम पहले से ही शामिल है और अब उनके अलावा इस फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर दिशा पाटनी का नाम शामिल हो गया है। बहरहाल, अभी तक निर्माताओं की ओर से इस फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फौजी के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास स्पिरिट, द राजा साब के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। स्पिरिट का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, द राजा साब एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

साभार एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंका के अनुराधा पुरा में बौद्ध मंदिर के दर्शन किए

» कोलंबो, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को श्रीलंका के ऐतिहासिक शहर अनुराधापुरा में जय श्री महाबोधि मंदिर के दर्शन किए और भारत से सहायता प्राप्त दो रेलवे परियोजनाओं की शुरुआत की। अनुराधापुरा की यात्रा के दौरान मोदी के साथ श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके भी थे। अनुराधापुरा कोलंबो से लगभग 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक आध्यात्मिक शहर है। मंदिर के दर्शन बाद, दोनों नेताओं ने 9.12 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारतीय सहायता से नवीनीकृत 128 किलोमीटर लंबी माहो-ओमानथाई रेलवे लाइन का उद्घाटन किया, जिसके बाद माहो से अनुराधापुरा तक उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली के निर्माण की शुरुआत की गई।

इस सिग्नलिंग प्रणाली का निर्माण 1.48 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारतीय अनुदान सहायता से किया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत-श्रीलंका विकास साझेदारी के तहत कार्यान्वित ये ऐतिहासिक रेलवे आधुनिकीकरण परियोजनाएं श्रीलंका में उत्तर-दक्षिण रेल संपर्क को मजबूत बनाने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।मंत्रालय ने कहा, इनसे देश भर में यात्री और माल यातायात दोनों का तीव्र व कुशल आवागमन सुगम हो सकेगा। भारत रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि उनकी श्रीलंका यात्रा ने दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों की पुष्टि की है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरी यात्रा के दौरान दिखाई गई गर्मजोशी के लिए मैं राष्ट्रपति दिसानायके, श्रीलंका के लोगों और सरकार का बहुत आभारी हूं। चाहे वह कोलंबो हो या अनुराधापुरा, इस यात्रा ने देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों की पुष्टि की है। यह दौरा निश्चित रूप से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को गति देगा। जय श्री महाबोधि मंदिर में प्रधानमंत्री ने प्रमुख भिक्षु से आशीर्वाद भी लिया। मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति दिसानायके के साथ अनुराधापुरा में जय श्री महाबोधि में प्रार्थना की। बौद्ध धर्म के सबसे प्रतिष्ठित स्थलों में शामिल इस मंदिर के दर्शन करना भावविभोर कर देने वाला क्षण है। उन्होंने कहा, यह शांति, ज्ञान और आध्यात्मिक निरंतरता का जीवंत प्रतीक है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहें। विदेश मंत्रालय ने कहा कि मोदी ने मंदिर में प्रतिष्ठित महाबोधि वृक्ष की पूजा की। जय श्री महाबोधि मंदिर का भारत-श्रीलंका सभ्यतागत संबंधों में विशेष महत्व है। मान्यता है कि बोधि वृक्ष की उत्पत्ति भारत के बोधगया में हुई है। सम्राट अशोक की बेटी थेरी संघमित्रा भारत से बोधि वृक्ष का पौधा लाई थी और इस मंदिर के परिसर में वह पौधा लगाया गया था। विदेश मंत्रालय ने कहा, माना जाता है कि यह वृक्ष बो पौधे से विकसित हुआ है जिसे संघमित्रा महाथेरी तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत से श्रीलंका ले गई थीं। मंत्रालय ने कहा, यह मंदिर मजबूत सभ्यतागत संबंधों का प्रमाण है जो भारत-श्रीलंका के बीच घनिष्ठ साझेदारी की नींव रखते हैं। प्रधानमंत्री थाईलैंड की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद शुक्रवार शाम कोलंबो पहुंचे थे।

श्रीलंका की यात्रा पूरी कर स्वदेश रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीलंका की अत्यंत सार्थक यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को भारत के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ व्यापक वार्ता की और रक्षा, ऊर्जा व डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेरी यात्रा के दौरान दिखाई गई गर्मजोशी के लिए मैं राष्ट्रपति दिसानायके, श्रीलंका के लोगों और सरकार का बहुत आभारी हूं। चाहे वह कोलंबो हो या अनुराधापुरा, इस यात्रा ने देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों की पुष्टि की है। यह दौरा निश्चित रूप से हमारे द्विपक्षीय संबंधों को गति देगा। मोदी थाईलैंड से श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंचे, जहां उन्होंने बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्रीलंका की एक अत्यंत सार्थक राजकीय यात्रा पूरी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के लिए रवाना हुए। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान, दोनों देशों ने सैन्य सहयोग को संस्थागत बनाने के लिए एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो रक्षा संबंधों में प्रगति का संकेत है। इसके साथ ही लगभग 35 साल पहले भारत के श्रीलंका से भारतीय शांति सेना को वापस बुलाने के कड़वे अध्याय की यादें पीछे छूट गईं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और एक-दूसरे पर निर्भर है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि नई दिल्ली हमेशा श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

श्रीलंका ने रिहा किए चौदह भारतीय मछुआरे

कोलंबो। श्रीलंका ने रविवार को विशेष पहल के रूप में कम से कम 14 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया। यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मछुआरों के मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से सुलझाने की वकालत किए जाने के एक दिन बाद उठाया गया है। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के बीच हुई बातचीत के दौरान मछुआरों का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। सूत्रों ने बताया कि श्रीलंका ने विशेष पहल के तौर पर 14 भारतीय मछुआरों को रिहा किया है। दिसानायके से मुलाकात के बाद मोदी ने मीडिया को दिए बयान में कहा, हमने मछुआरों की आजीविका से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने नौकाओं और मछुआरों की तत्काल रिहाई पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को श्रीलंका की अपनी तीन दिवसीय यात्रा संपन्न की।

मोदी की यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति में श्रीलंका की अहम भूमिका की पुष्टि : राष्ट्रपति कार्यालय

कोलंबो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की श्रीलंका यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति में द्वीपीय देश की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट करती है। राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के कार्यालय ने रविवार को यहां एक बयान में यह बात कही। मोदी ने रविवार को श्रीलंका की बेहद सार्थक यात्रा संपन्न की, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति दिसानायके के साथ व्यापक वार्ता की और रक्षा, ऊर्जा तथा डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रपति दिसानायके के कार्यालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा सदियों पुरानी मित्रता, समृद्ध भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता की थीम पर आधारित स्थाई संबंधों को रेखांकित करती है, तथा भारत एवं श्रीलंका के बीच संबंधों को और मजबूत बनाती है। इसमें कहा गया है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध और प्रगाढ़ हुए हैं। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की पड़ोसी पहले नीति और महासागर दृष्टिकोण में श्रीलंका की महत्वपूर्ण भूमिका को पुष्ट करती है। इसमें कहा गया है कि मोदी की यात्रा से सहयोगात्मक पहल पर महत्वपूर्ण परिणाम मिलने की उम्मीद है, जिससे पारस्परिक प्रगति और विकास की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा।

बांग्लादेश और विदेश से आए हजारों लोगों ने पवित्र स्नान किया

हिंदुओं द्वारा महाअष्टमी , बसंती पूजा मनाने के मद्देनजर सेना ने बांग्लादेश में सुरक्षा चौकसी बढ़ाई

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश की सेना ने हजारों हिंदुओं द्वारा महाअष्टमी , बसंती पूजा मनाए जाने और पवित्र स्नान करने के मद्देनजर देश भर में सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी है। सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेशी सेना ने एक बयान में कहा, देश के विभिन्न क्षेत्रों में हजारों की संख्या में सनातन (हिंदू) शांति के साथ त्योहार मना रहे हैं। बयान में कहा गया कि सैनिक पूजा पंडालों, घाटों और धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं, जिनमें ढाका का बाहरी इलाका लंगोलबांध भी शामिल है। यहां बांग्लादेश और विदेश से आए हजारों लोगों ने पवित्र स्नान किया। इसमें कहा गया कि सैकड़ों लोगों ने उत्तर-पश्चिमी लालमोनिरहाट में ब्रह्मपुत्र नदी में भी पवित्र डुबकी लगाई।

बयान में कहा गया, सैनिक पूजा स्थलों और संबंधित क्षेत्रों में निरंतर गश्त कर रहे हैं और निरीक्षण गतिविधियों के माध्यम से सतर्कता बना रखी है। वे यातायात प्रबंधन, नियंत्रण और जांच चौकियों के माध्यम से श्रद्धालुओं की मदद भी कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि सेना ने बांग्लादेश भर में हिंदू समुदाय के नेताओं और पूजा-पाठ का आयोजन करने वाले लोगों के साथ बैठक की और उन्हें त्योहार के दौरान सुरक्षा देना का आश्वासन भी दिया। बयान में कहा गया, धार्मिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के उज्ज्वल प्रतीक के रूप में बांग्लादेश सेना धार्मिक त्योहारों के सुचारू आयोजन के लिए सुरक्षा बढ़ा रही है...।

बांग्लादेशी अदालत ने अवामी लीग समर्थक 70 वकीलों को जेल भेजा

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी की एक अदालत ने रविवार को अवामी लीग पार्टी का समर्थन करने वाले 70 वकीलों को जेल भेज दिया। इन वकीलों पर पिछले साल हुए जन-विद्रोह के दौरान साथी वकीलों पर हमला करने और हत्या के प्रयास का आरोप है। अदालत के अधिकारियों ने बताया कि ढाका के मेट्रोपोलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद जाकिर हुसैन ने वकीलों को जमानत याचिका के साथ अदालत में पेश होने के बाद जेल भेजने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत ने नौ महिला वकीलों और ढाका बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अबू सईद सागोर को जमानत दे दी। इससे पहले वकीलों ने उच्च न्यायालय से आठ सप्ताह के लिए अग्रिम जमानत हासिल की थी और अवधि समाप्त होने के बाद निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।आदेश के तुरंत बाद वकीलों को वैन के जरिए ढाका सेंट्रल जेल ले जाया गया। पिछले वर्ष विरोध प्रदर्शनों के दौरान हमला करने और हत्या के प्रयास के आरोप में 144 वकीलों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। इन प्रदर्शनों के दौरान 1,400 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तान ने एक अप्रैल से अब तक 6700 अफगान नागरिकों को निर्वासित किया: रिपोर्ट

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान सरकार ने एक अप्रैल से अब तक 6,700 अफगान नागरिकों (कुल 944 परिवार) को निर्वासित किया है। पाकिस्तान सरकार ने निर्धारित समय सीमा के पिछले सप्ताह ही समाप्त हो जाने के बाद यह कदम उठाया। मीडिया में आई खबरों में इसकी जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि सभी अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय सीमा समाप्त होने के बाद निर्वासन में तेजी आई।आव्रजन मामलों से जुड़े स्रोतों का हवाला देते हुए एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि निर्वासित लोगों में 2,874 पुरुष,1,755 महिलाएं और 2,071 बच्चे शामिल हैं। इन व्यक्तियों को पेशावर के पास लांडी कोटल स्थित ट्रांजिट शिविर में ले जाया गया, जहां उन्हें तोरखम सीमा बिंदु से निर्वासित किए जाने से पहले आवश्यक प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

यह अवैध विदेशियों को निष्कासित करने के लिए सितंबर 2023 में शुरू किए गए पहले चरण के बाद एसीसी धारकों को लक्षित करने वाले निर्वासन का दूसरा चरण था। पहले चरण के तहत 70,494 अफगान परिवार यानी 4,69,159 व्यक्ति तोरखम के माध्यम से अपने वतन लौटे थे। हालांकि, पहले चरण के तहत विभिन्न सीमा बिंदुओं के माध्यम से लौटे अफगानों की कुल संख्या 8,00,000 से अधिक थी। पूर्व सोवियत संघ की सेनाओं द्वारा 1980 के दशक में किए गए आक्रमण के बाद बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के आलोक में अफगानों ने पाकिस्तान में शरण लेना शुरू किया था। पाकिस्तान में रहने वाले अफगान शरणार्थियों की सही संख्या ज्ञात नहीं है। विभिन्न अनुमानों के अनुसार, लगभग 25 लाख अफगान नागरिक पाकिस्तान में रह रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

गाजा और अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए ट्रंप और नेतन्याहू सोमवार को करेंगे मुलाकात

» पाम बीच गार्डन (फ्लोरिडा), भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद व्हाइट हाउस में यह उनकी दूसरी बैठक होगी। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी और नेतन्याहू के कार्यालय ने शनिवार को इस मुलाकात की पुष्टि की। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब इजराइल हमास के चरमपंथियों पर दबाव बनाने के लिए गाजा पट्टी में एक नए सुरक्षा गलियारे में सेना तैनात कर रहा है। इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा है कि इजराइल इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा करेगा और उसे अपने सुरक्षा जोन में शामिल करेगा।

पिछले महीने इजराइल ने संघर्षविराम तोड़ते हुए गाजा पर अचानक बमबारी कर दी थी,व्हाइट हाउस ने उसके इस कदम का समर्थन किया था। इजराइल ने संकल्प लिया है कि जब तक हमास सात अक्टूबर, 2023 के हमले में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा नहीं करता, अपने हथियार नहीं डालता और गाजा क्षेत्र से बाहर नहीं निकलता तब तक युद्ध जारी रहेगा। नेतन्याहू के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि नेतन्याहू और ट्रंप शुल्क के मुद्दे, हमारे बंधकों को वापस करने के प्रयासों, इजराइल-तुर्किए संबंधों, ईरान से खतरे जैसे मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

अमेरिका में फोर्ट बेंड काउंटी में भारतीय मूल के न्यायाधीश धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार

» ह्यूस्टन, भाषा।

अमेरिका में फोर्ट बेंड काउंटी में भारतीय मूल के न्यायाधीश के.पी. जॉर्ज को वायर धोखाधड़ी और चुनावी वित्तीय रिपोर्ट के फर्जीवाड़े से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े जॉर्ज वर्ष 2018 से काउंटी के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे काउंटी की एक जेल भेजा गया और 20,000 अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि का भुगतान करने के बाद रिहा कर दिया गया।

अदालती रिकॉर्ड और फोर्ट बेंड काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, जॉर्ज पर 30,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर तक के धन शोधन का आरोप है। शुक्रवार को जारी एक बयान में जॉर्ज ने कहा, मुझे न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और मैं खुद को निर्दोष साबित करने के लिए लड़ूंगा। फोर्ट बेंड काउंटी में कार्यरत बिल रिकर्ट ने सार्वजनिक रूप से जॉर्ज से इस्तीफे की मांग की है। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है।

दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा अमेरिका: रुबियो

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका अब दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों के सभी वीजा रद्द कर रहा है। रुबियो ने दक्षिण सूडान की सरकार पर अमेरिका का फायदा उठाने का आरोप लगाया। रुबियो ने एक बयान में कहा, अमेरिका समेत कोई भी देश अगर किसी देश के नागरिकों को अपने यहां से निकालता है, तो उस देश को समय रहते अपने नागरिकों को वापस बुला लेना चाहिए। रुबियो ने कहा कि अमेरिका वीजा रद्द करने के अलावा दक्षिण सूडान के पासपोर्ट धारकों को अमेरिका में प्रवेश से रोकने के लिए भविष्य में वीजा जारी करने पर भी रोक लगाएगा।

यदि पूर्व नरेश संविधान विरोधी गतिविधियों में लगे रहेंगे तो नेपाल सरकार करेगी कार्रवाई : मंत्री

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने रविवार को कहा कि पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने राजनीतिक दलों के साथ जो समझौता किया था कि वह संविधान का सम्मान करेंगे, उसका उन्होंने उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, यदि वह संविधान के विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त रहेंगे तो सरकार कार्रवाई करेगी। गुरुंग ने लामजुंग जिले में एक कार्यक्रम में कहा, पूर्व नरेश ने अतीत में राजनीतिक दलों के साथ जो समझौता किया था कि वह संविधान का सम्मान करेंगे और देश की संप्रभु जनता को कमजोर करने वाली किसी भी गतिविधि का हिस्सा नहीं बनेंगे, उसका उन्होंने उल्लंघन किया है।

उन्होंने कहा कि ज्ञानेन्द्र ने राजनीतिक दलों के साथ यह समझौता किया था कि सरकार उनकी मां, पूर्व रानी रत्ना राज्यलक्ष्मी शाह को नारायणहिती महल के एक हिस्से में रहने देगी तथा उन्हें काठमांडू के बाहरी इलाके में स्थित नागार्जुन महल में रहने की अनुमति देगी। गुरुंग ने कहा कि सरकार ने उन्हें पूर्व राष्ट्राध्यक्ष के लिए निर्धारित सुविधाएं प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की थी और यह कि वह संविधान का सम्मान करेंगे तथा नेपाली नागरिकों के संप्रभु अधिकारों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन पूर्व राजा ने 19 फरवरी को लोकतंत्र दिवस के दौरान अपने बयान से समझौते का उल्लंघन किया है। पूर्व नरेश ने कहा था कि समय आ गया है कि वह देश को बचाने और राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए सक्रिय हो जाएं। गुरुंग ने कहा, पूर्व नरेश के नाम पर कुछ संविधान विरोधी और व्यवस्था विरोधी तत्व पिछले कुछ समय से सिर उठा रहे हैं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, हम एक लोकतांत्रिक सरकार के नाते इन गतिविधियों की अनुमति दे रहे थे, लेकिन अब जब उन्होंने हिंसा, अराजकता और लूटपाट का रास्ता चुना है, तो अब हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कांग्रेस के बीच का मौजूदा गठबंधन 2028 में होने वाले अगले संसदीय चुनाव तक सत्ता में रहेगा। नेपाल में राजशाही की बहाली की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच 31 मार्च को भारत में नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी और नेपाल-भारत संबंधों पर चर्चा की थी। यह मुलाकात यहां तिनकुने इलाके में राजशाही समर्थक प्रदर्शनों के तुरंत बाद हुई, जिसमें एक फोटो पत्रकार समेत दो लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। माई रिपब्लिका के अनुसार नेपाल में योगी आदित्यनाथ को उनके मुद्दे के मुखर समर्थक के रूप में देखा जाता है। हाल में काठमांडू में एक रैली में राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों को इन भारतीय नेता की छवि वाले प्लेकार्ड ले जाते हुए भी देखा गया।

जापान के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक एंबुलेंस हेलीकॉप्टर हुआ दुर्घटनाग्रस्त

» तोक्यो, भाषा।

जापान के दक्षिणपश्चिम हिस्से में रविवार को एक मरीज को लेकर जा रहा एक चिकित्सा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र में गिर गया जिससे उसपर सवार छह लोगों में से तीन लापता हो गए। जापान के तटरक्षक बल ने यह जानकारी दी। तटरक्षक बलों ने बताया कि इस हेलीकॉप्टर में रोगी के अतिरिक्त एक डॉक्टर, नर्स, पायलट, हेलीकॉप्टर मैकेनिक और रोगी की देखभाल करने वाला एक व्यक्ति सवार थे। जापान तट रक्षक बल के एक अधिकारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि बल ने तीन लोगों को बचाया

जिन्हें हाइपोथर्मिया हो गया यानी उनके शरीर का तापमान असामान्य रूप से गिर गया था, लेकिन वे होश में थे। जिन लोगों को बचाया गया है उनकी पहचान नहीं हो पाई है। हादसे की वजह का भी पता नहीं चल पाया है। तटरक्षक बल ने बचाव अभियान के तहत इलाके में दो विमानों एवं तीन जहाजों को लगाया है। तटरक्षक बल के मुताबिक यह हेलीकॉप्टर नागासाकी के एक हवाई अड्डे से फुकुओका स्थित एक अस्पताल जा रहा था।

गाजा में इजराइली हमले में 24 मारे गए, ज्यादातर महिलाएं एवं बच्चे

दीर अल-बला। गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में एक दर्जन से अधिक महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 24 लोग मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भेंटवार्ता करने के लिए अमेरिका गए हैं। इजराइल ने पिछले महीने हमास के साथ युद्ध विराम समाप्त कर दिया था तथा हवाई और जमीनी हमले पुनः शुरू कर दिए थे। उसने ताबड़तोड़ हमला करते हुए क्षेत्रों पर कब्जा किया था ताकि उग्रवादी संगठन पर नए युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करने तथा शेष बंधकों की रिहाई के लिए दबाव बनाया जा सके। रविवार रात को किए गए नवीनतम इजराइली हमलों में दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक तम्बू और एक घर को निशाना बनाया गया, जिसमें पांच पुरुष, पांच महिलाएं और पांच बच्चे मारे गए। नासेर अस्पताल ने यह जानकारी दी जहां ए शव लाए गए थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में इजराइली गोलाबारी में कम से कम चार लोग मारे गए। उधर, मध्य गाजा के दीर अल-बला में अल-अक्सा शहीद अस्पताल में एक बच्चे और तीन महिलाओं समेत पांच लोगों के शव लाए गए। युद्ध-विरोधी प्रदर्शनों के नए दौर के तहत दर्जनों फलस्तीनी जबालिया की सड़कों पर उतर आए। सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में लोगों को हमास के खिलाफ़ मार्च करते और नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

कांगो : किंशासा में बाढ़ से 22 लोगों की मौत

» किंशासा, भाषा।

कांगो की राजधानी किंशासा में आई भीषण बाढ़ से कम से कम 22 लोगों की मौत हुई है और शहर के आधे से अधिक हिस्से और देश के मुख्य हवाई अड्डे तक पहुंच बाधित हुई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री पैट्रिशियन एनगोंगो ने बताया कि शुक्रवार की बाढ़ में अधिकतर मौतें दीवारों के ढहने से हुईं।

किंशासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि बाढ़ की वजह से हवाई अड्डे तक जाने वाली मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन इसे हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस सड़क को 72 घंटों के भीतर सभी तरह के वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा। यह सड़क किंशासा को कांगो के बाकी हिस्सों से भी जोड़ती है।

विश्व शांति के संदेश के साथ भगवान गणेश की 10 फुट ऊंची रेत की मूर्ति बनायी

ब्रिटेन में सैंड मास्टर पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय कलाकार बने सुदर्शन पटनायक

» लंदन, भाषा।

विश्व प्रसिद्ध रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को इस क्षेत्र में उनके योगदान के लिए फ्रेड डारिंगटन सैंड मास्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दक्षिणी इंग्लैंड के डोरसेट काउंटी के वेमाउथ में शनिवार को शुरू हुए सैंडवर्ल्ड 2025 अंतरराष्ट्रीय रेत कला महोत्सव के दौरान, पटनायक ने एक और उपलब्धि तब हासिल की जब उन्होंने विश्व शांति के संदेश के साथ भगवान गणेश की 10 फुट ऊंची रेत की मूर्ति बनाई।

इस साल पटनायक को ये प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलना इसलिए भी खास है क्योंकि दिग्गज ब्रिटिश रेत कलाकार फ्रेड डारिंगटन की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पटनायक ने कहा, मैं ब्रिटेन के वेमाउथ में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रेत कला महोत्सव सैंडवर्ल्ड 2025 में फ्रेड डारिंगटन ब्रिटिश सैंड मास्टर पुरस्कार प्राप्त करने वाला पहला भारतीय कलाकार बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा, यह सम्मान भगवान गणेश की मेरी 10 फुट की रेत मूर्ति का प्रमाण है, जो विश्व शांति के सार्वभौमिक संदेश का प्रतीक है। वेमाउथ के मेयर जॉन ओरेल ने महोत्सव में पटनायक को पुरस्कार

और पदक प्रदान किया। सैंडवर्ल्ड के निदेशक मार्क एंडरसन, इसके सह-संस्थापक डेविड हिक्स और लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में संस्कृति मंत्री नोरेम जे सिंह भी पुरस्कार समारोह में उपस्थित थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पुरी के रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। माझी ने शनिवार को एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रख्यात रेत कलाकार सुदर्शन पटनायक को प्रथम ब्रिटिश सैंड मास्टर पुरस्कार द फ्रेड डारिंगटन से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। माझी ने कहा, पटनायक ने वेमाउथ में आयोजित अंतरराष्ट्रीय रेत कला महोत्सव में भगवान गणेश की 10 फुट ऊंची विशाल प्रतिमा के माध्यम से शांति का संदेश दिया। उनके योगदान ने वैश्विक मंच पर हमारे देश और राज्य की सांस्कृतिक विरासत को और बढ़ाया है। पद्म श्री से सम्मानित पटनायक ने दुनिया भर में 65 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रेत मूर्तिकला चैंपियनशिप और उत्सवों में हिस्सा लिया है। उन्हें उनकी शानदार कृतियों के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। वेमाउथ में सैंडवर्ल्ड एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है, जहां दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई रेत की असाधारण मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। इस साल की विशेष प्रदर्शनी इस सप्ताहांत शुरू हुई